खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-299

वक्फ कानून में संशोधन की प्रक्रिया प्रारंभ होते ही

पूरे देश में जारी है वक्फ बोर्ड की गुंडई!

बेंगलुरु, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ कानून में संशोधन की पहल होते ही वक्फ बोर्ड ने पूरे देश में अराजकता फैलाना शुरू कर दिया है। किसी भी सम्पत्ति पर दावा ठोक देना और वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति बता कर लोगों में दहशत फैलाना और गुंडई करना आम घटना हो गई है। वक्फ बोर्ड मंदिरों और हिंदुओं को नियोजित तरीके से निशाना बना रहा है और मंदिरों की जमीन एवं हिंदू बस्तियों पर दावा ठोक रहा है। यह हरकतें वक्फ बोर्ड की बौखलाहट भी है और कानून में संशोधन की सरकारी प्रक्रिया में बाधा डालना भी है। अब वह दिन भी आने वाला है कि जब वक्फ बोर्ड पूरे भारतवर्ष को अपनी सम्पत्ति बताएगा।वक्फ बोर्ड ने अभी तमिलनाडु के बाद कर्नाटक के एक सम्पूर्ण गांव पर ही अपना दावा ठोक दिया है। यहां की 1200 एकड़ यानी करीब 2000 बीघा जमीन पर शाह अमीनुद्दीन दरगाह ने अपना हक जताया है। वक्फ बोर्ड के दावे के पक्ष में राज्य की कांग्रेस सरकार ने किसानों को गांव खाली करने की नोटिस भी भेज दी है। ▶10पर

उत्तर और दक्षिण भारत के कई गांवों कस्बों और मंदिरों पर दावा

कर्नाटक के किसानों की 1200 एकड़ भूमि पर दावा, नोटिस भी जारी

चर्च के लिए भी वक्फ की तरह बोर्ड बने: हाईकोर्ट

चेन्नई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने ईसाई संस्थाओं की सम्पत्तियों, उनके फंड्स और अस्पतालों और स्कूलों, कॉलेजों जैसी संस्थाओं को वक्फ बोर्ड की ही तर्ज पर एक लीगल बोर्ड बनाकर उसके अंतर्गत लाकर उन्हें जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा है।

मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस एन सतीश कुमार ने पिछले दिनों इस मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि संविधान के तहत हिंदुओं और मुस्लिमों के धर्मार्थ बंदोबस्त कानूनी नियमों के अधीन है। लेकिन ईसाइयों के लिए इस तरह की कोई संस्था नहीं है। ईसाइयों से जुड़े मामलों की एकमात्र जांच सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 92 के तहत का केस दर्ज किया गया था। ▶10पर

भारत और स्पेन की साझेदारी में रक्षा निर्माण का नया अध्याय खुला

अब टाटा भी बनाएगा वायुसेना के विमान

वडोदरा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा निर्माण के क्षेत्र में भारत और स्पेन की साझेदारी में नया अध्याय खुला। भारत में विमान निर्माण के क्षेत्र में पहली बार टाटा जैसी प्रतिष्ठित और विश्वसनीय निजी कंपनी उतरी है। इसके पहले विमान निर्माण के क्षेत्र में सरकारी उपक्रम हिंदुस्तान एयरनॉटिक्स लिमिटेड का ही एकाधिकार रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में टाटा के विमान विनिर्माण प्लांट का उद्घाटन किया। इस दौरान स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज भी उनके साथ थे। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने रतन टाटा को याद किया और कहा कि देश ने एक महान सपूत खो दिया। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने भी इस मौके पर रतन टाटा को याद किया और कहा कि उनकी दूरदर्शिता की वजह से ही आज देश में विमान निर्माण प्लांट की शुरुआत हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, हाल ही में हमने देश के महान सपूत रतन टाटा जी को खो दिया। अगर आज वो हमारे बीच होते तो उन्हें खुशी होती, लेकिन उनकी आत्मा जहां भी होगी, वो खुश होगी। ये सी-295 विमान फैक्ट्री नए भारत की नई कार्य संस्कृति को दर्शाती है। जब मैं गुजरात का सीएम था, तब वडोदरा में ट्रेन के कोच बनाने के लिए फैक्ट्री लगाने का फैसला लिया गया था। रिकॉर्ड समय में फैक्ट्री को उत्पादन के लिए तैयार भी कर दिया गया। आज हम उस फैक्ट्री में बने मेट्रो कोच दूसरे देशों को निर्यात कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में इस फैक्ट्री में बने विमान भी दूसरे देशों को निर्यात किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज भारत में रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने किया उद्घाटन, स्पेन के पीएम सांचेज भी साथ थे

आज रतन टाटा होते तो बेहद खुश होते, यह उनका सपना था : मोदी

वडोदरा में बनेंगे सी-295 विमान, वायुसेना का बड़ा ऑर्डर

वडोदरा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ गुजरात के वडोदरा में जिस सी-295 विमान फैक्ट्री का उद्घाटन किया, वह विमान मेक इन इंडिया मुहिम के तहत एयरबस और टाटा मिलकर बनाएगी। इनका उपयोग भारतीय वायुसेना करेगी। पीएम मोदी ने इस दौरान रक्षा क्षेत्र को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों पर भी बात की है। वडोदरा में बनी इस फैक्ट्री के उद्घाटन पर पीएम मोदी ने कहा, भारत में रक्षा निर्माण का इकोसिस्टम नई ऊंचाइयां छू रहा है। हमने रक्षा निर्माण के क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ाया है और सरकारी कम्पनियों को किफायती बनाया है। ▶10पर

देसी कट्टरपंथियों, रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की करतूत

भारत-नेपाल सीमा के 'नो मेंस लैंड' पर कब्जा

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत-नेपाल सीमा पर इस्लामिक कट्टरपंथी तत्वों ने नो मेंस लैंड को पाटकर रास्ता बना दिया गया है। बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती से लगती भारत-नेपाल की सीमाएं खुली हैं। आतंकी संगठनों और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए खुला काम करने वाले तत्व सीमाई क्षेत्र पर कब्जा जमा कर बैठ गए है। यह आने वाले समय के भीषण खतरे का संकेत है। भारत और नेपाल की खुफिया एजेंसियां और प्रशासन नाकारा बैठा है और सीमा पर लगे खंभे उखाड़ कर फेंक दिए गए हैं। बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती से लगती नेपाल सीमा पर नो मेंस लैंड को कुछ जगहों पर समतल कर सड़क बना दी गई है। इससे बस एक छलांग में आसानी से सीमा पार हो जाती है। भारी वाहन भी इन चोर रास्तों से नेपाल पहुंच रहे हैं। इससे तस्कर आसानी से सीमा पार कर जाते हैं। नेपाल की खुली सीमा बेहद संवेदनशील हो गई हैं। बलरामपुर-सिद्धार्थनगर के बीच पिलर संख्या 570/1 से यात्रा शुरू कर श्रावस्ती के पिलर 636 से होते हुए बहराइच के रुपइडिहा सीमा के पिलर 649/3 तक जाएं तो सीमा के किनारे किनारे आपको खौफनाक दृश्य देखने को मिलेंगे। यह क्षेत्र लगता ही नहीं कि भारत या नेपाल का है। ▶10पर

सीमा के स्तम्भ हटा कर बना दिया आम रास्ता

तस्करी और आतंकी गतिविधियां रोकना मुश्किल

अमेरिका में लोकतंत्र खतरे में, सर्वेक्षण में तीन-चौथाई मतदाताओं का दावा

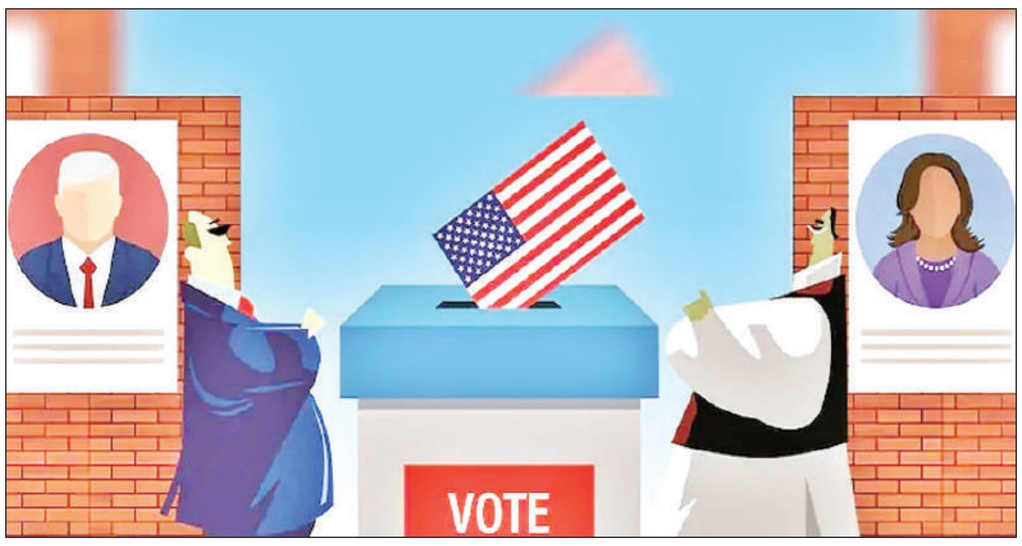

वाशिंगटन,28 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। कई अखबार और चुनाव सर्वेक्षण एजेंसिया मतदाताओं का मन टटोलने की कोशिश कर रहे हैं।

इस संबंध में अमेरिका के प्रमुख ने भी संयुक्त रूप से सर्वेक्षण किया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, तीन-चौथाई मतदाताओं ने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में हैं।

सिएना कॉलेज के इस सर्वेक्षण के अनुसार, सभी अमेरिकी मतदाताओं में से लगभग आधे का मानना है कि अमेरिकी लोकतंत्र आम लोगों का प्रतिनिधित्व करने का अच्छा काम नहीं कर रहा।

तीन-चौथाई मतदाताओं का कहना है कि लोकतंत्र खतरे में है। अखबार इस मत का विश्लेषण करते हुए कहता है कि यह धारणा पक्षपातपूर्ण झुकाव के आधार पर व्यापक रूप से भिन्न है। अधिकांश मतदाताओं का मानना है कि देश भ्रष्टाचार से ग्रस्त है।

इस सर्वेक्षण के विश्लेषण में कहा गया है कि लगभग 250 साल पुरानी अमेरिकी सरकार प्रणाली में विश्वास कम होने की वजह चार साल की अभूतपूर्व चुनौतियां हैं। इनमें 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को पलटने की कोशिश में हिंसक दंगा और बिगड़ती अर्थव्यवस्था प्रमुख कारक है।

विभाजनकारी संस्कृति और भू-राजनीतिक संकट से मतदाता परेशान है।वोटर्स का मानना है कि अमेरिकी सरकार बुनियादी सुविधाओं को मुहैया कराने में विफल रही है। 58 प्रतिशत मतदाता चाहते हैं कि देश की वित्तीय और राजनीतिक प्रणाली में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है।

न्यूज ब्रीफ

बुशरा बीबी को जेल में जहर दिया गया था : उमर अयूब खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के केंद्रीय नेता और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने आरोप लगाया है कि अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में रहने के दौरान बुशरा बीबी को जहर दिया गया था। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, उमर अयूब खान ने यह आरोप रविवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हजारा डिवीजन के शहर हरिपुर में जारी बयान में लगाया। उल्लेखनीय है कि इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को हाल ही में जेल से रिहा किया गया है। पीटीआई नेता उमर अयूब खान ने दावा किया कि पूर्व प्रथम महिला बुशरा बीबी नौ महीने तक हिरासत में रहीं। वह किसी तरह जीवित रहीं। उन्होंने कहा कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान की दोनों बहनों अलीमा खान और उज्मा खान के साथ बुशरा बीबी की हालिया रिहाई कानूनन हुई है। इसके लिए सरकार से किसी भी तरह का राजनीतिक समझौता नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान के साथ अदियाला जेल में खराब व्यवहार होता है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की तरह पीटीआई नेता को भी प्लेटलेट स्तर में गिरावट का सामना करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने विदेश में निर्वासन नहीं मांगा है। उन्होंने न्यायिक निष्पक्षता की आशा व्यक्त की है। अयूब ने मौलाना फजलुर रहमान के साथ पीटीआई के गठबंधन को दोहराते हुए यह भी घोषणा की कि विपक्ष दल जल्द ही वर्तमान सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे।

अमेरिका के लाख मनाने के बाद भी नहीं माना इजराइल, उड़ा दिया ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम

वाशिंगटन। इजरायल की सेना ने शनिवार को ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया है, जिससे दोनों देशों के बीच स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इजरायल ने ईरान के एक गुप्त परमाणु ठिकाने को निशाना बनाते हुए तेहरान के दक्षिण-पूर्व में स्थित एक सैन्य अड्डे की सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस ठिकाने को पहले ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम से जोड़ा गया था। इस हमले को लेकर इजरायल और अमेरिका के बीच कुछ समझौते थे। इजरायल ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि वह ईरान के तेल संयंत्रों और नाभिकीय ठिकानों को नहीं निशाना बनाएगा। हालांकि, हालिया घटनाक्रम में इजरायल ने इस वादे को तोड़ते हुए हमले को अंजाम दिया। सेटेलाइट तस्वीरों में इस साइट पर हमले की पुष्टि हुई है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है, लेकिन पश्चिमी देशों, खासकर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, का मानना है कि तेहरान सक्रिय रूप से अपने परमाणु कार्यक्रम को विकसित कर रहा है। इजरायल के हमले में चार ईरानी सैनिकों की मौत होने की सूचना है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजरायली हमले को बढ़ा-चढ़ाकर बताने और उसे कम करके आंकने से मना किया है, जबकि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे सफल बताया और कहा कि इससे ईरानी सेना को गंभीर नुकसान हुआ है। इस संघर्ष की जड़ें तब और गहरी हो गईं, जब हमास के नेता इस्माइल हानिया की हत्या ईरान में कर दी गई।

जापान की सियासतः जिन पर घपले घोटाले के आरोप लगे वही बन गए किंगमेकर

टोक्यो। जापान के चुनावी मैदान में एक दिलचस्प मोड़ तब आया जब कई ऐसे नेता पुनः चुनाव जीत गए, जिन पर घोटाले के आरोप लगे थे। इनमें पूर्व अर्थव्यवस्था मंत्री कोइची हागिउदा भी शामिल हैं, जिन्हें पार्टी का आधिकारिक समर्थन नहीं मिला था। हागिउदा ने कड़े मुकाबले में अपनी सीट जीतकर किंगमेकर की भूमिका हासिल कर ली है। उनके साथ ही अन्य नेता भी, जो पूर्व में घोटालों के आरोपों में घिरे थे, अब किंगमेकर की स्थिति में हैं और सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जापान की राजनीति में हाल के घटनाक्रम ने एक नए दौर की शुरुआत कर दी है, जहां घोटालों के आरोपों से घिरी सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को आम चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के कारण प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा को सत्ता में बने रहने के लिए अब किसी तीसरे दल से गठबंधन करना होगा। निचले सदन में बहुमत खो देने से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ गई है और गठबंधन पर एलडीपी का नियंत्रण कमजोर हो गया है। इस नए समीकरण में हर विधेयक पारित करने के लिए किसी तीसरे दल का समर्थन आवश्यक होगा।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमलों में 22 लोगों की मौत : फलस्तीनी अधिकारी

गाजा,28 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

उत्तरी गाजा पर इजराइल के हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें 11 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार रात बेत लाहिया में हुई, जहां कई मकानों और इमारतों पर हवाई हमले किए गए। उत्तरी गाजा में इजराइल के हमले तीसरे सप्ताह भी जारी हैं।

जिससे क्षेत्र में मानवीय आपदा की स्थिति बन गई है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने चरमपंथियों पर हमला किया और नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाए। हालाँकि, उसने हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की और मीडिया द्वारा प्रकाशित आंकड़ों को गलत बताया। इस बीच, उत्तरी तेल अविव में एक ट्रक ने बस स्टॉप से टकराकर कई लोगों को घायल कर दिया, जिसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

गाजा में जारी संघर्ष के कारण हाल के महीनों में विस्थापन की लहर तेज हो गई है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों फलस्तीनी गाजा सिटी छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इजराइल लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है, जबकि लेबनान में हिजबुल्ला के साथ भी संघर्ष जारी है।

इजराइल ने हाल ही में ईरान पर हवाई हमले किए हैं, जिसका दावा किया गया है कि यह ईरान द्वारा इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों का जवाब है।

ईरान के नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हमले को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने ईरानी लोगों की इच्छाशक्ति और ताकत के बारे में इजराइली शासन को समझाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस संकट के दौरान, रेड क्रॉस ने उत्तरी गाजा की स्थिति को भयावह बताया है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमला किया था, जिसमें लगभग 1,200 इजराइलियों की हत्या की गई थी, जबकि इजराइल की जवाबी कार्रवाई में 42,000 फलस्तीनी मारे गए हैं। यह स्थिति दोनों पक्षों के बीच युद्ध की आशंका को और बढ़ा रही है।

चुनावी रैली में ट्रंप और उनकी पत्नी ने किया डांस, समर्थकों में दिखा उत्साह

वाशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार दिन ब दिन तेज होता जा रहा है। इस माहौल में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैडिसन स्क्वायर गार्डन में चुनावी रैली के दौरान मंच पर उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप भी मौजूद थीं। ट्रंप ने जहां अपनी पत्नी के साथ डांस किया, वहीं मेलानिया ने उन्हें अमेरिका का जादू कहकर रैली में चार चांद लगा दिए। रैली में मौजूद भीड़ ने ट्रंप और मेलानिया के इस जोशीले प्रदर्शन का आनंद लिया और जमकर नारेबाजी भी की। मेलानिया ने रैली में अपने पति का स्वागत करते हुए समर्थकों से बातचीत भी की। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और किस किया। अचानक बजने वाले संगीत पर ट्रंप खुद को डांस करने से रोक नहीं पाए और पूरे जोश में समर्थकों का अभिवादन किया। इस रैली में आरएफके जूनियर, तुलसी गबार्ड, एलन मस्क, टकर कार्लसन, और हल्क होगन जैसे खास मेहमान भी पहुंचे थे। न्यूयॉर्क सिटी की सड़कों पर ट्रंप और अन्य चर्चित हस्तियों को देखने के लिए हजारों प्रशंसक मौजूद थे। राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों ही लोकप्रियता के मामले में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हाल ही में किए गए एक सर्वे के मुताबिकक 47 फीसदी मतदाता डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैरिस का समर्थन कर रहे हैं जबकि 47 फीसदी रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप का साथ दे रहे हैं। व्हाइट हाउस की इस जंग को जीतने के लिए उम्मीदवार को कुल 270 चुनावी मत हासिल करने होंगे। अमेरिका के सात प्रमुख राज्य, जिनमें जॉर्जिया, मिशिगन, एरिज़ोना, पेंसिल्वेनिया, नॉर्थ कैरोलिना, विस्कॉन्सिन, और नेवाडा शामिल हैं, चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। इन राज्यों में समर्थन हासिल करने की कोशिश में दोनों उम्मीदवार कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

500 फीट आकार का एस्टेरॉयड धरती के करीब से गुजरेगा, नासा ने किया अलर्ट

वाशिंगटन,28 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

विशेषज्ञों का मानना यदि धरती से टकराया तो मच सकती बड़ी तबाही

नासा ने चेतावनी दी है कि एक विशालकाय एस्टेरॉयड 28 अक्टूबर यानी सोमवार को धरती के बहुत करीब से गुजरेगा। इस खगोलीय पिंड को एस्टेरॉयड 2020 डब्ल्यूजी का नाम दिया गया है, जिसका आकार 500 फीट का है। यह एस्टेरॉयड करीब 33,947 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष में सफर कर रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि यह क्षुद्रग्रह धरती के पास बिंदु पर करीब 33.3 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा।

2020 डब्ल्यूजी को खतरनाक एस्टेरॉयड माना जा रहा है, जिसका मतलब है कि यह धरती के पास आते ही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। हालांकि इस दूरी के कारण इस बार किसी गंभीर खतरे की आशंका नहीं है। नासा विशेषज्ञ टीम हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है, ताकि समय रहते जरूरी कदम उठाए जा सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि इस आकार का एस्टेरॉयड, यदि धरती से टकराता है, तो यह बड़ी तबाही ला सकता है। इसके टकराने से लाखों टन टीएनटी के बराबर ऊर्जा निकल सकती है, जो धरती के एक बड़े हिस्से पर असर डाल सकती है। ऐसे खगोलीय पिंडों पर नजर रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनकी टक्कर से बड़ी तबाही मच सकती है। हाल ही में 26 अक्टूबर को एक अन्य एस्टेरॉयड 2024 टीबी2 भी पृथ्वी के पास से गुजरा था। यह एस्टेरॉयड हवाई जहाज के आकार का था, जो पृथ्वी से केवल 11,764 किलोमीटर की दूरी पर था। इसके बावजूद वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई थी कि यह चंद्रमा की कक्षा से आगे निकल जाएगा और यह अनुमान सही साबित भी हुआ। भविष्य में इस प्रकार के खतरों को कम करने और संभावित आपदाओं से निपटने के लिए नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां काम कर रही हैं। नासा के वैज्ञानिक इस एस्टेरॉयड के अध्ययन और उस पर लगातार नजर रखे हुए हैं। इसके अलावा, नासा का एलियन जीवन की खोज से जुड़ा मिशन भी जल्द शुरू होने वाला है, जिसमें बृहस्पति के चंद्रमा पर जीवन के संकेतों की तलाश की जाएगी। ऐसे शोध न केवल धरती की सुरक्षा तय करेंगे, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में नई जानकारियों को उजागर करने में भी मददगार साबित होंगे।

पाकिस्तान में पुलिस ने मानवाधिकार कार्यकर्ता इमान मजारी और उनके पति को गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद, 28 अक्टूबर ।

पाकिस्तान की मशहूर मानवाधिकार कार्यकर्ता और प्रसिद्ध वकील इमान मजारी और उनके पति अब्दुल हादी को गिरफ्तार कर लिया गया। इमान माजरी पाकिस्तान के पूर्व केंद्रीय मंत्री शिरीन मजारी की पुत्री हैं।

पुलिस सूत्रों के हवाले से कहा गया कि वकील इमान मजारी और उनके पति अब्दुल हादी को संघीय राजधानी इस्लामाबाद में गिरफ्तार किया गया। इन दोनों को सरकारी कार्यों में हस्तक्षेप के संबंध में आबपारा पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया।

इमान मजारी और उनके पति पर कुछ दिन पहले पाकिस्तान के दौरे पर आई इंग्लैंड टीम के ट्रैफिक प्रोटोकॉल के लिए लगाए गए सड़क अवरोधों को हटाने के प्रयास और ट्रैफिक पुलिस के साथ हाथापाई करने का आरोप लगाया गया है।

मजारी के पति ने पुलिसकर्मियों की पिटाई की। उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। हालांकि मजारी ने दावा किया कि वह जल्दी में थीं, क्योंकि उन्हें अदालत पहुंचना था। इस्लामाबाद पुलिस ने कहा कि दंपति ने राज्य अतिथियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान में चिकनगुनिया का कहर अस्पतालों में पैर रखने की जगह नहीं

प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का किया जा रहा है इलाज

इस्लामाबाद,28 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के कराची शहर में चिकनगुनिया वायरस का प्रकोप तेज हो गया है, जिससे शहर के सरकारी अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। हालात इतने खराब हैं कि प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का इलाज किया जा रहा है। चिकनगुनिया, जो एडीज एजिप्टी मच्छरों के काटने से फैलता है, ने पहले से ही लचर स्वास्थ्य प्रणाली को और कमजोर कर दिया है। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में फर्श पर इलाज करने की नौबत आ गई है। चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है, जिसका नाम तंजानिया और मोजाम्बिक की किमाकोंडे भाषा के एक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ विकृत हो जाना है। हाल के महीनों में बुजुर्गों और मधुमेह के मरीजों में इस बीमारी के गंभीर मामले सामने आए हैं, जिससे कई मरीज लकवा और कुछ कोमा में चले गए हैं। इसके साथ ही हृदय और आंखों संबंधी बीमारियों के लक्षण भी देखे जा रहे हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार मई से सितंबर के बीच कराची में 172 मरीजों का पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) टेस्ट पॉजिटिव आया है। हालांकि, असली मामले इससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं, क्योंकि कई मरीज बिना परीक्षण के ही इलाज करा रहे हैं। डॉक्टर अक्सर लक्षण देखकर ही इलाज शुरू कर रहे हैं, जिससे मरीजों का प्लेटलेट काउंट गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। इस बीच सरकारी सहायता की कमी ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। पाकिस्तान में निजी इलाज की लागत अत्यधिक है, जिससे गरीब मरीजों के लिए उपचार कराना मुश्किल हो रहा है। कराची के सरकारी अस्पतालों में चिकनगुनिया के लिए अलग वार्ड की व्यवस्था नहीं है, जबकि मरीज सामान्य वार्ड में इलाज करा रहे हैं। सिंध संक्रामक रोग अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के एक अधिकारी ने चेतावनी दी है कि चिकनगुनिया और डेंगू का प्रकोप दिसंबर तक जारी रह सकता है।

भारत की फटकार के बावजूद फिर कश्मीर-कश्मीर चिल्लाया पाकिस्तान

जरदारी ने भी कश्मीर मुद्दे पर भारत को निशाना बनाते हुए की कश्मीरियों के प्रति अपने समर्थन की घोषणा

इस्लामाबाद,28 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान एक बार फिर कश्मीर मुद्दे पर काला दिवस मनाते हुए भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी कर रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत द्वारा दिए गए कड़े जवाब के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से पीछे नहीं हटा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मियां शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कश्मीर मुद्दे पर भारत को निशाना बनाते हुए कश्मीरियों के प्रति अपने समर्थन की घोषणा की।

पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे भारत पर कथित मानवाधिकार हनन रोकने के लिए दबाव बनाएं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने का आह्वान किया। जरदारी ने अपने संदेश में कश्मीरियों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्हें पाकिस्तान का कूटनीतिक, राजनीतिक और नैतिक समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी कश्मीर मुद्दे पर आक्रामक तेवर अपनाते हुए आरोप लगाया कि भारत जम्मू और कश्मीर पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटाकर भारत ने कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था, जिससे वहां की जनता के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों को उनकी आकांक्षाओं के लिए पूरा समर्थन देता रहेगा। कश्मीर मामलों के मंत्री आमिर मुकाम ने भी अपने बयान में आरोप लगाया कि भारत कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कश्मीरियों के संघर्ष का समर्थन करते हुए उन्हें बहादुर बताया और कहा कि पूरा पाकिस्तानी राष्ट्र उनके साहस को सलाम करता है।

भारत के खिलाफ इस बयानबाजी के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधियों ने पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे पर बार-बार उकसावे और झूठे आरोप लगाने के लिए फटकार लगाई है। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान को अपने देश में आंतरिक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और सीमा पार से आतंकवाद फैलाने से बचना चाहिए।

सरदार पटेल की जयंती के कार्यक्रम में कार्यकर्ता बढ़चढ़ कर भाग लें : नड्डा

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं का देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ पटेल की 150वीं जयंती को धूमधाम से मनाने और मंगलवार को होने वाली रन फॉर यूनिटी में बढ़ चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया है।

श्री नड्डा ने आज यहां एक बयान में कहा कि भाजपा, भारत के लौह पुरुष, आजादी के बाद भारतवर्ष के एकीकरण के सूत्रधार, दूरद्रष्टा एवं देश के पहले उप प्रधानमंत्री भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को पूरे हर्षोल्लास के साथ देश भर में मनाती है।

2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पश्चात केंद्र सरकार पूरे देश में आदर एवं सम्मान के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती आदर एवं सम्मान के साथ मनाई जाती है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सरदार पटेल की 143वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 31 अक्टूबर 2018 को दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण किया था। इस दिन केंद्र सरकार की ओर से रन फॉर यूनिटी सहित कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं और सरदार पटेल को नमन कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर हम 2014 से सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं।

उन्होंने कहा, इस वर्ष सरदार पटेल जी जयंती का 150वां वर्ष शुरू हो रहा है। इस अवसर पर मोदी सरकार द्वारा अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मेरा पार्टी के कार्यकर्ताओं से विनम्र अनुरोध है कि आप इन कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। साथ ही, भारत रत्न सरदार पटेल जी से जुड़े विचार और कार्य भी आप सोशल मीडिया पर सरदार150 हैशटैग के साथ साझा कर उनके विचारों, आदर्शों को प्रचारित एवं प्रसारित करें।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 115वें संस्करण में कहा है कि इस बार 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के दिन ही दीपावली का पर्व भी है। हम हर साल 31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन करते हैं। दीपावली की वजह से इस बार 29 अक्टूबर यानि मंगलवार को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जायेगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मेरा आग्रह है, ज्यादा से ज्यादा संख्या में इसमें हिस्सा लीजिए देश की एकता के मंत्र के साथ ही फिटनेस के मंत्र को भी हर तरफ फैलाईये। पार्टी कार्यकर्ता 29 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी का कार्यक्रम सफल बनाने के लिए कार्य करें। मैं भाजपा के सांसदों एवं विधायकों सहित सभी जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी के सभी पदाधिकारियों से भी अनुरोध है कि वे भी रन फॉर यूनिटी सहित सभी कार्यक्रमों में भाग लें और सरदार पटेल को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करें। भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने में सरदार पटेल की अद्वितीय भूमिका हम सभी के लिये सदैव प्रेरणा का अक्षय स्रोत रहेगी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा

बांग्लादेशी हिंदू नहीं बल्कि मुस्लिम और रोहिंग्या घुस रहे

गुवाहाटी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि बांग्लादेश के पीड़ित हिंदू नहीं बल्कि रोहिंग्या मुस्लिम घुसपैठिए ही देश में घुस रहे हैं। बीते दो महीने में असम सीमा पर पकड़े गए सभी घुसपैठिए रोहिंग्या ही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल से भी घुसपैठियों की पहचान में सहयोग करने को कहा है।

गुवाहाटी में रविवार 27 अक्टूबर को सीएम सरमा ने घुसपैठ की समस्या पर बात की। उन्होंने कहा, पिछले दो महीनों में हमने 138 घुसपैठियों का पता लगाया है और उन्हें वापस भी भेज दिया है। लेकिन एक बात मैं फिर से दो-हराना चाहता हूं कि बांग्लादेश में उत्पीड़न के चलते हिंदुओं के भारत में आने के कयासों के उलट हम घुसपैठियों में केवल रोहिंग्या मुसलमानों को ही देख रहे हैं न कि

हिंदू बंगाली। हिंदू बंगाली हमारे देश के भीतर नहीं आ रहे हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि बीते दो माह में असम की सीमा पर 138 अवैध घुसपैठिए पकड़े गए और यह सारे ही रोहिंग्या मुस्लिम थे। उन्होंने कहा कि हिंदू बंगालियों के बारे में लगाए गए सारे कयास गलत साबित हुए हैं। उन्होंने हर राज्य से रोहिंग्या घुसपैठ पर सतर्क रहने को कहा है। सीएम सरमा ने बताया कि उन्होंने कुछ ऐसे लोगों की पहचान भी की है जो भारत में घुसपैठ के बाद वापस बांग्लादेश जाते हैं और नए घुसपैठियों को लाते हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से आने वाले जिन घुसपैठियों को असम रोक रहा है, वह पश्चिम बंगाल के रास्ते फिर घुस सकते हैं। सीएम सरमा ने कहा है कि यदि पश्चिम बंगाल सहयोग करे तो घुसपैठिए भारत में नहीं आ पाएंगे।

सीएम सरमा ने असम के अलावा त्रिपुरा द्वारा घुसपैठ रोकने के लिए किए गए प्रयासों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे मतलब नहीं है कि बांग्लादेश से कौन आ रहा है, उनका मकसद है कि बांग्लादेश से अवैध रूप से घुसने वाले लोगों को वापस भेजा जाए। गौरतलब है कि म्यांमार से आने वाले रोहिंग्या घुसपैठिए लगातार भारत में घुसने की कोशिश करते रहते हैं। रोहिंग्या घुसपैठियों की बड़ी संख्या भारत में पहले ही आ चुकी है। असम, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के रास्ते घुसने वाले यह घुसपैठिए बाद में देश के अलग-अलग हिस्से में फ़ैल जाते हैं।

एलजी मनोज सिन्हा ने की सुरक्षा स्थिति और विकास पहलुओं पर समीक्षा

श्रीनगर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को यहां कश्मीर संभाग के सभी जिलों की सुरक्षा स्थिति और विकास पहलुओं पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान श्री सिन्हा ने सभी संबंधित अधिकारियों को आतंकवादी खतरों के संबंध में निवारक कार्रवाई पहले करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, हमें शांति और विकास की गति को बनाए रखना चाहिए। साथ ही आतंकवादियों और आतंकवादियों को समर्थन, सुरक्षित पनाह या कोई सहायता प्रदान करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना और लोगों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र विरोधी प्रचार करने वालों, सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को खतरा पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उपराज्यपाल ने आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को कुचलने के लिए शून्य-सहिष्णुता के दृष्टिकोण और सुरक्षा एजेंसियों के बीच अधिक सतर्कता तथा समन्वय का आह्वान किया। उन्होंने कहा, नार्को-आतंकवाद के मुद्दे से तुरंत निपटा जाना चाहिए और पूरे नार्को-आतंक नेटवर्क को खत्म करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

त्वरित विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने उपायुक्तों को किसानों के कल्याण, ग्रामीण और शहरी विकास, स्वरोजगार और केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत प्रमुख पहलों की संतृप्ति के लिए योजन-ाओं के कामकाज की निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दूर-दराज के क्षेत्रों में बेहतर सड़क और दूरसंचार संपर्क पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने चुनाव और श्री अमरनाथ जी यात्रा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासनिक तंत्र की सराहना की। बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, पुलिस महानिदेश (डीजीपी) नलिन प्रभात, प्रमुख सचिव गृह राकर भारती, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी-कानून एवं व्यवस्था) श्विजय कुमार, एडीजीपी, सीआईडी नीतीश कुमार, उपराज्यपाल के प्रमुख सचिव मंदीप भंडारी, संभागीय आयुक्त कश्मीर विजय बिधूड़ी, कश्मीर संभाग के महानिरीक्षक (आईजी) विधि कुमार बिरदी, कश्मीर संभाग के सभी जिलों के डीआईजी, डीसी और एसएसपी में शामिल हुए।

भ्रष्टाचार से लड़ने को ऊपर से नीचे-नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण अपनाते हैं: माझी

भुवनेश्वर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर दोनों तरीकों को लागू किया है। श्री माझी ने भ्रष्टाचारियों में जेल का डर पैदा करने के लिए दीर्घकालिक अभियान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, भ्रष्टाचार के लिए सिर्फ एक या कुछ व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा, भ्रष्ट लोगों को अपने कार्यों के परिणामों के बारे में सोचकर नींद खोनी होगी।

उन्होंने यहां राज्य स्तरीय भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता सप्ताह- 2024 में बोलते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार विरोधी अभियान स्थायी होना चाहिए, ताकि यह भ्रष्ट आचरण के लिए एक शक्तिशाली निवारक के रूप में काम करे। श्री माझी ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार ने अपनी जड़ें गहरी कर ली हैं और इसे एक दिन, एक महीने या एक साल में खत्म नहीं किया जा

सकता, इसके लिए निरंतर प्रयास और सतर्कता की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार की तुलना मधुमेह से करते हुए उन्होंने कहा, मधुमेह की तरह, भ्रष्टाचार भी तुरंत अपना प्रभाव नहीं दिखा सकता है, लेकिन समय के साथ यह व्यक्तियों और समाज को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। भारतीय समाज में भ्रष्टाचार की व्यापक प्रकृति का उल्लेख करते हुए उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, मैंने दिल्ली से एक रुपया भेजा और लाभार्थी को केवल 15 पैसे मिले।

श्री माझी ने सवाल किया, बाकी 85 पैसे कहां गए? हम सभी इसका जवाब जानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और दूरदर्शिता से प्रेरित राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अपना प्राथमिक लक्ष्य बनाया है और जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है।

भ्रष्टाचारियों को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, जैसे कैंसर को शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जाता है, वैसे ही भ्रष्ट व्यक्तियों को समाज से निकाल कर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके प्रशासन के पहले 140 दिनों के भीतर छह प्रमुख अधिकारियों को गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया, उनकी संपत्ति जब्त की गई और उन पर मुकदमा चलाया गया। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार के आरोप में एक मुख्य अभियंता सहित लगभग 20 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी लड़ाई राजधानी भुवनेश्वर में सार्वजनिक सेवा भवनों से आगे बढ़कर जमीनी स्तर तक पहुंच गई है। माझी ने कहा कि जिला अधिकारियों को अब अपने अधिकार क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की सजा दर 50 प्रतिशत से अधिक है और राज्य सरकार प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों को बढ़ाकर ओडिशा सतर्कता को मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है।

उन्होंने घोषणा की कि सतर्कता जांच, निगरानी और अभियोजन का समर्थन करने के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) के आठ नए अतिरिक्त पद और 24 नए डीएसपी पद सृजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, जांच में सहायता के लिए छह उप-निरीक्षकों की भर्ती की जाएगी। विभाग को मजबूत करने के लिए 24 चार्टर्ड अकाउंटेंट और बैंकिंग तथा साइबर विशेषज्ञों को जोड़ा जाएगा। सतर्कता दल को 135 नई मोटरसाइकिल, 150 नए डेस्कटॉप और लैपटॉप और निद-ेशालय के भीतर एक नई राज्य फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से भी लैस किया जाएगा। माझी ने 2014 से भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी के रुख की प्रशंसा की, याद करते हुए कि कैसे देश भ्रष्टाचार के घोटालों से भरा हुआ था, जिससे जनता का मोहभंग हो गया था।

श्री माझी ने कहा कि प्रधानमंत्री की सीधी कार्रवाई ने सुनिश्चित किया है कि दिल्ली से सहायता बिना किसी लीकेज के लाभार्थियों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) कार्यक्रम को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण हथियार बताया। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचारियों के पास केवल दो विकल्प हैं, जेल या निर्वासन। यहां तक कि विदेश में भी वे सुरक्षित नहीं हैं, क्योंकि सरकार ने उन्हें वापस लाने और कानून के तहत उन पर मुकदमा चलाने की व्यवस्था की है। इस अवसर पर माझी ने अधिकारियों को ईमानदारी की शपथ दिलाई और सभी से भ्रष्टाचार का डटकर विरोध करने की शपथ लेने का आग्रह किया।

कॉर्बेट पार्क से अब तक नहीं निकाले गए वन गुर्जर

टाइगर रिजर्व में हो रहा बाघों का शिकार और तस्करी

देहरादून, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में अभी भी वन गुर्जर रह रहे हैं। जिस जंगल में इंसानों के पैदल चलने की मनाही है, वहां वन गुर्जरों के 28 परिवार रह रहे हैं और उनका जंगल के भीतर आना जाना बदस्तूर जारी है। वन गुर्जरों की मिलीभगत से टाइगर रिजर्व के अंदर बाघों का शिकार हो रहा है और दुर्लभ वन्य प्राणियों और पक्षियों की तस्करी निर्बाध गति से हो रही है। इसमें वन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की पूरी मिलीभगत है।

नेशनल टाइगर कंजरवेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने वर्ष 2013-14 में ही उत्त-ाराखंड के जंगलों, खास तौर पर राजा जी टाइगर रिजर्व और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से आबादी को बाहर करने के दिशा निर्देश दिए थे। ताकि जंगल में बाघ सुरक्षित और संरक्षित रहें। जंगल में उस दौरान सबसे अधिक मुस्लिम वन गुर्जर ही रहा करते थे, उस समय .87 हेक्टेयर जमीन और पांच लाख रुपए प्रति परिवार देकर पहले 500 परिवारों फिर करीब 2000 परिवारों को बाहर पुनर्वासित किया गया था। इस प्रक्रिया के बावजूद कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के झिरना ढेला रेंज में आज भी मुस्लिम गुर्जरों के 28 परिवार रह रहे हैं। वन विभाग और राज्य सरकार पर यह बड़ा सवाल है। पहले कहा जाता था कि वनों में रहने वाले वन गुर्जर मांस नहीं खाया करते, लेकिन जबसे इनके बीच तब्लीगी जमात के लोग आने जाने लगे तब से ये कट्टरवाद और अपराध की तरफ उन्मुख हैं। इनकी युवा पीढ़ी अब अपना पुश्तैनी कारोबार पशु पालन दूध व्यवसाय छोड़ कर अवैध खनन, जंगल की लकड़ी के अवैध कारोबार, दुर्लभन वन्य जीवों की पोचिंग और तस्करी के धंधे में लिप्त है। इनके झालों में अब ट्रैक्टर जीपें डंपर खुलेआम देखे जा सकते हैं।

कुछ अर्सा पहले आम पोखरा रेंज में एक हाथी मार कर उसके बेशकीमती दांत निकाल लिए गए। ऐसे ही एक मामला राजा जी टाइगर रिजर्व के पास हुआ और इसमें बाघों को खालें बरामद की गईं। इन दोनों मामलों में मुस्लिम वन गुर्जर पकड़े गए। लिहाजा, यह बात साबित हुई कि मांस न खाने वाले और जंगल के रखवाले कहे जाने वाले वन गुर्जर वन्य जीव तस्कर और वन्य जीवों के हत्यारे हैं। इसके बावजूद कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में वन गुर्जरों की मौजूदगी बरकरार है। यह अत्यंत गंभीर मसला है।

तटरक्षक बल के दो जहाज अदम्य और अक्षर लांच

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय तट रक्षक ने सोमवार को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित दो फास्ट पेट्रोल वेसल (एफपीवी) जहाज अदम्य और अक्षर एक साथ लॉन्च किए। भारतीय तटरक्षक के प्रवक्ता ने बताया कि ये जहाज उन आठ जहाजों का हिस्सा है जिनके लिए जीएसएल से 473 करोड़ रुपए का अनुबंध किया गया है। ये दोनों 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ बनाए गए हैं।

ये उन्नत जहाज सुरक्षा, निगरानी और नियंत्रण प्रणालियों से लैस हैं और इनसे तटरक्षकों को अपतटीय संपत्तियों और द्वीप क्षेत्रों की रक्षा में मदद मिलेगी।

इनकी लंबाई 52 मीटर, चौड़ाई 8 मीटर, अधिकतम गति 27 समुद्री मील है और इसका वजन 320 टन है।

जहाजों को अमेरिकन ब्यूरो ऑफ शिपिंग और इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग के कड़े दोहरे वर्ग प्रमाणीकरण के तहत आईसीजी की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन और निर्मित किया गया है।

जहाज का उद्घाटन और नामकरण महानिदेशक भारतीय तटरक्षक, परमेश शिवमणि की पत्नी प्रिया परमेश द्वारा अथर्ववेद के मंत्रों के बीच एक समारोह में किया गया।

महानिदेशक ने सभा को संबोधित करते हुए जीएसएल और विभिन्न उद्योगों के प्रयासों की सराहना की कि सभी जहाजों के निर्माण में स्वदेशी सामग्री का जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने के लिए जीएसएल के कर्मचारियों को बधाई देते हुए उन्होंने उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में सही ढंग से आगे बढा जाना चाहिए। समारोह में जीएसएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय और नौसेना, आईसीजी, जीएसएल और वर्गीकरण समितियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज सावधानी रखने की जरूरत हैं । यदि आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। जोखिम वाले काम करते समय सावधान रहें, चोट लगने की आशंका है। धन लाभ होने की संभावना है। लंबित कार्य पूरे होंगे। आपके विरोधी शांत रहेंगे। विवादों से दूर रहें। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मन प्रसन्न रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। रिश्तेदारों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के चलते दिनभर व्यस्त रहेंगे। मकान या जमीन खरीदने के लिए अपने परिवार से चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस में आपको खुशखबरी मिलेगी। किसी सगे संबंधी से विवाद होने की आशंका है। तनाव बना रहेगा। बोलचाल के दौरान नियंत्रित रहें। अपने खानपान को नियंत्रण में रखें। कैरियर से जुड़ी कोशिश कामयाब रहेगी। छात्रों को कामयाबी मिलेगी। घर–परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सकारात्मक रहेगा ।व्यापार के हिसाब से लाभदायक हैं आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। आपके स्वभाव से सभी प्रभावित होंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। आपकी सराहना होगा।ऋण से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की हो सकती है। आपका व्यवसाय आगे बढ़ेगा। आप अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं। तले हुए भोजन से दूरी बनाकर रखें शरीर और मन दोनो स्वस्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज गाय को केले का फल खिलाए व्यवसाय में लाभ होगा। आप के काम मे तेजी रहेगी । रिश्तेदारों से मुलाकात के मौके मिलेंगे। ऑफिस का माहौल ठीक नहीं रहेगा। आफिस में किसी से विवाद होने की आशंका है। आपकी सेहत बिगड़ी सकती है। छात्रों को काफी मेहनत करनी होगी। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। जोखिम न लें। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आप खुश रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज भागमदौड ज्यादा रहेगी । आज रिश्तेदारों की ओर से दुखद सूचना मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। आज सामाजिक जिम्मेदारी पूरा करने में विलंब हो सकता है। किसी से विवाद होने की आशंका है।

कर्ज की रकम वापस मिलने में दिक्कत होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चिड़चिड़ापन बना रहेगा। कारोबार में प्रगति होगी। आप को सेहत का ध्यान रखना होगा तरल पदार्थ का ही सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा–खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुलाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्चे पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। डिनर के बाद हल्का सी चहलकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी। दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपनी जिमेदारी पूरी करेंगे दिन फायदेमंद रहेगा। शासकीय कार्य पूरे होंगे । सेहत ठीक रहेगा। धर्म कर्म में मन लगेगा। दंपत्तियों के बीच सामंजस्य रहेगा। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर जाएंगे। किस्मत का साथ रहेगा। बचत योजना में निवेश के प्रस्ताव मिलेंगे। उधार देते समय सावधान रहें। दफ्तर में किसी से अनबन होने की आशंका है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक्सपर्ट से राय–मशवरा जरूरी करलें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

छात्रों के लिए अपार सफलता हैं परिणाम मन मुताबिक आंएगे । कानूनी मामले आगे बढ़ेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर आएंगे। आज आप धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज किस्मत का साथ मिलेगा। रिश्तेदारों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। नौकरी में तरक्की हो सकती है। कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते हैं। शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन मे आपसी तालमेल बहतर रहेगा दिन का उत्तरार्ध अच्छा बीतेगा ।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 29 अक्टूबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 10:34 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी सायं 06:34 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 07:45 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:34 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 05:48 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनवंतरी जयंती
धन त्रयोदशी, भौम प्रदोष व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पूर्व के सभी कुंभों से विराट और भव्य होगा 2025 का महाकुंभ : योगी

सीएम योगी का हरियाणा दौरा, कुरुक्षेत्र में शंखाढाल भंडारा में शामिल हुए
हरियाणा वालों ने दिखा दिया है कि जनता का जनार्दन रूप कैसा होता है

कुरुक्षेत्र, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को यहां पेहोवा स्थित डेरा सिद्ध बाबा गरीबनाथ मठ में आयोजित आठमान, बत्तीस धुनी व शंखाढाल भण्डारा कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने यहां देशभर से पधारे संतों और भक्तजनों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को प्रयागराज महाकुंभ में आमंत्रित करते हुए कहा कि सनातन धर्म का ये सबसे बड़ा आयोजन पिछले सभी कुंभों से ज्यादा विराट और भव्य होगा। योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में पधारे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को विधानसभा चुनाव में जीत की बधाई भी दी। योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणावासियों ने प्रदेश में डबल इंजन की सरकार को फिर से चुनकर भगवान श्रीकृष्ण के उद्घोष परित्राणाय साधुनाम, विनाशाय च दुष्कृताम को सिद्ध करके दिखा दिया है। हरियाणा वालों ने दिखा दिया है कि जनता का जनार्दन रूप कैसा होता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सज्जन शक्ति का संरक्षण और दुर्जन शक्ति को रसातल में पहुंचाना ही परम कर्तव्य है। उन्होंने धर्म के दो हेतुओं अभ्युदय और निःश्रेयस की चर्चा करते हुए कहा कि अभ्युदय का पालन किये बिना निःश्रेयस की प्राप्ति संभव नहीं है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धर्म के दो हेतु हैं, पहला है अभ्युदय का और दूसरा निःश्रेयस का। अभ्युदय का अर्थ सांसारिक उत्कर्ष है, जिसमें हम अपने सामर्थ्य के अनुसार अपनी ऊर्जा को लोककल्याण के साथ जोड़ते हैं। इसके लिए हमें सही फैसला लेना होगा। धार्मिक क्षेत्र में अच्छे संत चाहिए होंगे। विकास के लिए सही लोग चुनने होंगे। अच्छे लोगों को चुनेंगे तो परिणाम भी अच्छा आएगा। हरियाणा के लोगों ने अच्छा फैसला किया है। ये भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग की धरा है। जिन लोगों ने बुरा किया उनका परिणाम भी बुरा ही होगा। दूसरा हेतु है निःश्रेयस का। एक योगी या सद्गृहस्थ अपने अभ्युदय को विस्मृत करके कभी निःश्रेयस की प्राप्ति नहीं कर सकता। जब सांसारिक उत्कर्ष के लिए निष्काम भाव से काम करेंगे तो परिणाम हमें इसी रूप में देखने को मिलेगा। ये इस लोक में विकास के साथ लोकमंगल की कामनाओं की सिद्धि का आधार तो तय करेगा ही, इसके बाद वह हमारी मुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। यही धर्म की दो कामनाएं हैं। इन्हीं कामनाओं को लेकर प्राचीन काल से संतों का समागम होते रहे हैं। समय समय पर इस धरा धाम को उपकृत करने वाले दैवीय महापुरुषों के माध्यम से जो विशिष्ट घटनाएं घटित हुईं वही हमारे पर्व और त्यौहार बन गये।

उन्होंने अपना संस्मरण सुनाते हुए जूनागढ़ में गुरुगोरखनाथ आश्रम के पूज्य गुरु श्रीत्रिलोकनाथ बाबू जी के भजन का उल्लेख करते हुए कहा कि संत हैं सुहागी, रहते सदा मगन, जाते हैं जिस लोक में करते सदा चमन। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पेहोवा के इस स्थल से अवतारी योगी सत्यनाथ जी की परंपरा को पूरे देश में विस्तार मिला। मगर पिछली चार पीढ़ियों से यहां की स्थिति ठीक नहीं थी। मगर ये प्रसन्नता का विषय है कि महंत शेरनाथ जी ने न केवल पेहोवा, बल्कि मुजफ्फरनगर और शामली के उजड़े हुए पवित्र स्थानों में 'चमन' लाकर और सिद्धों की भावनाओं को मूर्तरूप देकर भक्तों के मन में नया विश्वास जागृत किया है। चार पीढ़ी से पतन की ओर जा रही ये पावन धरा एक योगी के आने के बाद उत्थान की ओर अग्रसर हुई है। यह नाथ संप्रदाय के एक सुप्रसिद्ध सिद्ध योगी गरीबनाथ जी की पावनधरा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये आयोजन मां सरस्वती के तट पर हो रहा है। सरस्वती नदी को पुनर्जीवन देने का कार्य हरियाणा की सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रही है। अब संतों और आम जन की भी जिम्मेदारी है कि सभी इसके लिए सामूहिक प्रयास करें। जल की एक–एक बूंद को बचाने, जल की शुद्धि, वृक्षारोपण का कार्य, प्राकृतिक और गौ आधारित खेती इस नदी को पुनर्जीवन देने का आधार होगा। भारत की नदियों के प्रति हमें अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि धर्म का मतलब पलायन नहीं होता। किसी योगेश्वर ने पलायन का नाम धर्म नहीं कहा। केरल में जन्म लेने वाले संन्यासी आदि शंकराचार्य ने देश के चार कोनों में जनजागरण और शास्त्रार्थ के माध्यम से चार पीठों की स्थापना का कार्य किया। आज देश उसी रूप में हम सबके सामने हमें देखने को मिल रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ धाम का उल्लेख करते हुए बताया कि पहले वहं 10 श्रद्धालु भी एक साथ इकट्ठा नहीं हो सकते थे, मगर आज 50 हजार श्रद्धालु एक साथ जुट सकते हैं। इसी प्रकार अयोध्या में 500 साल बाद अपने भव्य मंदिर में भगवान श्रीराम विराजमान हो चुके हैं। ऐसे ही 2025 का महाकुंभ भी पहले के सभी कुंभ से विराट और भव्य होगा। दुनिया के इस सबसे बड़े समागम में सनातन धर्म के पूज्य संतों की उपस्थिति होगी। सभी लोकों से जुड़े हुए देवी–देवता, पितृगण और पवित्र आत्माएं भी आएंगी। पूज्य संतों का सानिध्य हम सबको प्राप्त हो इसके लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर एक पवित्र स्थल जो हमारे सनातन धर्म, सिद्धों–संतों और अवतारी पुरुषों से जुड़ा हुआ है, उनके संरक्षण के लिए डबल इंजन की सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। विरासत का संरक्षण करके ही हम उज्ज्वल भविष्य की कामना को सार्थक कर पाएंगे। योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर्व की हरियाणावासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विरासत और विकास के अद्भुत संगम से ही 2047 में देश विकसित भारत और दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनेगा।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, वरिष्ठ योगेश्वर श्रीमहंत शेरनाथ जी महाराज, नाथ संप्रदाय के उपाध्यक्ष और राजस्थान विधानसभा के विधायक श्रीमहंत बालकनाथ जी, समुद्रनाथ जी, योगी कृष्णनाथ जी, चैताईनाथ जी, लहरनाथ जी, राजनाथ जी, पूरननाथ जी महाराज, हरिनाथ जी, शेरनाथ जी, केशवनाथ जी, सुंदराईनाथ जी, पंचमनाथ जी, रूपनाथ जी, रविन्द्र पुरी जी, संपूर्णानंद जी, तरंगनाथ जी, रुद्रपुरी जी, भल्लेगिरी जी, कमलनाथ जी, महेशगिरी जी, उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, कणिराम, सुप्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल सहित षड्दर्शन संप्रदाय से जुडे संतजन और बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

बाबा मुकुटनाथ सिद्ध मंदिर पहुंचे योगी आदित्यनाथ

कैथल, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां बाबा मुकुटनाथ सिद्ध मंदिर में पूजा–अर्चना कर नाथ पंथ की इस पावन स्थली को नमन किया। महंत बालकनाथ और मंदिर के अन्य संतजनों के साथ विधिवत पूजा करते हुए योगी आदित्यनाथ ने पूज्य संतजनों की समाधियों के समक्ष अपनी आस्था प्रकट की।

स्वयं गोरखनाथ मंदिर के महंत और नाथ संप्रदाय के एक प्रमुख साधक के रूप में, योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा में नाथ पंथ के स्थलों पर अपना सम्मान और आस्था प्रकट की। सोमवार को एक दिवसीय हरियाणा दौरे पर आए यूपी के मुख्यमंत्री विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इससे पहले उन्होंने कुरुक्षेत्र के पेहोवा स्थित डेरा सिद्ध बाबा गरीबनाथ मठ में आठमान, बत्तीस धुनी व शंखाढाल भंडारा कार्यक्रम में भाग लिया, जहां उन्होंने देशभर से आए नाथ पंथ और षड्दर्शन सम्प्रदाय के साधु–संतों से मुलाकात की। कुरुक्षेत्र में ही यूपी के मुख्यमंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी भेंट की।

कांग्रेस सरकार क्षेत्र और विधायक देखकर जारी करती थी बजट : भजनलाल

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर दोगली नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसकी सरकार के समय क्षेत्र एवं विधायक देखकर बजट जारी होता था जबकि भारतीय जनता पार्ट (भाजपा) की सरकार अपने बजट में सभी 200 विधानसभाओं के लिए काम किया।श्री शर्मा सोमवार को यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन पर्व सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव प्रदेश कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा में राष्ट्र प्रथम की नीति पर काम किया जाता है और उसने जो बजट पेश किया, उसकी क्रियान्वयन के लिए कार्य भी किए। भाजपा सरकार ने पिछले दस महीने में भाजपा संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा कर दिया हैं।उन्होंने जिलाध्यक्षों के साथ जिला प्रभारी और भाजपा कार्यकर्ताओं से संगठन के कार्यों को गति देते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही राष्ट्र प्रथम की नीति पर कार्य करने वाली राजनीतिक पार्टी है। भाजपा में जहां देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्य किया जाता है वहीं आतंरिक लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए संगठन के कार्यों को भी लोकतांत्रिक रूप से पूरा किया जाता है। भाजपा में बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सक्रिय सदस्यों को ही पदाधिकारी बनाया जाता है। ऐसे में हम सभी को प्राथमिक सदस्य के साथ सक्रिय सदस्यता भी ग्रहण करनी चाहिए। संगठन पर्व चुनाव में बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष के बाद प्रदेशाध्यक्ष और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक सक्रिय सदस्य अपनी भूमिका निभाते हैं। इस लिए हर कार्यकर्ता को निष्पक्षता से आगे बढ़ाने के साथ सक्रिय सदस्य भी बनाने है।इस मौके भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा की पंच निष्ठाओं को मानते हुए कार्यकर्ता पार्टी की रीति और नीति पर विश्वास करता है। इन ही कार्यकर्ताओं की बदौलत आज भाजपा सुदृढ़ संगठन बन पाया है। भाजपा देश के अन्य राजनीतिक दलों से पूर्ण रूप से भिन्न है क्योंकि यहां पारदर्शी रूप से आतंरिक लोकतंत्र की कार्य पद्धती पर कार्य किया जाता है। भाजपा के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को उपचुनावों के साथ संगठन चुनावों की भी जिम्मेदारी निभानी होगी। श्री राठौड़ ने कहा कि उपचुनावों में भाजपा की सभी सातों सीटों पर जीत से जहां सरकार को ओर अधिक मजबूती मिलेगी वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के उत्साह में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी।

पिहोवा से यमुनानगर तक सड़क को फोरलेन बनाया जाएगा : सीएम सैनी

चंडीगढ़, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिहोवा, कुरुक्षेत्र, लाड़वा के साथ–साथ हरिद्वार जाने वाले लाखों लोगों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए पिहोवा से यमुनानगर तक सड़क को फोरलेन बनाया जाएगा।

श्री सैनी ने सोमवार को कुरुक्षेत्र में कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित स्वागत और धन्यवाद समारोह में यह जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और क्षेत्र की सम्मानित जनता को हाथ जोड़कर शीश नवाते हुए कमल का फूल खिलाने के लिये उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने जिलावासियों को दीपावली पर्व, भैया दूज, छठ पूजा और विश्वकर्मा जयंती की भी सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर लाडवा को विकास की दृष्टि से बेहतर बनाना है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेट्रो और लोकल ट्रेनों का विस्तार किया जायेगा, ताकि लोगों को अपने आवागमन मं। आसानी हो। प्रदेश में जल्द ही ऐसे बहुत सी सड़क परियोजनाओं और अन्य परियोजनाओं को गति देने का काम किया जायेगा, जिससे अवसंरचना बेहतर हो और लोगों को इन सुविधाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि नागरिकों की जो भी समस्यायें एवं कार्य हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर करवाना सुनिश्चित किया जाए।

अंबाला छावनी से अंबाला शहर के बीच जल्द शुरू होगी लोकल बस सेवा

चंडीगढ़/ अम्बाला, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि टिवन सिटी अम्बाला छावनी एवं अम्बाला शहर के मध्य लोकल परिवहन बस सेवा को जल्द ही शुरू किया जाएगा।श्री विज ने अम्बाला रोडवेज के महाप्रबंधक अश्विनी डोगरा को अम्बाला छावनी एवं अम्बाला शहर के प्रमुख स्थानों पर आने–जाने के लिये लोकल बस सेवा को प्रारंभ करने के लिये योजना तैयार करने के दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी एवं अम्बाला शहर में लोगों को आने–जाने के लिये सस्ती एवं प्रभावी बस सेवा मिले इसके लिये योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी और अंबाला शहर के बीच छोटी बस चलाई जाए ताकि वह अंदरूनी क्षेत्रों में भी आसानी से आ–जा सके। उन्होंने कहा कि लोकल बस अम्बाला छावनी के बोह, बब्याल, डिफेंस कालोनी क्षेत्र के अलावा टांगरी बांध रोड, महेशनगर, सदर बाजार, 12 क्रास रोड, सुभाष पार्क एवं अन्य क्षेत्रों में चलाई जा सकती है जबकि अम्बाला शहर में मानव चौक, पॉलिटेक्निक चौक, बलदेव नगर, प्रेम नगर व अन्य क्षेत्रों में चलाई जा सकती है। उन्होंने जीएम रोडवेज को इन क्षेत्रों के अलावा अन्य क्षेत्रों में लोकल बस चलाने के लिये योजना तैयार करने के लिये निर्देश दिए। गौरतलब है कि पूर्व में अम्बाला छावनी और शहर के मध्य लोकल बस सेवा चलती थी। इसी सेवा का लाभ अब अधिक से अधिक लोगों को मिले, इसके श्री विज द्वारा किए जा रहे हैं।

धान, बाजरा की खरीद का किसानों को अब तक 8931 करोड़ रुपए का भुगतान

चंडीगढ़, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में अब तक धान और बाजरा किसानों को 8931 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है, जिसमें 8084 करोड़ धान किसानों और 847 करोड़ रुपए बाजरा शामिल है।खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि खरीद सीजन के दौरान मंडियों में धान और बाजरे की खरीद सुचारू रूप से जारी है। अब तक विभिन्न मंडियों में 45 लाख 50 हजार473 टन धान की आवक हो चुकी है। कुल आवक में से 43 लाख 02 हजार 418 टन धान की खरीद एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा चुकी है। अब तक विभिन्न मंडियों में 430193 टन बाजरा की आवक हो चुकी है, जिसमें से चार लाख 17 हजार 771 टन बाजरा को एमएसपी पर खरीदा भी जा चुका है।प्रवक्ता ने बताया कि इस बार किसानों को फसल बेचने में कोई परेशानी न आए तथा उन्हें मंडियों में प्रवेश के लिये अनावश्यक इंतजार न करना पड़े, इसके लिये विभाग ने ऑनलाइन गेट पास की सुविधा उपलब्ध करवाई है। सरकार सामान्य धान के लिये 2,300 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड–ए धान के लिये 2,320 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पूरी खरीद प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र की मंडियों में नौ लाख 62 हजार 575 टन धान की आवक हुई है, जिसमें से नौ लाख 35 हजार 432 टन धान की खरीद हो चुकी है। इसी प्रकार करनाल में 808728 टन धान की आवक हुई है और 7,94,323 टन की खरीद हुई है। कैथल में 7,86,955 टन धान मंडियों में आया है, जिसमें से 772039 टन खरीदा गया है। अंबाला जिले में 519087 टन आवक में से 474075 टन धान की खरीद हुई है।

धनतेरस पर त्रिपुष्कर योग में तीन गुना फल देगी खरीदारी

100 साल बाद 5 दुर्लभ योग में मनाई जाएगी धनतेरस

गुरु पुष्य के बाद दीपावली से पहले खरीदारी का दूसरा महामुहूर्त धनतेरस 29 अक्टूबर को रहेगा। इस दिन खरीदारी का तीन गुना लाभ देने वाला त्रिपुष्कर के साथ ही लक्ष्मीनारायण योग भी बनेगा। इस दिन सोना-चांदी, बर्तन के साथ भूमि-भवन, इलेक्ट्रानिक सामग्री के साथ ही सभी प्रकार की चल-अचल संपति की खरीदी में निवेश लाभप्रद होगा। ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि धनतेरस 29 अक्टूबर 2024 को होगा। धनतेरस नाम धन और तेरस शब्दों से आया है जहां धन का अर्थ धन और समृद्धि है और तेरस का अर्थ हिंदू कैलेंडर का 13 वां दिन है। इस दिन भगवान धन्वतरि जो स्वास्थ्य के देवता हैं उनकी पूजा की जाती है। इनकी आराधना से रोग से मुक्ति मिलती है। हालाँकि, धनतेरस के दिन कुबेर देव और देवी लक्ष्मी की पूजा करने की भी परंपरा है। इस साल धनतेरस पर 100 साल बाद त्रिग्रही योग यानी त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग, वैधृति योग और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का महासंयोग बन रहा है।

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत मंगलवार 29 अक्टूबर को सुबह 10.32 से 30 अक्टूबर को दोपहर 1.16 बजे तक रहेगी। इस दिन त्रिपुष्कर योग बन रहा है। इसमें किए गए कार्य के प्रभाव को तीन गुना बढ़ा देता है।

इस योग में शुभ कार्यों को करना उत्तम माना जाता है। साथ ही ऐसे कार्यों, जिसमें हानि संभावित हो उन्हें करने से बचना चाहिए। इसके अतिरिक्त शुक्र पहले से वृश्चिक राशि में है, जबकि धनतेरस पर वृश्चिक राशि में बुध के आने लक्ष्मीनारायण योग भी निर्मित होगा।

धनतेरस पर तीन गुना फायदा देने वाला योग

29 अक्टूबर को धनतेरस पर तिथि वार और नक्षत्र से मिलकर त्रिपुष्कर नाम का शुभ योग बन रहा है। इस शुभ योग में किए गए निवेश से तीन गुना फायदा मिल सकता है। त्रिपुष्कर योग में खरीदारी भी तीन गुना शुभ और फायदेमंद मानी जाती है। इस दिन बिजनेस और शुभ कामों की शुरुआत करनी चाहिए। जो लोग 30 तारीख को खरीदी करना चाहते हैं, उनके लिए अगले दिन सर्वार्थसिद्धि योग में खरीदारी करना भी शुभ फलदायी रहेगा।

धनतेरस तिथि– ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 29 अक्टूबर सुबह 10:32 बजे से से होगा। यह तिथि अगले दिन 30 अक्टूबर दोपहर 01:16 बजे तक रहेगी। चूंकि धनतेरस का त्योहार प्रदोष काल में मनाने की परंपरा है, इसलिए यह 29 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ –29 अक्टूबर सुबह 10:32 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्त – 30 अक्टूबर दोपहर 01:16 बजे तक

धनतेरस पर शुभ योग – धनतेरस पर इस बार 100 साल बाद दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है, धनत्रयोदशी यानी धनतेरस के दिन त्रिग्रही योग, त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग, लक्ष्मी नारायण योग, शश महापुरुष राजयोग कुल 5 शुभ संयोग बन रहे हैं। ऐसे में पूजा और खरीदारी का विशेष लाभ मिलेगा।

इंद्र योग – 28 अक्टूबर 2024, सुबह 6:48 – 29 अक्टूबर 2024, सुबह 07:48 तक

त्रिपुष्कर योग – 06:31 – सुबह 10:31

लक्ष्मी-नारायण योग – धनतेरस के दिन वृश्चिक राशि में शुक्र और बुध एक साथ विराजमान रहेंगे, ऐसे में लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण होगा।

शश महापुरुष राजयोग – धनतेरस पर शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में रहेंगे। जिससे शश महापुरुष राजयोग बनेगा, ऐसे में शनि की कृपा भी प्राप्त होगी।

खरीदारी के लिए चौघड़िया

चर : सुबह 9.18 से 10.41 बजे तक।

लाभ : सुबह 10.41 से दोपहर 12.05 और शाम 7.15 से 8.51 बजे तक।

अमृत : दोपहर 12.05 से 1.28 बजे तक।

शुभ : दोपहर 2.51 से 4.15 बजे तक।

प्रदोषकाल में पूजन मुहूर्त 1 घंटा 31 मिनट

धनतेरस से पंच पर्व की शुरुआत होगी। भगवान धन्वंतरि के अतिरिक्त सुख-समृद्धि के लिए धन लक्ष्मी और कुबेर का पूजन किया जाता है। इसके साथ अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति के लिए यम दीप दान करते हैं। लक्ष्मी-कुबेर पूजन के साथ यम दीप दान के लिए प्रदोषकाल में शाम 6.31 से रात 8.13 बजे तक 1 घंटा 42 मिनट का श्रेष्ठ समय है। प्रदोषकाल शाम 5.38 से रात 8.13 बजे तक रहेगा।

29 अक्टूबर को धनतेरस पर दीपदान की होगी शुरुआत

धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दीपावली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे। इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। लोकाचार में इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

धनतेरस का यमराज से क्या है संबंध

क्यों जलाते हैं यम के नाम दीपक ? जानें महत्व

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को 'धनतेरस' के नाम से जाना जाता है, जिसे छोटी दिवाली भी कहते हैं । इस दिन यमराज की प्रसन्नता के लिए घर के बहार दीपदान किया जाता है, ताकि घर में अकाल मृत्यु ना हो।

पद्म पुराण के उत्तरखंड के अध्याय 124 के अनुसार, कार्तिक के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को घर के बाहर यमराज के लिए दीप जलाना चाहिए। इससे अकाल मृत्यु का नाश होता है। दीप जलाते समय यह मंत्र कहना चाहिए–

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यजः प्रीयतामिति ॥
(पद्म पुराण 124।5)

अर्थात् – 'मृत्यु', पाशधारी काल और अपनी पत्नी के साथ सूर्यनन्दन यमराज त्रयोदशी को दीप देने से प्रसन्न हों।

कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को चन्द्रोदय के समय नरक से डरने वाले मनुष्यों को अवश्य स्नान करना चाहिये। जो चतुर्दशी को प्रातः काल स्नान करता है, उसे यमलोक का दर्शन नहीं करना पड़ता। अपामार्ग (ओंगा या चिचड़ा), तुम्बी (लौकी), प्रपुत्राट (चकवड़) और कट्फल (कायफल) – इनको स्नान के बीच में मस्तक पर घुमाना चाहिये। इससे नरक के भयका नाश होता है।

उस समय इस प्रकार प्रार्थना करे – 'हे अपामार्ग! मैं काँटे और पत्तों सहित तुम्हें बार-बार मस्तकपर घुमा रहा हूँ जिससे मेरे पाप हर लिए जाएं।' यों कहकर अपामार्ग और चकवड़ को मस्तक पर घुमाये। इसके बाद यमराज के नामों का उच्चारण करके तर्पण करें।

यमराज के नाम-मंत्र – यमाय नमः, धर्मराजाय नमः , मृत्यवे नमः, अन्तकाय नमः, वैवस्वताय नमः, कालाय नमः, सर्वभूतक्षयाय नमः, औदुम्बराय नमः, दनाय नमः, नीलाय नमः, परमेष्ठिने नमः, वृकोदराय नमः, चित्राय नमः, चित्रगुप्ताय नमः।

व्रत उत्सव चंद्रिका अध्याय 24 अनुसार लोग अपने मकानों तथा दूकानों के ऊपर घी तेल के दीये जलाते है। इस दिन भी दिवाली जैसी शोभा होती है परन्तु अल्पमात्रा में। संभवतः इसीलिये इसको छोटी दिवाली कहते हैं। इस दिन काशी के ठठेरी बाजार में इसकी शोभा देखने में आती है। वहां के दूकानदार अपने पीतल के बर्तन को साफ करके सजाते तथा कीमती साड़ियों को निकाल कर उनका प्रदर्शन करते हैं।

यह दृश्य बड़ा ही रमणीय तथा चित्ताकर्षक होता है। इस दिन नये बर्तन को खरीदना शुभ समझा जाता है और प्रायः सभी लोग छोटा या बड़ा बर्तन खरीदते हैं। लोगों का ऐसा विश्वास है कि इसदिन बर्तन ख़रीदने से लक्ष्मी (धन) का घर में वास होता है। इसीलिये इस तिथि को 'धनतेरस' कहते हैं– अर्थात् वह त्रयोदशी जिसदिन धन घर में आता है। शहरों में इस दिन दिवाली का छोटा रूप देखने को मिलता है ।

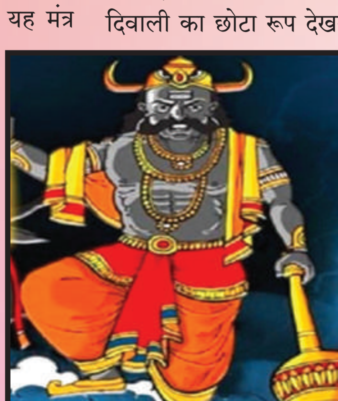

व्रत उत्सव चंद्रिका अध्याय 24 अनुसार,एक बार यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि मेरी आज्ञा के अनुसार जब तुम लोग प्राणियों के प्राण हरते हो तो क्या किसी समय तुम लोगों को किसी मनुष्य पर दया नहीं आती, यदि आती है तो कब और कहाँ इस पर दूतों ने उत्तर दिया। हंस नाम का एक बड़ा भारी राजा था। वह किसी समय शिकार के लिये वन गया हुआ था। संयोगवश वह अपने साथियों से बिछुड़ गया और वन में इधर उधर भटकने लगा।

वन में घूमता घामता वह हेम नामक राजा के राज्य में चला गया। वहाँ हेम राजा ने उसका बड़ा आदर सत्कार किया। उस समय दैवयोग से हेम राजा के यहाँ एक पुत्र रत्न उत्पन्न हुआ था। परन्तु छठि जन्म के छठे दिन का (उत्सव) के दिन देवी ने प्रत्यक्ष होकर कहा कि राजन् ! तुम्हारा यह लड़का चार दिन के बाद मर जायेगा।

यह सुन कर राजा बहुत ही दुःखी हुआ। राजा हंस को जो उस समय हेम राजा का अतिथि था। जब यह ज्ञात हुआ तो उसने हेमराज के पुत्र को मृत्यु से बचाने के लिये उसे यमुना की एक गुफा में छिपा कर रखा हैं। परन्तु युवा होने पर जब उसका विवाह हुआ तब हम लोगों (यमदूतों) ने ठीक चौथे दिन उसका प्राण हरण कर लिया। उस मंगलमय उत्सव के समय हम लोगों का यह काम अत्यन्त घृणित था और हम लोगों को उसके प्राण हरण करने में बड़ी दया आयी।

हम लोगों का हृदय अत्यन्त दुःखी हो गया। अतः हे स्वामी! कृपा करके कोई ऐसी युक्ति बतलाइये जिससे प्राणी इस प्रकार की अकास्मिक दुर्घटना से बच सके। इस बात को सुनकर यमराज ने इस दिन दीप दान देने का विधान बतलाया और कहा कि जो लोग मेरे लिये धनतेरस के दिन दीप दान और व्रत करेंगे उनकी असामयिक मृत्यु कदापि नही होगी।

लोकाचार मान्यताओं और परंपरा के अनुसार इस दिन कुबेर और धनवंतरी की पूजा भी होती हैं, हालांकि कुबेर और धनवंतरी पूजन धनत्रयोदशी के दिन करना चाहिए इसका विवरण पद्म पुराण या स्कंद पुराण आदि में नहीं मिलता पर क्योंकि यह पुरानी परंपरा हैं और हमारे पूर्वज इसे करते आ रहे हैं इसलिए कुबेर और धनवंतरी का पूजन भी करना चाहिए। मनुस्मृति 2।6 मेधातिथि भाष्य भी यही कहती हैं की अगर पुरानी परंपरा अच्छी हैं तो उसे स्वीकार करना चाहिए।

धनतेरस की पूजा विधि

* इस दिन यमराज की पूजा की जाती है जिससे वे प्रसन्न रहें तथा अकाल मृत्यु का निवारण करते रहें।

*धनतेरस के दिन हल से जुती हुई मिट्टी को दूध में भिगों कर सेमल वृक्ष की डाली में लगाये और उसको तीन बार अपने शरीर पर छिड़क कर कुंकुम का टीका लगायें तथा पुनः कार्तिक स्नान करें।

*प्रदोष के समय मठ, मन्दिर, कुंआ, बावली, बाग, गोशाला, तथा गजशाला आदि स्थानों में तीन दिन तक लगातार दीपक जलाये।

*यदि तुला राशि का सूर्य हो तो चतुर्दशी और आमावस्या की शाम को एक जली लकड़ी लेकर तथा उसको घूमा कर पितरों को भी मार्ग दिखाने का विधान है।

*इस प्रकार धनतेरस के दिन दीपदान तथा यमराज की पूजा करने से अकाल मृत्यु का भय जाता है। इसलिए मित्रों कृपया कर के यम दीप प्रज्वलित करना ना भूलें।

कुबेर देवता धन से भर देंगे तिजोरी धनतेरस पर लगाएं ये पौधा

अगर आपसे ये कहा जाए कि एक पौधा आपको मालामाल बना सकता है तो आप उस पौधे का नाम जरुर जानना चाहेंगे। इस पौधे को शास्त्रों में कुबेराक्षी पौधा कहा जाता है। अंग्रेजी में इसे क्रासुला प्लांट या मनी ट्री के रूप में जाना जाता है। अगर आप धनतेरस के दिन अपने घर में ये पौधा लेकर आते हैं तो ऐसा माना जाता है कि जैसे-जैसे ये पौधा फलता है वैसे-वैसे आपके घर में धन का आगमन होना शुरू हो जाता है। इस पौधे को घर में लगाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है। बुरी नजर से बचाव होता है और घर में रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य भी ठीक रहने लगता है। आप नौकरी में प्रमोशन चाहते हैं या फिर बिजनेस में ग्रोथ चाहते हैं तो भी आप अपने घर में ये एक पौधा जरुर लगाएं। क्रासुला का पौधा लगाने के वास्तु नियम क्या हैं आप ये भी जान लें।

क्रासुला पौधा और वास्तु नियम

क्रासुला को मुख्य द्वार के पास रखना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और बुरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं करतीं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, क्रासुला पौधे को उत्तर दिशा या पूर्व दिशा में रखना सबसे अधिक लाभकारी होता है। इन दिशाओं को धन वृद्धि की दिशा मानी जाती है, जिससे आर्थिक समृद्धि में वृद्धि होती है। अगर आप इसे अपने कार्यालय में रखना चाहते हैं तो इसे प्रवेश द्वार पर रखें। इससे व्यापार में सफलता मिलती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। ध्यान रखें कि धन के देवता कुबेर का प्रतीक माने जाने वाला क्रासुला का पौधा स्वस्थ और हरा-भरा होना चाहिए। अगर पौधे के पत्ते मुरझाए हुए या पीले दिखने लगें, तो यह अशुभ संकेत माना जाता है। इस पौधे का स्वस्थ रहना सकारात्मकता और धन का प्रतीक है। इसमें अधिक पानी न दें। इसे सप्ताह में एक बार पानी देना पर्याप्त होता है। सूखी मिट्टी में रखें और जरूरत से ज्यादा पानी न दें। गलती से भी आप इसे रसोई या बाथरूम में न रखें। इन जगहों पर रखने से पौधे की ऊर्जा प्रभावित होती है और धन के आगमन में रुकावट आ सकती है।

झाड़ू धनतेरस के दिन क्यों खरीदते हैं, जानें इसके लाभ और धार्मिक महत्व

कल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि है, जिसे धनत्रयोदशी कहा जाता है। धनतेरस के दिन ये माना जाता है कि भगवान धन्वंतरि अमृत का कलश लेकर समुद्र से प्रकट हुए थे। इस दिन की गयी खरीदारी में 13 गुना वृद्धि होती है। कहते हैं इस धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने चाहिए, इसे देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने का टोटका माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि झाड़ू को धनतेरस के दिन खरीदने से आपको क्या लाभ होगा। इसका धार्मिक महत्व क्या है। हिंदू धर्म में पौराणिक मान्यताओं पर लोगों की अटूट आस्था है। अब सवाल ये है कि ये आस्था कैसे बनी और अगर आप झाड़ू खरीद रहे हैं तो इसके नियम क्या हैं और इससे आपको क्या लाभ मिलने वाला है।

हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल धनतेरस की तिथि 29 अक्टूबर को पड़ रही है। इस दिन खरीदारी के शुभ मुहूर्त से लेकर पूजा के शुभ मुहूर्त तक सबका खास ध्यान रखा जाता है।

धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने से यह माना जाता है कि घर से दरिद्रता और बुरे प्रभाव दूर होते हैं और घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। धनतेरस से दिवाली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं और इस दिन से घर की साफ-सफाई की परंपरा भी जुड़ी होती है। झाड़ू को खरीदकर घर में साफ-सफाई करने से घर के कोनों में छिपी नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है, जिससे सकारात्मकता और सुख-समृद्धि का वास होता है। तो आप ये भी मान सकते हैं कि धनतेरस पर झाड़ू खरीदकर लोग दिवाली की तैयारियों का शुभारंभ करते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ू का सही इस्तेमाल घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और धन की वृद्धि करता है। धनतेरस पर झाड़ू खरीदने से घर में आर्थिक स्थिरता आती है और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। ऐसा भी कहा जाता है कि नई झाड़ू खरीदने से घर की धन संपत्ति में वृद्धि होती है और दरिद्रता दूर होती है।

नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा स्टारर वनवास का नया पोस्टर आया सामने, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

गदर: एक प्रेम कथा, अपने और गदर 2 फिल्में बनाने के बाद निर्देशक अनिल शर्मा ने अपनी अगली फिल्म का ऐलान कर दिया है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा की फिल्म वनवास का पोस्टर जारी हो गया है।

इस फिल्म के पोस्टर के साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी है.फिल्म में नाना पाटेकर का भी अलग सा अंदाज नजर आने वाला है। नाना पाटेकर की इस फिल्म का नाम तो वनवास है लेकिन पोस्टर में वह काफी मस्ती के मूड में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में अनिल शर्मा फिर से अपने बेटे को फिर से बॉलीवुड में हुनर आजमाने का मौका दे रहे हैं।नाना पाटेकर की फिल्म वनवास के पोस्टर साझा करने के साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। ये फिल्म सिनेमाघरों में इस क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। अनिल शर्मा के हाथ में शराब की बोतल है, दिग्गज एक्टर ने एक हाथ में स्लिंग बैग और एक में एक कटोरा पकड़ रखा है। साथ ही टाइटल के साथ लिखा है, अपने ही देते हैं, अपने को वनवास।इस फिल्म में गदर 2 की मुस्कान भी नजर आने वाली हैं।

मुस्कान यानी अभिनेत्री सिमरत कौर ने कमेंट में लिखा भी है, आपकी प्यारी मुस्कान आ रही है, इस बार अलग अंदाज के साथ। मिलते हैं 25 दिसंबर को। इस बात को जानकर प्रशंसक काफी उत्साहित हो गए हैं।बॉक्स ऑफिस पर वनवास का सामना वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन से होने वाला है। यह फिल्म 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश जैसी अभिनेत्रियां भी नजर आने वाली हैं।

’3 पेग के बाद ऋषि कपूर भूल जाते थे मेरा नाम’, डायरेक्टर ने सालों बाद बताया फिल्म शूटिंग से जुड़ा मजेदार किस्सा

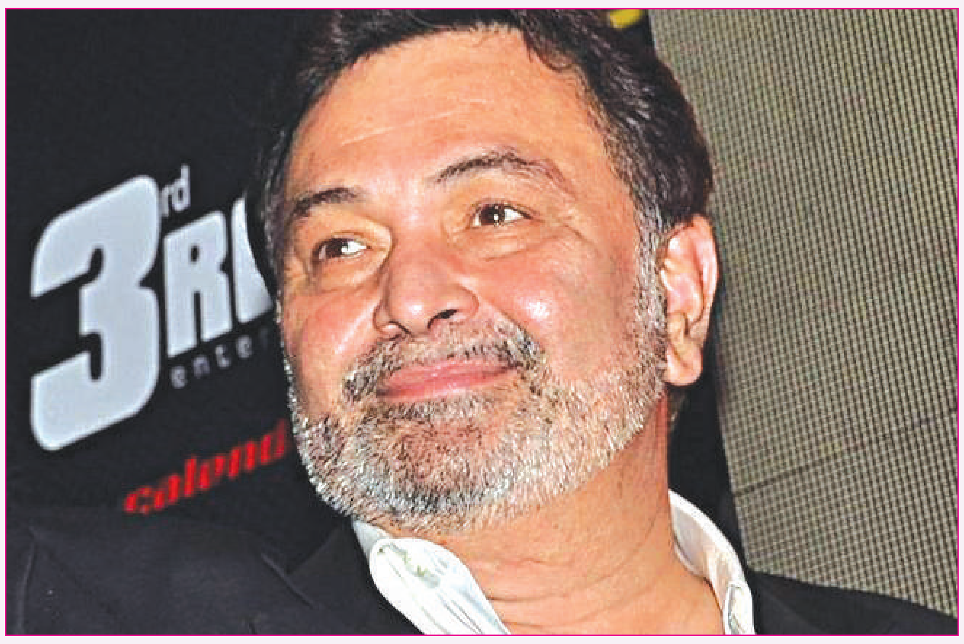

दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर निजी जिंदगी में मस्तमौला किस्म के इंसान थे. आज भले ही वह इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनसे जुड़े मजेदार किस्सों की जानकारी मिलती रहती है. हाल ही में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने ऋषि कपूर के साथ फिल्म ‘पटियाला हाउस’ में काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया. उन्होंने बताया कि ऋषि कपूर तीन पेग के बाद सामने वाले का नाम भूल जाते थे.

निखिल आडवाणी ने Cyrus Says पॉडकास्ट पर ऋषि कपूर के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया. उन्होंने बताया कि ‘पटियाला हाउस’ की शूटिंग के दौरान उनकी ऋषि कपूर से अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी और दोनों हर दिन साथ में ड्रिंक करते थे. निखिल आडवाणी ने कहा, ‘हम लगभग रोज साथ में शराब पीते थे. 3 ड्रिंक के बाद ऋषि कपूर मेरा नाम भूल जाते थे और कहते थे कि बॉय, मेक माय ड्रिंक.’

फिल्मों पर चर्चा करते थे ऋषि कपूर

फिल्ममेकर ने आगे बताया कि वह ऋषि कपूर के पड़ोसी थे. दोनों कभी ड्रिंक के लिए तो कभी नई रिलीज हुई फिल्मों पर चर्चा करते थे. निखिल आडवाणी ने बताया कि जो फिल्में ऋषि कपूर को पसंद नहीं आती थी, उस पर वह अपनी भड़ास भी निकालते थे. मालूम हो कि निखिल आडवाणी के डायरेक्शन में बनी ‘पटियाला हाउस’ साल 2011 में रिलीज हुई थी. अक्षय कुमार और अनुष्का शर्मा भी इस मूवी का हिस्सा थे. हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई थी.‘डी डे’ में ऋषि कपूर की एक्टिंग की हुई थी तारीफ ‘पाटियाला हाउस’ के बाद निखिल आडवाणी ने फिल्म ‘डी डे’ बनाई थी. इसमें ऋषि कपूर ने दाऊद इब्राहिम का किरदार निभाया था. इरफान खान और अर्जुन रामपाल अहम किरदारों में दिखे थे. साल 2013 में रिलीज हुई ‘डी डे’ फिल्म में ऋषि कपूर की दमदार परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई थी.

इन फिल्मों का डायरेक्शन कर चुके हैं निखिल

गौरतलब है कि निखिल आडवाणी ‘कल हो ना हो’, ‘सलाम-ए-इश्क’, ‘चांदनी चौक टू चाइना’ और ‘पटियाला हाउस’ और ‘वेदा’ जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने शाहरुख खान, अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम, ऋषि कपूर जैसे सितारों के साथ काम किया है.

नीरू बाजवा ने खास अंदाज में प्रशंसकों को दिया फैशन मंत्र

पंजाबी फिल्मों के साथ ही टीवी जगत की सनसनी नीरू बाजवा ने पैंटसूट पहनकर बॉस लेडी लुक वाली तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों के साथ नीरू बाजवा ने खास अंदाज में प्रशंसकों को फैशन मंत्र भी दिया है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर डाली गई ताजा तस्वीरों में अभिनेत्री आत्मविश्वास से भरी दिख रही हैं। बाजवा ने बैगनी रंग के पैंटसूट के साथ प्रशंसकों को अपना फैशन मंत्र भी दिया। बाजवा ने तस्वीरें साझा कर कैप्शन में लिखा सूट पहनें और चमकेंळ।तस्वीरों में नीरू न्यूड मेकअप और स्ट्रेट हेयर स्टाइल के साथ स्मार्ट लग रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर नीले रंग की टॉप में अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह एक रेस्तरां में बैठी मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं।इन तस्वीरों को को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा आशावादी बनें इससे अच्छा महसूस होता है।कनाडा में जन्मीं अभिनेत्री ने 2005 में हरी मिर्ची लाल मिर्चीळ से टीवी जगत में प्रवेश किया था। इसके बाद वह अस्तित्व एक प्रेम कहानीळ शो में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने इसके बाद जीतळ और फिर गन्स एंड रोजेजळ शो में भी काम किया।साल 2013 में अभिनेत्री ने जिमी शेरगिल द्वारा निर्मित और दिलजीत दोसांझ, अमरिंदर गिल और सुरवीन चावला की मल्टी-स्टारर पंजाबी फिल्म साडी लव स्टोरीळ में काम किया। इसके बाद वो दिलजीत के साथ फिल्म जट्ट एंड जूलियट 2ळ में काम किया। फिल्म ने पंजाबी सिनेमा में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की।नीरू फिल्म निर्देशक भी हैं, जिसकी शुरूआत उन्होंने 2017 में पंजाबी फिल्म सरगी से की। फिल्म में उनकी बहन रुबीना बाजवा, जस्सी गिल और बब्बल राय प्रमुख भूमिका में थीं। इसके बाद अभिनेत्री ने 2019 में ब्यूटीफुल बिल्लोळ में अभिनय और निर्माण किया।इसके बाद जट्ट एंड जूलियट फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त रिलीज हुई। अगस्त में पंजाबी फिल्म ने दुनिया भर में 107.51 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। यह फिल्म पंजाब के दो पुलिस अधिकारियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक गुप्त, जटिल मिशन पर कनाडा जाते हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री फिल्म शायरळ में भी नजर आई थीं। नीरू बाजवा जल्द ही अगली फिल्म शुक्रानाळ में नजर आएंगी।

शरवरी वाघ ने मिनी ड्रेस में दिए किलर पोज, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

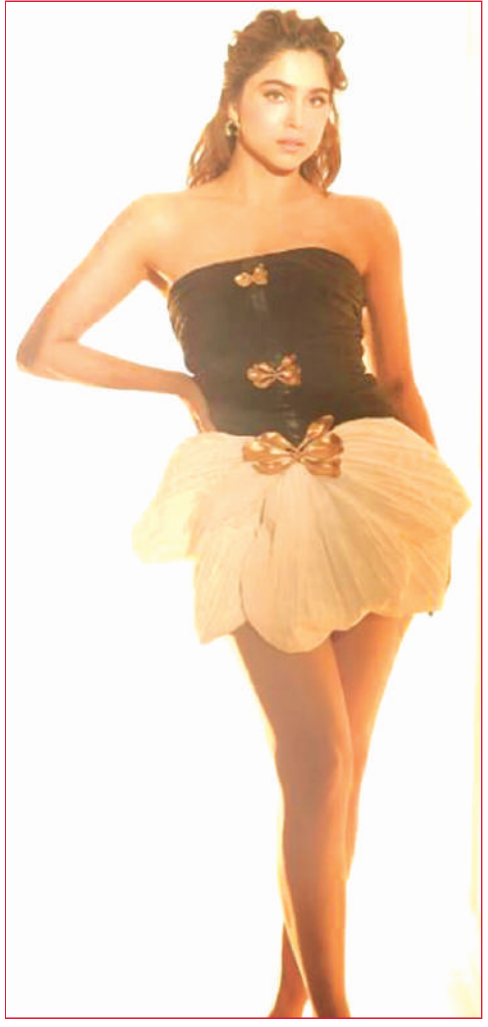

बॉलीवुड की उभरती अदाकारा शरवरी वाघ ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ गॉर्जियस तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह ब्लैक एंड व्हाइट मिनी ड्रेस में किलर पोज देती नजर आ रही हैं. शरवरी का यह अंदाज बेहद खास था, जिसमें उन्होंने लाइट मेकअप, बंधे हुए बाल और खूबसूरत ईयररिंग्स पहने हुए थे. उनकी इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तापमान बढ़ा दिया है, और फैंस उनकी हॉटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं. शरवरी की यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है, और फैंस उन्हें हर तस्वीर में बेमिसाल बता रहे हैं. उनकी स्टाइल और कॉन्फिडेंस ने उन्हें फैंस के दिलों पर राज करने वाली नई स्टाइल आइकन बना दिया है.बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनक लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर आते ही फैंस के बीच वायरल होने लगता है। एक्ट्रेस शरवरी वाघ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वो आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच छा जाती हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हालांकि इन फोटोज में भी आपको ऐसा ही देखने को मिल रहा हैं।एक यूजर ने एक्ट्रेस की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है सो हॉट एंड गॉर्जियस। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- सिंपल एंड एलिगेंट। तीसरे यूजर ने लिखा है- गजब कहर ढा रही हो।

सिंघम अगेन का टाइटल ट्रैक विनाशम करोहम हुआ रिलीज अजय देवगन के साथ नजर आई पूरी स्टार कास्ट

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन का टाइटल ट्रैक विनाशम करोहम रिलीज हो गया है।रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन, सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। ट्रेलर और गाना जय बजरंगबली रिलीज होने के बाद, निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल ट्रैक विनाशम करोहम रिलीज कर दिया है।अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिंघम अगेन के टाइटल ट्रैक विनाशम करोहम का वीडियो साझा किया। गाने में अजय देवगन पुलिस की वर्दी पहने हुए दिख रहे हैं। वीडियो में अन्य कलाकारों टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर,

अक्षय कुमार, करीना कपूर और रणवीर सिंह के किरदारों की भी झलक देखने को मिली है। म्यूजिक वीडियो शेयर करते हुए अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा, भयंकर रोंगटे खड़े हो जाने की गारंटी।रोहित शेट्टी निर्देशित सिंघम अगेनळ में अजय देवगन, सिंघम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रणवीर सिंह,दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे कई सितारे नजर आयेंगे। ये फिल्म 01 नवंबर को दीवाली के अवसर पर रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर भूल भुलैया-3 से होगी।

’कंगुवा’ की रिलीज से पहले दिशा पाटनी पर सूर्या ने दिया बयान- ’तुम्हें चेन्नई में दर्शक...’

दिशा पाटनी अपनी अगली फिल्म ‘कंगुवा’ में सूर्या शिवकुमार और बॉबी देओल के साथ धूम मचाने के लिए तैयार हैं. फिल्म के लीड एक्टर ने दिशा पाटनी को लेकर अपने जज्बात बयां किए हैं. फिल्म के टीजर और गाने पहले ही दर्शकों के बीच छा चुके हैं और दर्शकों से फिल्म को शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. ‘कंगुवा’ के निर्माताओं ने चेन्नई में एक भव्य ऑडियो लॉन्च इवेंट का आयोजन किया, जिसमें पूरी कास्ट के साथ टीम ने हिस्सा लिया. इवेंट में दिशा पाटनी के स्टेज पर आते ही वहां मौजूद भीड़ ने उनका तालियों से स्वागत किया.ऐसे में फिल्म स्टार सूर्या शिवकुमार ने अपने वक्तव्य में दिशा को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को नजरअंदाज नहीं किया. उन्होंने कहा, ‘दिशा इस गैलरी में तुम्हें

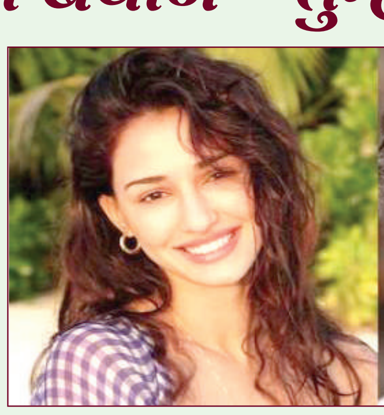
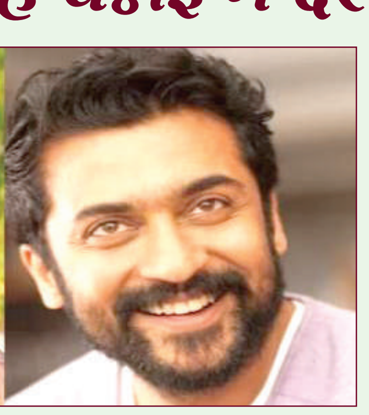

सबसे ज्यादा चीयर मिला है. तुम्हें चेन्नई में दर्शक देखकर बेहद खुश हैं. इस फिल्म में दिए गए समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद.’ ‘कंगुवा’ के इवेंट में दिशा पाटनी के फैंस बड़ी संख्या में मौजूद थे. शिवा द्वारा निर्देशित ‘कंगुवा’ में सूर्या शिवकुमार के साथ दिशा पाटनी और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म 14 नवंबर 2024 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. ‘कंगुवा’ के निर्माता स्टूडियो ग्रीन ने फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया था.

मेकर्स ने दिखाई दिलचस्प पोस्टर की झलक

सोशल मीडिया पर फिल्म के निर्माताओं ने एक रोमांचक पोस्टर शेयर कर प्रशंसकों को झलक दिखाई थी. ‘कंगुवा’ एक फैंटेसी-एक्शन फिल्म है. इसमें सूर्या शिवकुमार के साथ दिशा पाटनी, जगपति बाबू, नटराजन सुब्रमण्यम, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज और के.एस. रविकुमार भी अहम रोल में हैं. सूर्या और शिवा के प्रोजेक्ट का ऐलान अप्रैल 2019 में हुआ था. लेकिन, भारत में कोविड-19 महामारी और अन्य कुछ वजहों से फिल्म को टालना पड़ा था. फिल्म की शूटिंग राजमुंदरी, चेन्नई, गोवा, केरल, कोडाईकनाल में की गई है.

मदरसों के बाद अब बंद होंगे अवैध कोचिंग सेंटर

यूपी एटीएस कर रही है 473 मकतबों की जांच

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने राज्य में मदरसों की जांच के बाद अब मकतबों पर भी नजर डालना शुरू कर दिया है। यूपी एटीएस ने पश्चिम उत्तर प्रदेश के 473 मकतबों की जांच शुरू की है, जिनमें से कई बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इस बाबत अल्पसंख्यक विभाग से संबंधित दस्तावेज़ और रिकॉर्ड मंगवाए गए हैं।

इन मकतबों में से अधिकांश मुज़फ्फरनगर, सहारनपुर और शामली जिलों में स्थित हैं, और यूपी एटीएस इन संस्थानों की फंडिंग और उनके संचालन के स्रोतों की जांच कर रही है। मकतब एक प्रकार का स्थान है, जहां इस्लामी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मुस्लिम बच्चों को दीनी शिक्षा प्रदान की जाती है। एटीएस की जांच में अब तक सबसे अधिक 190 मकतब शामली में पाए गए हैं। इसके बाद मुजफ्फरनगर में 165 और सहारनपुर में 118 मकतब संचालित हो रहे हैं। एटीएस ने जांच के कई बिंदु तय किए हैं, जिनमें मकतबों की मान्यता न होने के कारण,

फंडिंग के स्रोत, संचालन का समय, बच्चों की संख्या, सुरक्षा प्रबंध, रजिस्ट्रेशन की स्थिति और संबद्धता के स्रोतों की जानकारी हासिल करना प्रमुख हैं। मकतबों की जांच के लिए एटीएस ने सहारनपुर मंडल के तीन जिलों के अल्पसंख्यक अधिकारियों से रिकॉर्ड मंगवाए हैं।

शुरुआती जांच में कई मकतबों में खामियां पाई गई हैं, साथ ही उनके वित्तीय लेन-देन भी संदेहास्पद पाए गए हैं। एटीएस ने इस संबंध में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को भेज दी है। इससे पहले, उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में मदरसों का व्यापक सर्वेक्षण कराया था, जिसके तहत कई गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों को बंद कर दिया गया था। सहारनपुर मंडल के अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश में आने वाले गोंडा जिले में भी कई मकतब चलते पाए गए हैं। यहां के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने अपने जिले में चल रहे 20 मकतबों को बंद करने की सिफारिश शासन को भेजी है। यहां कुल 286 मकतब चलते पाए गए हैं जिसमें 19 अवैध हैं। उत्तर प्रदेश एटीएस मुख्यालय से प्रदेश के हर जिले में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों से मकतबों की जांच में सहयोग करने के लिए कहा गया है।

बहराइच के 495 मदरसे जांच के घेरे में

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मदरसों के वित्तपोषण की जांच को लेकर एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य की योगी सरकार ने एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) को निर्देश दिए हैं। यूपी एटीएस अब राज्य भर में चल रहे लगभग 4,000 गैर-अनुदानित मदरसों की फंडिंग की जांच कर रही है। यह कदम तब उठाया गया जब गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के संबंध में कुछ मामलों में असामान्य गतिविधियों की सूचनाएं सामने आईं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा ने जानकारी दी कि अकेले बहराइच में ही 495 गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों की पहचान की गई है, जिनमें से लगभग 100 मदरसे भारत-नेपाल सीमा के निकट स्थित हैं। इन क्षेत्रों में कई मदरसे बिना पंजीकरण के मकतब के रूप में संचालित हो रहे हैं। अब एटीएस द्वारा इन मदरसों के वित्त पोषण के स्रोतों का पता लगाने और संदिग्ध फंडिंग की संभावना को देखते हुए विस्तृत जांच की जा रही है। एटीएस ने बताया कि सरकार ने सभी गैर-अनुदानित मदरसों के वित्तीय स्रोतों पर नज़र रखने का आदेश दिया है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि क्या इन मदरसों को किसी अवैध स्रोत से धन प्राप्त हो रहा है, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित मदरसों को। अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक जे रीभा द्वारा सभी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को 21 अक्टूबर को पत्र जारी कर इस मुद्दे पर जांच करने के निर्देश दिए गए थे। एटीएस की टीमें हर जिले में अलग-अलग क्षेत्रों में इन मदरसों के संचालन का विवरण जुटा रही हैं। जांच टीम के प्रभारी यह जानने का प्रयास करेंगे कि कौन से मदरसे बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे हैं, और ये कब से चल रहे हैं। बहराइच जिले में 792 मदरसों में से 495 गैर-मान्यता प्राप्त पाए गए हैं। एटीएस द्वारा गठित टीम इस बात की जांच करेगी कि इन मदरसों को वित्तीय सहायता कहां से और किस तरह से प्राप्त हो रही है। यह भी देखा जाएगा कि क्या मदरसों का पंजीकरण अभी तक नहीं हुआ है और अगर नहीं, तो इसके कारण क्या हैं। जांच के बाद एटीएस अपनी विस्तृत रिपोर्ट पुलिस महानिदेशक को सौंपेगी। जिला प्रशासन भी इस जांच में समन्वय स्थापित कर रहा है। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं, जिससे शासन की नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

महाकुंभ 2025 : महाकुंभ की सुरक्षा पर भी योगी सरकार का फोकस

प्रयागराज, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार महाकुंभ 2025 को भव्य और दिव्य बनाने के साथ ही इसे सभी के लिए सुरक्षित बनाने पर भी जोर दे रही है। इसके लिए विभिन्न कार्ययोजना बनाई गई हैं। महाकुंभ पुलिस की ओर से भी तमाम व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

इसी क्रम में महाकुंभ पुलिस द्वारा कम्युनिटी पुलिसिंग पर भी जोर दिया जा रहा है। खासतौर पर युवा वर्ग को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वह आसपास होने वाली गतिविधियों पर पैनी नजर रखें और अगर उन्हें कहीं कोई गड़बड़ दिखाई दे तो वह तत्काल पुलिस को सूचित करें। इसका मतलब ये है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी सिर्फ पुलिस की ही नहीं है, बल्कि प्रयागराज के युवा भी अब पुलिस के आंख और कान बनकर काम करेंगे।

महाकुंभ के आयोजन को लेकर यूपी पुलिस की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। पूरे महाकुंभ को सात स्तरीय सुरक्षा चक्र में विभाजित किया गया है। इसके अलावा आईसीसीसी के माध्यम से एआई से लैस सीसीटीवी कैमरों द्वारा संदिग्धों की निगरानी किए जाने की व्यवस्था की गई है तो वहीं मेला क्षेत्र में 10 प्रकार के सुरक्षा ऑपरेशन भी चलाने की तैयारी है।

इसी क्रम में सुरक्षा व्यवस्था को फूल प्रूफ बनाने के लिए कम्युनिटी पुलिसिंग का भी सहारा लिया जा रहा है।

सोशल मीडिया और अन्य साधनों से प्रयागराज के जनमानस के साथ संवाद स्थापित किया जा रहा है कि उन्हें कहीं भी किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें। इसमें युवाओं को खासतौर पर सम्मिलित किया जा रहा है, क्योंकि बड़ी संख्या में युवाओं का मूवमेंट स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी के साथ-साथ प्रयागराज के विभिन्न स्थानों पर होता है।

एसएसपी महाकुंभ राजेश द्विवेदी ने बताया कि महाकुंभ के आयोजन में युवाओं का भी बहुत बड़ा योगदान होगा। वे डिजिटल मीडिया के माध्यम से महाकुंभ को प्रोजेक्ट करने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में हमारे साथ जुड़ेंगे और तीर्थयात्रियों व पर्यटकों की आवाजाही समेत भीड़ प्रबंधन में भी पुलिस की सहायता करेंगे। इसके लिए कार्ययोजना बन चुकी है और जल्द ही इसे अमल में लाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन में कम्युनिटी का सहयोग सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होता है। दुनिया के सबसे बड़े सामूहिक आयोजन महाकुंभ को भी सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस को जनपद के नागरिकों का सहयोग चाहिए। खासतौर पर युवा शक्ति का, जो हर कहीं पर सक्रिय है।

सोशल मीडिया से लेकर जनपद के किसी भी हिस्से में उन्हें कुछ संदिग्ध नजर आता है तो वह पुलिस को सूचित कर सकते हैं। इसके लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है, उन्हें अपनी और आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों की सुरक्षा के प्रति किन किन मूल बातों को ध्यान में रखना है, इसके लिए जागरूक किया जा रहा है। विभिन्न निजी संगठन और संस्थाएं भी इसमें पुलिस का सहयोग कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर सेमिनार और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से युवाओं को इसमें पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

दीपोत्सव 2024 : अयोध्या में जलेंगे सवा लाख गो दीप

पशुधन मंत्री ने सीएम योगी को भेंट किए गो दीप

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा अयोध्या में अबतक के सबसे भव्य दीपोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी विभाग अपनी अपनी ओर से दीपोत्सव की भव्यता को बढ़ाने में बढ़-चढ़कर शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में पशुधन विभाग ने अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर डेढ़ लाख गो दीप जलाने का संकल्प लिया है। सोमवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर पशुधन मंत्री धरमपाल सिंह ने प्रतीकात्मक रूप से गो दीप और अन्य गो उत्पाद भेंट किए। यह आयोजन प्रदेश में गोवंश के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बता दें कि अयोध्या में योगी सरकार की ओर से 35 लाख से अधिक दीपक जलाने का संकल्प लिया गया है। इसमें से अकेले 28 लाख दीये केवल सरयू नदी के 55 घाटों पर जलाए जाएंगे, जिसे विश्व कीर्तिमान के रूप में स्थापित किया जाएगा। इन दीपों में पशुधन विभाग की ओर से डेढ़ लाख गो दीप जलाने के संकल्प को मुख्यमंत्री ने सराहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर गो संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और प्रदेश के सभी जिलों में गो आश्रय स्थलों पर गो पूजन के कार्यक्रम के आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर प्रदेश के गो आश्रय स्थलों में विधिवत गो पूजन आयोजित किया जाएगा। इसमें मंत्रीगण, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और गो प्रेमी शामिल होंगे और गो पूजन संपादित करेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गोवंश के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना और उनकी देखभाल को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी गो आश्रय स्थलों में गोवंश के भरण-पोषण, हरे चारे की समुचित व्यवस्था और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गोवंश का संरक्षण और संवर्धन प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

दीपोत्सव 2024 : लाइव टेलीकास्ट के जरिए पूरी दुनिया देखेगी अयोध्या की भव्यता

अयोध्या, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। आठवें दीपोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राम की पैड़ी पर दीप बिछाने का काम तकरीबन पूरा किया जा चुका है। अब अयोध्या सहित पूरी दुनिया को इंतजार है तो सिर्फ 30 अक्टूबर की शाम का। उस दिन सबके आराध्य भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक और कीर्तिमान रचने जा रही है। इस अद्भुत और अलौकिक पल के साक्षी पूरी दुनिया में बैठे लोग भी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सूचना विभाग द्वारा इस पूरे महा आयोजन के लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था की गई है। नगर के कोने-कोने में होने वाले दीपोत्सव की आभा दिखाने के लिए एलईडी वाल और एलईडी वैन लगवाई जा रही है। इसके अलावा मीडिया को कवरेज के लिए सेन्टर की स्थापना करा दी गई है।

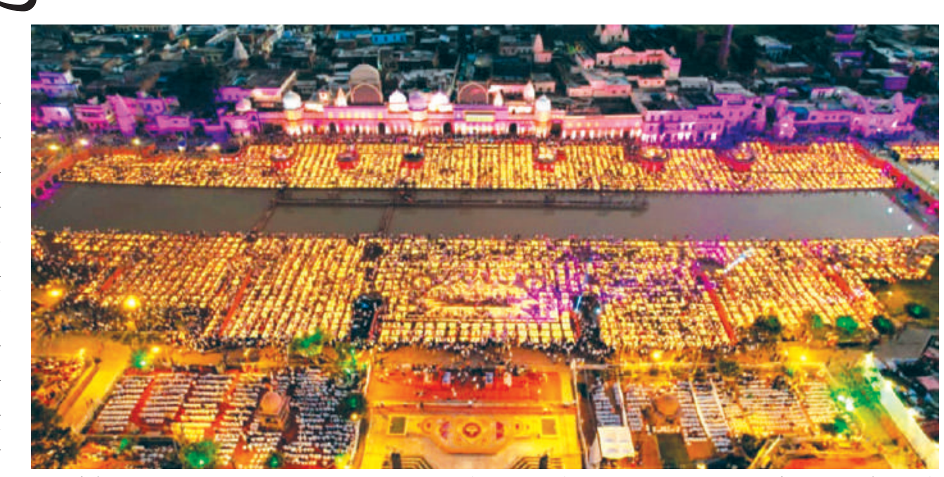

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस बार दीपोत्सव को और भी भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। शहर के मार्गों को फूलों की लड़ियों और आकर्षक लाइट से सजाया जा रहा है। दीपोत्सव के दिन राम की पैड़ी पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को दूरदर्शन व सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर लाइव दिखाया जाएगा। नगर के सभी लोग इस भव्य आयोजन का, जो जहां रहे वहीं से आनन्द ले सके इसके लिए एलईडी स्क्रीन्स की व्यवस्था कराई गई है।

जिला सूचना अधिकारी संतोष द्विवेदी ने बताया कि दीपोत्सव के आयोजन की भव्यता को अयोध्या सहित पूरी दुनिया देखे इसके लिए नगर में 20 जगहों पर एलईडी वाल और एलईडी वैन की व्यवस्था कराई जा रही है। इनमें अयोध्या कोतवाली, हनुमानगढ़ी, वाल्मीकि भवन, पोस्ट आफिस, तुलसी स्मारक भवन, कारसेवकपुरम, मीडिया सेन्टर, टेढ़ी बाजार चौराहा, रेलवे स्टेशन, विद्या कुंड, साकेत पेट्रोल पंप, दीनबन्धु नेत्रालय कार्यशाला, हनुमान गुफा के पास एलईडी वाल लग चुकी हैं। इसके अलावा बस स्टैंड, सहादतगंज, नाका, देवकाली बाईपास, साकेत, उदया सहित अन्य स्थानों पर एलईडी वैन को खड़ा कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अयोध्या में देश और दुनिया से आने वाले पत्रकारों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए रामकथा संग्रहालय परिसर में सूचना विभाग द्वारा 10 हजार स्कायर फीट में मीडिया सेंटर की स्थापना की गई है।

ये मीडिया सेंटर एक्टिवेट कर दिया गया है। इसमें करीब 500 मीडिया बंधुओं के बैठने की क्षमता रहेगी।

यहीं पर मीडिया के अल्पाहार के लिए कैफेटेरिया भी संचालित रहेगा। मीडिया सेंटर में इंटरनेट-वाईफाई के साथ ही चार बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगेंगी, जिसकी सहायता से प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बंधुओं को इस ऐतिहासिक और वृहद आयोजन के लिए सूचनाएं संकलित करने में मदद मिलेगी।

वाराणसी से प्रयागराज का सफर होगा आसान

गंगा पर नया रेलवे ब्रिज बनकर तैयार

प्रयागराज, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के कुंभ नगरी पहुंचने का का अनुमान है। प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र सरकार भी इस आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आवागमन के लिए दिन रात तैयारियां कर रही हैं। रेल मार्ग से वाराणसी से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गंगा नदी पर बनकर तैयार हो रहा नया रेलवे सेतु आगंतुकों का सफर आसान करेगा।

महाकुंभ 2025 में सबसे अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के सड़क परिवहन से कुंभ नगरी पहुंचने का अनुमान है। सड़क परिवहन के बाद सबसे अधिक लोग रेल मार्ग से ही प्रयागराज पहुचेंगे। इस बार लगभग 10 करोड़ लोगों के ट्रेन के जरिये महाकुंभ पहुचंने का अनुमान है। रेलवे की तरफ से भी इसे लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। एक तरफ जहां रेलवे स्टेशनों और ट्रेन की संख्या बढ़ाई जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ रेल मार्ग में सेतुओं का निर्माण कर भीड़ का दबाव कम करने का प्रयास हो रहा है। वाराणसी से प्रयागराज के बीच रेलमार्ग को सुगम बनाने के लिए दारागंज से झूंसी के बीच नए रेल पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। बस पुल में रेलवे ट्रैक बिछाने और गिट्टी डालने का कार्य शेष है। रेल विकास निगम लिमिटेड इसका निर्माण कर रहा है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनय अग्रवाल के मुताबिक 495 करोड़ की लागत से इस पुल का निर्माण हुआ है जो दिसम्बर तक रेल परिवहन के लिए खोल दिया जाएगा।

प्रयागराज रामबाग-वाराणसी रेल मार्ग में गंगा नदी पर अभी तक केवल एक ही रेल पुल था जिसमें सिंगल ट्रैक होने की वजह से झूंसी और राम बाग रेलवे स्टेशन में ट्रेन को देर तक रोकना पड़ता था। लेकिन अब इस 2700 मीटर लंबे नए रेल पुल के बन जाने से रेल यात्रियों को इंतजार नहीं करना होगा क्योंकि यह डबल ट्रैक वाला रेल पुल है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनय अग्रवाल बताते हैं कि कुंभ के प्रमुख पर्वों के दौरान वाराणसी मार्ग से आने वाले रेल यात्रियों को झूंसी स्टेशन में ही उतारकर कुंभ क्षेत्र ले जाने की योजना पर राज्य सरकार से विचार चल रहा है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन में होल्डिंग एरिया का भी निर्माण हो रहा है। लेकिन गैर पर्व के दिनों में ट्रेनों के अप एंड डाउन में इस नए रेल पुल का बड़ा योगदान होगा। इससे स्टेशनों पर यात्रियों का दबाव कम होगा और समय की बचत होगी।

दीपोत्सव 2024 : गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम करेगी सरयू तट पर सजे दीपों की गिनती

सरयू के 55 घाट पर 28 लाख दीये बिछाने का काम अंतिम चरण में

अयोध्या, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में इस बार अयोध्या दीपोत्सव में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 30 हजार वॉलेंटियर्स द्वारा एक-एक दीये प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव में पिछला रिकार्ड तोड़ने की तैयारी है। सोमवार देर शाम तक सरयू के 55 घाट पर दीये सजाने का काम 30 हजार वॉलेंटियर्स द्वारा किया जाता रहा। वहीं मंगलवार को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की 30 सदस्यीय टीम घाटों पर पहुंचकर दीयों की गिनती करेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन सरयू घाट पर कुल 28 लाख दीपकों को सजा रहा है। वहीं पूरे अयोध्या की बात करें तो करीब 35 लाख से अधिक दीये जलाने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर घाटों पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त कर दी गई है। बिना आईकार्ड के वालंटियर व अन्य लोगों के प्रवेश को प्रतिबन्धित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन के सहयोग से 30 अक्टूबर को सायं होने वाले दीपोत्सव के लिए पूरी ताकत लगा दी है।

जहां एक तरफ मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो गोयल ने दीपोत्सव को भव्य एवं अलौकिक बनाने के लिए भारी भरकम टीम उतार दी है, वहीं जिला प्रशासन की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग व विवि के प्राथमिक चिकित्सा स्वास्थ्य केन्द्र भी मुस्तैद हो गए हैं। कुलपति के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्राथमिक चिकित्सा स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्साधिकारी डॉ. दीपशिखा चैधरी अगुवाई में भी टीम का गठन कर दिया गया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए घाटों पर पांच कंट्रोल रूम बनाये गए हैं। दूसरी ओर विवि के नगर निगम की मदद से घाटों की स्वच्छता के लिए टीमें उतार दी गई है। स्वच्छता के वाहनों द्वारा निरन्तर घाटों की साफ-सफाई कराई जा रही है।

विवि के दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो संत शरण मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए सोमवार को तीसरे दिन सभी वालंटियर 16 गुणे 16 के प्रत्येक ब्लॉक में 256 दीये सजा रहे हैं।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट के बाद कचरे से पटा दिल्ली का जेएलएन स्टेडियम

नई दिल्ली,28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में खेलों के लिए पवित्र स्थल माना जाने वाला जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम हाल ही में पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के दो दिवसीय 'दिल-लुमिनाती' संगीत कार्यक्रम के बाद विवाद के केंद्र में आ गया।

जब ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बेअंत सिंह ने कार्यक्रम स्थल की अव्यवस्था की तस्वीरें पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की।

सप्ताहांत में आयोजित इस कॉन्सर्ट में हर रात लगभग 35,000 प्रशंसक आए, लेकिन स्टेडियम, जो आमतौर पर खेलों के लिए आरक्षित होता है, कार्यक्रम के बाद गंदगी की स्थिति में छोड़ दिया गया।

सिंह द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में, स्टेडियम का ट्रैक और फ़ील्ड क्षेत्र कचरे, शराब के कंटेनरों और क्षतिग्रस्त एथलेटिक उपकरणों से अटा पड़ा था।

सिंह ने इंस्टाग्राम पर साझा किया, यह वह जगह है जहाँ एथलीट प्रशिक्षण लेते हैं, लेकिन यहाँ लोगों ने शराब पी और पार्टी की। इसके लिए स्टेडियम को कल तक के लिए बंद कर दिया गया था। एथलेटिक्स उपकरण तोड़कर किनारे फेंक दिए गए हैं।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम पंजाब एफसी, जो जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में भी इस्तेमाल करती है, अब कॉन्सर्ट के बाद हुए गंदगी को साफ करवा रही है क्योंकि वह गुरुवार रात को चेन्नईयिन एफसी का सामना करने की तैयारी कर रही है। पंजाब एफसी वर्तमान में आईएसएल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है, टीम को उम्मीद थी कि उन्हें बढ़त दिलाने के लिए एक साफ-सुथरी पिच होगी। इसके बजाय, खिलाड़ियों और कर्मचारियों को मलबे का सामना करना पड़ा और स्टेडियम के कर्मचारियों को समय पर मैदान को बहाल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

पीकेएल को दिया गया वर्ष की सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स लीग का पुरस्कार

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) को सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स 2024 में प्रतिष्ठित बेस्ट स्पोर्ट्स लीग ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार समारोह शुक्रवार, 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) स्कोर कार्ड 2024 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिस दिन पीकेएल के 11वें संस्करण की शुरुआत भी हुई थी। सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स, एक अभूतपूर्व पहल है, जो खेल व्यवसाय क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार को मान्यता देता है। इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी श्रेणी में प्रो कबड्डी लीग की जीत भारतीय खेल परिदृश्य पर इसके प्रभाव और एक खेल के रूप में कबड्डी के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करती है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने पुरस्कार मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम सीआईआई से यह मान्यता प्राप्त करके रोमांचित हैं। यह पुरस्कार 2014 में अपनी शुरुआत से ही प्रो कबड्डी लीग को एक शानदार सफलता बनाने में शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, हम पीकेएल को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने, कबड्डी को और अधिक लोकप्रिय बनाने और भारत के वैश्विक खेल महाशक्ति बनने के सपने में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रो कबड्डी लीग की निदेशक चारू शर्मा ने कहा, भारत का अनूठा विरासत वाला खेल – जो कई दशक पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया था – 10 साल पहले पीकेएल की बदौलत एक बेहद लोकप्रिय, प्रतिष्ठित, पेशेवर लीग बन गया है। कबड्डी की कहानी वाकई दिलचस्प है। मुझे खुशी है कि भारत की प्रमुख कॉर्पोरेट एजेंसी, सीआईआई ने मशाल स्पोर्ट्स द्वारा सुशासन पर दिए गए अत्यधिक ध्यान की सराहना की है, जिससे पीकेएल को सम्मान और स्थिरता मिली है।

सोफिया सिविंग, अरमान भाटिया ने जीता प्रथम इंडिया मास्टर्स पिकलबॉल चैम्पियनशिप का खिताब

नई दिल्ली। तीसरी वरीयता प्राप्त सोफिया सिविंग ने रविवार को यहां डीएलटीए स्टेडियम में पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडिया मास्टर्स में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की काओ पेई चुआन को 11-3, 11-2 से हराकर पहला प्रो पिकलबॉल खिताब जीत लिया है।

शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के अनिश्चित और जोखिम लेने के लिए तैयार न होने के कारण अमेरिकी खिलाड़ी को संघर्ष करना पड़ा, लेकिन काओ की गलतियों ने सिविंग को पहला अंक दिलाया। धीरे-धीरे लय में आकर सिविंग ने 2-0 से पिछड़ने के बाद स्कोर बराबर किया और फिर 3-2 की बढ़त ले ली, छोर बदलने से स्पष्ट रूप से थके हुए चुआन के संघर्ष को कम करने में कोई मदद नहीं मिली, सिविंग ने 5-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर सेट 11-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में सिविंग को कोई दिक्कत नहीं हुई और उन्होंने आसानी से दूसरा सेट 11-2 से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

नेपाल ने भारत को सैफ महिला चैंपियनशिप 2024 से किया बाहर

नई दिल्ली। भारत रविवार को दशरथ स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में नेपाल से 2-4 से हारकर सैफ महिला चैंपियनशिप 2024 से बाहर हो गया। नेपाल फाइनल में बांग्लादेश से खेलेगा, जिसने पहले दिन दूसरे सेमीफाइनल में भूटान को 7-1 से हराया था। खचाखच भरे स्टेडियम में खेले गए इस मैच में, नियमित समय समाप्त होने के बाद शूट-आउट का सहारा लिया गया, जो 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच में मैदान के अंदर से ज्यादा बाहर का ड्रामा देखने को मिला। 62वें मिनट में संगीता बासफोर के शानदार शॉट की बदौलत भारत ने बढ़त हासिल कर ली और इसके बाद नेपाल ने बराबरी का गोल दागा, जिसे रेफरी ने नकार दिया। इसके बाद मैच 70 मिनट से अधिक समय तक रुका रहा, क्योंकि मेजबान टीम ने रेफरी के फैसले का विरोध करना शुरु कर दिया।

मेरे परिवार ने मेरे लिए बहुत कुछ किया, चाहता हूं कि वे एक अच्छी जिंदगी जिएं : पटना पाइरेट्स रेडर देवांक

हैदराबाद,28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 में कुछ बहुत ही प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिले हैं जो थीम पर फिट बैठते हैं। सीजन के शुरुआती हिस्से में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक पटना पाइरेट्स के युवा रेडर देवांक दलाल रहे हैं, जिन्होंने सभी को अपनी प्रतिभा पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर दिया।

हरियाणा के रोहतक से आने वाले युवा देवांक ने हैदराबाद की भीड़ को अपना नाम जपने पर मजबूर कर दिया, जब उन्होंने अकेले ही पटना पाइरेट्स को तमिल थलाइवाज के खिलाफ एक असंभव जीत दिलाई। यह पटना पाइरेट्स की सीजन की पहली जीत थी, और देवांक ने 25 अंक बनाए क्योंकि वे पीछे से आए और जीत हासिल की, जो वास्तव में हार के मुंह से निकली थी।

देवांक ने कहा, यह सब टीम के बारे में था और मैं सोच रहा था कि पटना पाइरेट्स के लिए मैट पर किसी न किसी को आगे आना चाहिए। उस दिन, तमिल थलाइवाज के खिलाफ, यह मेरा दिन था और दूसरे दिन, कोई और खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेगा। लेकिन, हमारे लिए एक साथ खेलना महत्वपूर्ण है और इसी तरह हम खेल जीत सकते हैं।

देवांक के लिए, एकमात्र ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि पटना पाइरेट्स पीकेएल सीजन 11 में अच्छा प्रदर्शन करे। उन्होंने कहा, मेरे साथी, कप्तान शुभम शिंदे, मुझे आगे बढ़ने और अंक हासिल करने का आत्मविश्वास देते रहे। मुझे पटना पाइरेट्स में टीम प्रबंधन से बहुत समर्थन मिला है और मैं हर अवसर का लाभ उठाना चाहता हूं।

हालांकि, जब उनके व्यक्तिगत लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं का विषय सामने आया, तो दृढ़ निश्चयी देवांक ने बताया, जब मैं नौवें सीजन में जयपुर पिंक पैंथर्स में था, तो मेरी शर्ट पर एक स्टार था, और फिर हमने उस साल खिताब जीता। अगले साल (सीजन 10) हमने शर्ट पर दो सितारों के साथ खेला, और अब पटना पाइरेट्स में, इस साल मेरी शर्ट पर तीन सितारे हैं। लेकिन जब हम सीजन 12 खेलेंगे, तो मैं अपनी किट पर चार सितारे रखना चाहता हूँ। मैं निश्चित रूप से पटना पाइरेट्स को चौथा खिताब दिलाना चाहता हूँ।

22 वर्षीय देवांक, जिन्होंने भारतीय सेना में शामिल होने के बाद कबड्डी में अपनी यात्रा शुरू की, अपने परिवार से इस खेल को अपनाने वाले पहले व्यक्ति हैं, जिसके बाद उनके दो छोटे भाई-बहनों ने भी उनके नक्शेकदम पर चलना शुरू किया।

देवांक ने कहा,मेरा परिवार मुझे लगातार कड़ी मेहनत करते रहने के लिए कहता रहता है, और अगर तुम कोशिश करो तो इस जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। मेरा परिवार और दोस्त भी खुश हैं, और अगर वे खुश हैं तो मुझे बस यही चाहिए। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करना चाहता हूं कि मेरे परिवार का भविष्य अच्छा रहे। उन्होंने बहुत कठिन समय देखा है, और अब मेरा समय है कि मैं उन्हें कुछ वापस दूं और उन्हें खुशहाल जीवन जीने में मदद करूं। उन्होंने मेरे लिए बहुत कुछ किया है, और मैं उनके लिए कुछ अच्छा करने में सक्षम होना चाहता हूं।

गुजरात पर मिली जीत से टीम का आत्मविश्वास मजबूत हुआः उपेंद्र मलिक

हैदराबाद। हैदराबाद के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में पीकेएल सीजन 11 के रोमांचक मुकाबले में रविवार शाम यूपी योद्धा ने गुजरात जायंट्स पर 35-29 से जीत हासिल की, जिसमें भरत (13 अंक) और भवानी राजपूत (9 अंक) ने योद्धाओं के लिए बढ़त बनाई, जबकि राकेश ने जायंट्स के लिए 8 अंक हासिल किए। गुमान सिंह और सोमबीर के माध्यम से जायंट्स की मजबूत शुरुआत के बावजूद, योद्धाओं ने वापसी की और भवानी राजपूत की शुरुआती रेड के बाद गति प्राप्त की। खेल का टर्निंग पॉइंट हाफटाइम से ठीक पहले आया जब राकेश पर महेंद्र सिंह के सफल टैकल के परिणामस्वरूप ऑल आउट हो गया, जिससे ब्रेक तक योद्धाओं को 19-17 की बढ़त मिल गई, जिसे उन्होंने अंत तक बनाए रखा। सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने कहा, यह निस्संदेह हमारे द्वारा अब तक खेले गए चार मैचों में सबसे कठिन मैच था। हमारे खिलाड़ियों ने शुरू से लेकर आखिर तक दबाव की स्थितियों को जिस तरह से संभाला, वह उल्लेखनीय था। पहले ऑल-आउट के बाद भी, हमने तीन से चार अंकों की बढ़त बनाए रखी, जिसमें महत्वपूर्ण सुपर टैकल भी शामिल थे। मैच में जोरदार बैक-एंड-फॉरवर्ड एक्शन देखने को मिला, जिसमें गुजरात जायंट्स ने पहले हाफ में जितेंदर यादव के माध्यम से सुपर टैकल को अंजाम दिया। हालांकि, यूपी योद्धा ने तुरंत दो अंकों की बढ़त के साथ जवाब दिया। जायंट्स ने कुछ समय के लिए घाटे को मिटाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन महेंद्र सिंह के निर्णायक टैकल ने योद्धा के पक्ष में मैच मोड़ दिया। सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने अंतिम क्षणों में अपनी बढ़त को बनाए रखने की टीम की क्षमता की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा, अंतिम मिनटों में बढ़त हासिल करना उतना ही चुनौतीपूर्ण हो सकता है जितना कि किसी का पीछा करना।

बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली,28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने सोमवार को बहुप्रतीक्षित बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पुनर्गठित 18 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर तक बिहार के नव-विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल रांची में हुए संस्करण में खिताब जीतने के बाद, गत चैंपियन के रूप में भारत उच्च उम्मीदों के साथ प्रतियोगिता में प्रवेश कर रहा है। महाद्वीपीय वर्चस्व की लड़ाई में टीम को मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित पांच अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे होंगी, जबकि नवनीत कौर उनकी डिप्टी होंगी। उनके नेतृत्व में, भारत का लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना है। टीम के चयन और टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी पर मिडफील्डर और कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, एक और प्रमुख टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करना एक अविश्वसनीय एहसास है, खासकर गत विजेता के रूप में। हमने कठोर प्रशिक्षण लिया है और हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं दोनों के साथ एक मजबूत इकाई है। हमारा लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना और उसी जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ खेलना है जो हमने पिछले साल दिखाया था। इस बीच, उप-कप्तान नवनीत कौर ने कहा, हमें अपनी तैयारी और टीम के भीतर बनी केमिस्ट्री पर भरोसा है। अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना एक बहुत बड़ा बढ़ावा है, और हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार हैं। सलीमा के साथ काम करना शानदार रहा है, और हम इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए दृढ़ हैं। भारत 11 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 अभियान की शुरुआत करेगा। बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः गोलकीपर- सविता, बिचू देवी खारीबाम। डिफेंडर- उदिता, ज्योति, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुशीला चानू पुखरबम, इशिका चौधरी। मिडफील्डर- नेहा, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, लालरेम्सियामी। फॉरवर्ड्स- नवनीत कौर, प्रीति दुबे, संगीता कुमारी, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग।

दक्षिण कोरिया ने अंडर-17 एशियाई कप फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

डालियान,28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया ने रविवार को चीन के साथ 2-2 से ड्रा खेलकर अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर अंडर-17 एशियाई कप फाइनल में स्थान सुनिश्चित कर लिया।

ग्रुप सी के अंतिम गेम में स्थानापन्न ली जी-हो ने 87वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को बराबरी दिलाई।

दक्षिण कोरिया और चीन दोनों ने अपने क्वालीफाइंग अभियान को तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ समाप्त किया, जिसमें दक्षिण कोरिया अपने बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर रहा।

अन्य समूहों के खेल समाप्त होने के बाद ही चीन को पता चलेगा कि वे पाँच सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान वाली टीमों में से एक के रूप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं या नहीं।

दक्षिण कोरिया ने मैच में आक्रामक शुरुआत की और नौवें मिनट में ही स्ट्राइकर जून मिन-सुंग ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

चीन के मिडफील्डर याओ जुन्यू ने 45वें मिनट में कोरियाई रक्षा पंक्ति को तोड़कर स्कोर बराबर कर दिया।

66वें मिनट में, चीन को पेनल्टी दी गई, और फॉरवर्ड वेई जियांगक्सिन ने आगे बढ़कर मेजबान टीम को 2-1 से आगे कर दिया। लेकिन अंत से तीन मिनट पहले, चीन के लियू जियाले ने क्षेत्र में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी को नीचे गिरा दिया, जिससे पेनल्टी ली को मिल गई, जिसे ली ने गोल में बदल दिया और कोरिया को 2-2 से बराबरी दिला दी।

कुल 43 टीमों को अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर खेलने के लिए दस समूहों में विभाजित किया गया था, और समूह विजेता और सर्वश्रेष्ठ पांच दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें मेजबान सऊदी अरब के साथ फाइनल में शामिल होंगी, जो 3 से 20 अप्रैल, 2025 तक निर्धारित है।

बीसीबी की पेशकश पर बांग्लादेश टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने को तैयार ताइजुल इस्लाम

चटगांव,28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम जरूरत पड़ने पर टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं। उनसे टेस्ट टीम की कप्तानी के बारे में पूछा गया था, क्योंकि ऐसी खबरें थीं कि मौजूदा कप्तान नजमुल हुसैन शांतो घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही सीरीज के बाद कप्तानी जारी रखने के लिए तैयार नहीं हैं।

बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट 29 अक्टूबर (मंगलवार) से शुरू होने वाला है। मेहमान टीम शुरुआती टेस्ट में सात विकेट से जीत दर्ज करके 1-0 से आगे चल रही है। बता दें कि शांतो ने सीरीज के बाद कप्तानी छोड़ने की इच्छा जताई थी।

इस बारे में पूछे जाने पर, एक दशक से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे अनुभवी ताइजुल ने शांतो के बारे में ऐसी किसी भी बात को सुनने से इनकार किया, लेकिन साफ किया कि जरूरत पड़ने पर वह कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर ताइजुल ने संवाददाताओं से कहा, मैंने इस मामले (नजमुल के कप्तानी से इस्तीफा देने के संबंध में) पर कुछ नहीं सुना है। यह हमारी भूमिका का हिस्सा नहीं है, मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है। 10 साल तक खेलने के बाद मैं कप्तानी के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

हाल ही में भारत दौरे पर मिली करारी हार के बाद बांग्लादेश लगातार दूसरी सीरीज हारने की कगार पर है। उन्हें लगता है कि अगर उन्हें सीरीज बराबर करनी है तो बल्लेबाजों को ज़्यादा ज़िम्मेदारी लेनी होगी।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य वही हैः हम जीतने के लिए खेलेंगे। जहाँ तक मैच की परिस्थितियों का सवाल है, हम खेल शुरू होने के बाद उन्हें समझ जाएँगे। लेकिन हमारा ध्यान एक टीम के रूप में खेलने पर होगा – चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण। हम जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हर मैच एक अवसर है। उस दृष्टिकोण से, मुझे लगता है कि यह बल्लेबाजों के लिए एक और मौका है। हमने एक टीम के रूप में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया है, हालाँकि कुछ ने अलग-अलग मैचों में व्यक्तिगत प्रदर्शन किया है। अगर हम एक खेल में दो या तीन साझेदारियाँ बना सकते हैं, और एक या दो खिलाड़ी शतक बनाते हैं, तो हमारा लक्ष्य बहुत बड़ा होगा और हर कोई कड़ी मेहनत कर रहा है और पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

पाक के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, मार्श को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए आराम

नई दिल्ली,28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला के लिए नया कप्तान मिलेगा, क्योंकि उसके टेस्ट सितारे इस श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। यह श्रृंखला उसी सप्ताह समाप्त होगी, जिस सप्ताह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अभियान शुरू होगा। पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए जोश इंगलिस, एडम जाम्पा और मैट शॉर्ट को टीम में शामिल किया गया है।

ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में होने वाले मैचों के लिए 13 सदस्यीय टीम में टेस्ट टीम के किसी भी मौजूदा खिलाड़ी को नहीं चुना गया है। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि चुने गए कुछ खिलाड़ी 18 नवंबर को बेलरिव ओवल में होने वाले अंतिम टी-20 मैच के बाद पर्थ में भारत के खिलाफ होने वाले सीरीज के पहले मैच के लिए टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। सितंबर में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के व्हाइट-बॉल दौरे से पहले या उसके दौरान लगी चोटों के बाद तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और स्पेंसर जॉनसन टीम में वापस आ गए हैं। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, जेवियर, स्पेंसर और नाथन का राष्ट्रीय टीम में वापस आना विशेष रूप से उत्साहजनक है। यह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का एक और अवसर है, जैसा कि उन्होंने अतीत में किया है।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमः

सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा।

गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन सोमवार को पाकिस्तान की एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। कर्स्टन बमुश्किल पांच महीने तक इस पद पर रहे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा अप्रैल 2024 में दो साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए कर्स्टन अगले महीने

ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल दौरे से पहले अलग हो जाएंगे। टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे। पीसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की कि जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल दौरे पर पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे, गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया। दक्षिण अफ़्रीकी खिलाड़ी का पहला बड़ा काम वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप था, जो पाकिस्तान के ग्रुप स्टेज में बाहर होने के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने एक भी वनडे में पाकिस्तान को कोचिंग दिए बिना अपनी भूमिका छोड़ दी, जिस प्रारूप में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। 56 वर्षीय कर्स्टन ने 2011 में भारत को 50 ओवर के विश्व कप का खिताब दिलाया था।

संपादकीय

खाद्य तेल के विरोधाभास

दीपावली के त्योहारी मौसम में खाद्य तेलों की कीमतों में खूब उबाल आया है। यह चुनाव का मौसम भी है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी है। इसी दौरान महंगाई का मुद्दा एक बार फिर गरमा उठा है। 'महंगाई डायन खाए जात हो' वाला गीत पहले भी प्रासंगिक था और अब मौजूदा सरकार के दौरान भी मौजू है। एक महीने के दौरान ही ताड़, सूरजमुखी, सोयाबीन, सरसों और मूंगफली के तेल काफी महंगे हो गए हैं। ताड़ के तेल की कीमतों में 37 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। ये सभी रोजाना के इस्तेमाल में आने वाले खाद्य तेल हैं। वे औसतन 58 फीसदी महंगे हुए हैं। बीते माह सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 5.5 फीसदी थी, जो 9 महीनों में सर्वाधिक थी। खाद्य तेलों की महंगाई भी मुद्रास्फीति से जुड़ी है अथवा यह मुनाफाखोरी, जमाखोरी या कालाबाजारी की महंगाई है! अजीब विरोधाभास है कि भारत दलहन और तिलहन का बड़ा उत्पादक देश है। सरसों, सोयाबीन, ताड़ आदि की फसलें पर्याप्त हुई हैं। उसके बावजूद भारत को 65 फीसदी खाद्य तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है। यह मोदी सरकार का ही विरोधाभास नहीं है। मौजूदा सरकार से पहले भी हमें 58 फीसदी खाद्य तेल आयात करना पड़ता था। यह विरोधाभास इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी अधिक तिलहन, दलहन की पैदावार का आह्वान करते रहे हैं, किसानों ने अधिक पैदावार की भी है, लेकिन सरकार 10-20 फीसदी फसल की ही खरीद करती है। ऐसा क्यों है? सवाल यह भी है कि भारत ने खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश क्यों नहीं की? भारत कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बना भी है और कइयों में ऐसे प्रयास जारी हैं, लेकिन किसानों की फसल खरीद में अलग-अलग मापदंड हैं। खाद्य तेल घरेलू भोजन का आधार हैं, तो होटल, रेस्तरां, ढाबों और मिठाई की दुकानों की भी बुनियादी जरूरत हैं। उनके यहां खाद्य तेल की खपत खूब होती है, क्योंकि तेल से ही विभिन्न व्यंजन बनाए जाते हैं। अब बीते एक माह के दौरान ही सरसों का तेल 29 फीसदी, सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल 23 फीसदी प्रति महंगे हुए हैं। गनीमत है कि मूंगफली के तेल की कीमतें मात्र 4 फीसदी ही बढ़ी हैं। जाहिर है कि घरेलू और व्यवसायों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। तेल से बनने वाले व्यंजन या सामान्य भोजन अथवा स्नैक्स आदि सभी महंगे होंगे। क्या आम आदमी इस महंगाई को झेल सकता है? भारत ऐसा देश है, जिसमें आर्थिक आकलन किया गया था कि जिनकी औसतन आय 25,000 रुपए माहवार है, वे देश की सम्पन्न जमात में आते हैं। ऐसी मात्र 10 फीसदी आबादी है। इसके मायने हैं कि देश की अधिकतर आबादी गरीब है, क्योंकि उसकी आमदनी 25,000 रुपए से कम है। क्या ऐसा देश 181 रुपए प्रति लीटर का खाद्य तेल खरीद सकता है और घर की रसोई को 'चिकना' रख सकता है? यह मुद्दा कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने लपक लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े का आकलन है कि आम आदमी की थाली औसतन 52 फीसदी महंगी हुई है। खडग़े के मुताबिक, टमाटर की कीमत 247 फीसदी, आलू के दाम 180 फीसदी, लहसुन के 128 फीसदी बढ़े हैं। अन्य सब्जियां भी 89 फीसदी महंगी हुई हैं। नमक, खाद्य तेल, आटे के दाम भी बढ़े हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के अर्थशास्त्र के मुताबिक, एक परिवार के लिए दिन में दो थाली भोजन तैयार करने की मासिक लागत 2023 में 3053 रुपए थी। अब 2024 में यह बढक़र 4631 रुपए हो गई है। जाहिर है कि इससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ेगा। बीते साल अक्तूबर से लेकर अब तक संतुलित भोजन की कीमतें 52 फीसदी बढ़ी हैं, जबकि औसत वेतन में 9-10 फीसदी ही वृद्धि होती है। श्रम श्रेणी के लिए यह भी निश्चित नहीं है।

'महंगाई डायन खाए जात हो' वाला गीत पहले भी प्रासंगिक था और अब मौजूदा सरकार के दौरान भी मौजू है। एक महीने के दौरान ही ताड़, सूरजमुखी, सोयाबीन, सरसों और मूंगफली के तेल काफी महंगे हो गए हैं। ताड़ के तेल की कीमतों में 37 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। ये सभी रोजाना के इस्तेमाल में आने वाले खाद्य तेल हैं। वे औसतन 58 फीसदी महंगे हुए हैं। बीते माह सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 5.5 फीसदी थी, जो 9 महीनों में सर्वाधिक थी। खाद्य तेलों की महंगाई भी मुद्रास्फीति से जुड़ी है अथवा यह मुनाफाखोरी, जमाखोरी या कालाबाजारी की महंगाई है! अजीब विरोधाभास है कि भारत दलहन और तिलहन का बड़ा उत्पादक देश है। सरसों, सोयाबीन, ताड़ आदि की फसलें पर्याप्त हुई हैं। उसके बावजूद भारत को 65 फीसदी खाद्य तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है। यह मोदी सरकार का ही विरोधाभास नहीं है। मौजूदा सरकार से पहले भी हमें 58 फीसदी खाद्य तेल आयात करना पड़ता था।

दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और यूपी के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है

जहरीली होती हवा से गहराता सांसों का संकट

ललित गर्ग

दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती।

दिल्ली हरियाणा, उत्तर प्रदेश में अभी दीपावली आने में कुछ दिन है, उससे पहले ही जहरीली हवा एवं वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनने लगा हैं और जहरीली होती हवा सांसों पर भारी पड़ने लगी है। एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआइ बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है। दिल्ली में औसत एक्यूआइ 293 पहुंच गया है। दिल्ली के अनेक क्षेत्रों में यह अभी से 300 पार जा चुका है। अतीत का अनुभव बताता है कि आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। बढ़ते वायु प्रदूषण से जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में लगाए जाने वाले प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। दिल्ली सरकार जो भी तर्क दें, पर हकीकत यही है कि लोगों का दम घुटेगा, बच्चों एवं बुजुर्गों के सामने बड़ा संकट खड़ा होगा, अगर दिल्ली सरकार सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर नहीं हैं, वह गंभीर होती तो पहले से कोई ठोस योजना बनाती। दिल्ली के वायु प्रदूषण एवं हवा के जहरीले होने में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है।

प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती। सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? वैसे प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान भी निरन्तर चलाया जाना चाहिए। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से

लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

सुप्रीम कोर्ट राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर कठोर टिप्पणियां करने के साथ सरकार को कठोर एवं प्रभावी कदम उठाने के लिये जागरूक करती रही है। हाल ही सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने से रोकने में पंजाब सरकार की नाकामी पर सख्त टिप्पणी भी की। पंजाब और दिल्ली, दोनों ही राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं, इसलिए यह आप और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का मुद्दा भी बनता रहता है। ध्यान रहे कि पंजाब और दिल्ली के बीच स्थित राज्य हरियाणा में भाजपा की सरकार है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा सरकार है, जिसके पश्चिमी क्षेत्र के किसानों पर पराली जलाने का आरोप लगता रहता है। आम आदमी की सेहत ही नहीं, जीवन से भी जुड़े इस जानलेवा मुद्दे पर राजनीति नहीं, बल्कि ठोस समाधान की राह निकलनी चाहिए। हमारे राजनीति दल संवेदनहीन नहीं बल्कि संवेदनशील बने। दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न किये जाये। क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में पिछले कुछ सालों में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है।

तमाम बंदीशों एवं चेतावनियों के दीपावली की रात आतिशबाजी जमकर होती है, इसके कारण पिछले साल अगले दिन वायु प्रदूषण 999 के बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। यह आम आदमी की सेहत, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 401 से 500 तक के एक्यूआइ को ही 'गंभीर' एवं खतरनाक माना जाता है। वायु प्रदूषण से जुड़े आंकडे हमें बार-बार सतर्क एवं सावधान करने के साथ डराते भी है। यह डराने वाला ही आंकड़ा है कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें होती हैं। देश में होने वाली मौतों का यह पांचवां बड़ा कारण है। दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली और पटाखों की ही तरह वाहनों एवं भवन-निर्माण से जुड़ा प्रदूषण भी खतरनाक होता है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया।

इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।... नहीं, अब तो प्रत्येक राजनीतिक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। अभी से हर दिन पराली जलाने की घटनाएं दर्ज होने लगी है। क्या इसे रोकना वाकई इतना कठिन है? आखिर दिल्ली, पंजाब के साथ केंद्र सरकार इसके लिए क्या कर रही है कि किसान पराली न जलाएं? सच यह है कि इसके लिए कोई प्रभावी कोशिश हो ही नहीं रही है। किसानों से बात करने का साहस कोई भी सरकार नहीं दिखा रही है।

दृष्टि कोण

भारतीय सनातन संस्कृति के विरुद्ध गढ़े जा रहे है झूठे विमर्श

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों को देखने के पश्चात ध्यान में आता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पटरी पर तेजी से दौड़ने लगी है। परंतु, देश के मीडिया में भारत के आर्थिक क्षेत्र में लगातार बन रहे नित नए रिकार्ड का जिक्र कहीं भी नहीं है। इसके ठीक विपरीत देश में रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं, गरीब अति गरीब की श्रेणी में जा रहा है, मुद्रा स्फीति की दर अधिक हो रही है, भुखमरी बढ़ रही है, हिंसा बढ़ रही है, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं, आदि विषयों पर विमर्श गढ़ने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। भारत में झूठे विमर्श गढ़ने का इतिहास रहा है। अंग्रेजों के शासन काल में भी कई प्रकार के झूठे विमर्श गढ़ने के भरपूर प्रयास हुए थे जैसे पश्चिम से आया कोई भी विचार वैज्ञानिक एवं आधुनिक है, भारत सपेरों का देश है एवं इसमें अपढ़ गरीब वर्ग ही निवास करता है, भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति रूढ़िवादी एवं अवैज्ञानिक है, शहरीकरण विकास का बड़ा माध्यम है अतः ग्रामीण विकास को दरकिनार करते हुए केवल शहरीकरण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, शहरी, ग्रामीण एवं जनजातीय के बीच में आर्थिक विकास की दृष्टि से शहरी अधिक महत्व के क्षेत्र हैं, विदेशी भाषा को जानने के चलते नागरिकों में आत्मविश्वास बढ़ता है, संस्कृति से अधिक तर्क को महत्व दिया जाना चाहिए, व्यक्ति एवं समश्टि में व्यक्ति को अधिक महत्व देना अर्थात व्यक्तिवाद को बढ़ावा देना चाहिए (पूंजीवाद की अवधारणा), कम श्रम करने वाला व्यक्ति अधिक होशियार माना गया, सनातन हिन्दू संस्कृति पर आधारित प्रत्येक चीज को हेय दृष्टि से देखना, जैसे दिवाली के फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैं, होली पर्व पर पानी की बर्बादी होती है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज सनातन भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। इसी प्रकार, भारतीय सनातन संस्कृति पर हमला करते हुए "माई बॉडी माई चोईस"; "हमको भारत में रहने में डर लगता है"; आदि नरेटिव स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। वाशिंगटन पोस्ट एवं न्यूयॉर्क टाइम्ज लम्बे लम्बे लेख लिखते हैं कि भारत में मुसलमानों पर अन्याय हो रहा है। कोविड महामारी के दौरान भी भारत को बहुत बदनाम करने का प्रयास किया गया था। वर्ष 2002 की घटनाओं पर आधारित एक डॉक्युमेंटरी को बीबीसी आज समाज के बीच में लाने का प्रयास कर रहा है। अडानी समूह, जो कि भारत में आधारभूत संरचना विकसित करने के कार्य का प्रमुख खिलाड़ी है, की तथाकथित वित्तीय अनियमितताओं पर अमेरिकी संस्थान "हिंडनबर्ग" अपनी एक रिपोर्ट जारी करता है ताकि इस समूह को आर्थिक नुक्सान हो और यह समूह भारत की आर्थिक प्रगति में भागीदारी न कर सके। हैपीनेस इंडेक्स एवं हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति को झूठे तरीके से पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देशों से भी बदतर हालात में बताया जाता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, भारतीय मुसलमानों की स्थिति के बारे में तब विपरीत बात करते हैं जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर होते हैं। ऐसा आभास होता है कि भारत के विरुद्ध यह अभियान कई संस्थानों एवं देशों द्वारा मिलाकर चलाया जा रहा है। भारत द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में लगातार प्राप्त की जा रही विभिन्न उपलब्धियों को दरकिनार करते हुए, भारत के बारे में भ्रांतियां फैलाई जाती रही हैं। जैसे, भारतीय कुछ नया करे तो उसे 'जुगाड़' कहा जाता है और चीन यदि कुछ नया करे तो 'रिवर्स इंजिनीयरिंग'। पश्चिम का प्रत्येक कदम वैज्ञानिक है, परंतु भारतीय आयुर्वेद को हर बात सिद्ध करने की आवश्यकता होती है। पश्चिम का अधूरा अध्ययन भी साइन्स की श्रेणी में है, परंतु भारत के कई प्राचीन वैज्ञानिक तथ्य भी रूढ़िवादी माने जाते हैं। पश्चिमी विचारधारा में व्यक्ति की भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं है, केवल तकनीकी के बारे में ही विचार किया जाता है। इसी प्रकार से भारत में बाल श्रम को लेकर पश्चिमी देशों द्वारा हो हल्ला मचाया जाता है किंतु उनके अपने देशों में कई प्रतियोगिताओं में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी भाग लेते हैं, परंतु उनकी दृष्टि में यह बाल श्रम की श्रेणी में नहीं आता है। भारत में यदि 16 वर्ष की कम उम्र के बच्चे अपने पारम्परिक व्यवसाय की कला में पारंगत होना प्रारम्भ करें तो यह बाल श्रम की श्रेणी में माना जाता है। भारत के संदर्भ में यह दोहरी नीति का विमर्श क्यों खड़ा किया जाता है। भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है।

कुछ अलग

एनिमेशन की दुनिया

बचपन में हर कोई टॉम एंड जैरी, मिकी माउस, नॉडी, ऑसवाल्ड, छोटा भीम, बाल गणेश, मोटू-पतलू, डॉरीमोन इत्यादि एनिमेटेड फिल्में या कार्यक्रम देखना पसंद करता है। टॉम एंड जैरी की उछल-कूद और भागमभाग में तो बच्चों को एक अलग ही मजा आता है। हालांकि केवल बच्चे ही नहीं बल्कि उम्रदराज लोग भी विभिन्न एनिमेटेड कार्यक्रम चाव से देखते हैं। दुनियाभर में आज वैश्विक मनोरंजन के तौर पर हर जगह एनिमेशन का उपयोग किया जाता है। यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें कृत्रिम दृश्यों और घटनाओं को वास्तविक रूप दिया जाता है। दरअसल एनिमेशन में कल्पना से परे एक अलग दुनिया का सृजन किया जाता है। रंग-बिरंगे हंसते-बोलते, नाचते-गाते, खाते-पीते कार्टून चरित्रों और पात्रों की दुनिया ही एनिमेशन की अद्भुत दुनिया है। चुनौतियों और एडवेंचर से भरी एनिमेशन की पूरी दुनिया ही कल्पना और क्रिएटिविटी पर टिकी होती है, जिसमें कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर्स की मदद से अनोखी दुनिया की रचना की जाती है। एनिमेटेड फिल्मों को बनाने तथा एनिमेटेड आर्ट के पीछे कलाकारों, तकनीशियनों और वैज्ञानिकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी को पहचानने तथा एनिमेशन की विश्वविख्यात कला के सम्मान के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 28 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय एनिमेशन दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2002 में एसोसिएशन इंटरनेशनल डु फिल्म डी एनिमेशन द्वारा इस दिन को अंतरराष्ट्रीय एनिमेशन दिवस घोषित किया गया था। एनिमेशन दिवस के रूप में इसकी शुरुआत यूनेस्को के सदस्य अंतरराष्ट्रीय एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन (आसिफा) द्वारा की गई थी। वास्तव में यह दिन पेरिस में 28 अक्तूबर 1892 को एमिल रेनॉड के थिएटर ऑप्टिक के पहले सार्वजनिक प्रदर्शन का स्मरण कराता है। वर्ष 1895 में लुमिनेयर भाइयों के सिनेमाटोग्राफ ने रेयनॉड के आविष्कार की खोज की और एमिल को दिवालिया कर दिया। एनिमेशन का उनका सार्वजनिक प्रदर्शन कैमरा-निर्मित फिल्मों की भविष्यवाणी करने के साथ ही ऑप्टिकल मनोरंजन के इतिहास में प्रवेश कर गया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पहली बार एनिमेशन कब और कहां जीवन में आया। करीब 200 ईस्वी में छाया कठपुतली से लेकर 1650 के दशक में जादुई लालटेन तक मोशन के माध्यम से कहानी बताना सदा से होता रहा है। वर्ष 1832 में जोसेफ प्लेट्यू द्वारा फेनाकिस्टिकोपे का आविष्कार किया गया था जिससे पहली व्यापक एनिमेशन डिवाइस अस्तित्व में आई। 1834 में विलियम जॉर्ज हॉर्नर ने एक समान मोशन पिक्चर प्रोजेक्टर बनाया, जिसमें ड्राइंग को एक ड्रम के अंदर रखा गया, जो एक सर्कुलर फैशन में बदल गया। हॉर्नर ने इसे 'डेडाटेलम' अथवा 'व्हील ऑफ दि डेविल' नाम दिया, जो सबसे बड़े नवाचारों में से एक था, जिसने फिल्म को पेश करने की नींव रखी। फ्रांसीसी आविष्कारक पियरे डेसविग्नेस ने इसे जोएट्रोप नाम दिया जो ग्रीक भाषा का एक शब्द था, जिसका अर्थ है 'चीजें जो बदल जाती हैं'। स्टॉप मोशन तकनीक का उपयोग करने वाले पहले लोगों में से एक ब्रिटिश फिल्म निर्माता जेम्स स्टुअर्ट ब्लैकटन को अमेरिकी एनिमेशन का जनक माना जाता है, जिन्होंने अमेरिका में पहला एनिमेशन बनाया था। उन्हें वर्ष 1900 में 'एनचैंटेड ड्राइंग' नामक पहली एनिमेटेड फिल्म बनाने का श्रेय प्राप्त है। 1906 में उन्होंने एक मूक एनिमेशन फिल्म 'ह्यूमरस फेसेज ऑफ फनी फेसेज' बनाई। बहरहाल, एनिमेटेड फिल्म निर्माण के क्षेत्र में नवाचार की जरूरत है, ताकि स्वस्थ मनोरंजन हो।

देश दुनिया से

सर्वधर्म समभाव और अड़चनें

हिन्दू या सनातन चिंतन परंपरा इसके मूल में है जो स्वभाव से समावेशी और बहुलतावादी है। जिसका मानना है कि 'ईश्वर एक ही है और उसे अपनी अपनी आस्था और समझ के अनुरूप भिन्न भिन्न रूपों में माना जा सकता है।' सनातन परंपरा हजारों वर्षों में विकसित हुई है और विकसित होती जा रही है। यही हिन्दू या सनातन परंपरा की खूबी है कि यह सतत विकासमान है और इसमें नए नए ज्ञान को समावेशित करने की छूट है, क्योंकि इसका विकास ही शास्त्रार्थ और गहन चिंतन से उपजे विभिन्न दर्शनों के आधार पर हुआ है। वर्तमान में इसमें प्राचीनतम जादू टोने वाले समाज के तत्वों से लेकर सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, और उत्तर मीमांसा के तत्व एक साथ ख़ुशी से पनपते चले आ रहे हैं।

भारतवर्ष एक बहुलतावादी राष्ट्र है, जिस पर बहुत से लोग गर्व महसूस करते हैं। एक समृद्ध, सुखी और शांत राष्ट्र के निर्माण के लिए यह जरूरी तत्व है। किन्तु हमें यह भी समझना होगा कि भारत में इस सहिष्णुता की नींव क्या है, और अड़चनें क्या हैं? हिन्दू या सनातन चिंतन परंपरा इसके मूल में है जो स्वभाव से समावेशी और बहुलतावादी है। जिसका मानना है कि 'ईश्वर एक ही है और उसे अपनी अपनी आस्था और समझ के अनुरूप भिन्न भिन्न रूपों में माना जा सकता है।' सनातन परंपरा हजारों वर्षों में विकसित हुई है और विकसित होती जा रही है। यही हिन्दू या सनातन परंपरा की खूबी है कि यह सतत विकासमान है और इसमें नए नए ज्ञान को समावेशित करने की छूट है, क्योंकि इसका विकास ही शास्त्रार्थ और गहन चिंतन से उपजे विभिन्न दर्शनों के आधार पर हुआ है। वर्तमान में इसमें प्राचीनतम जादू टोने वाले समाज के तत्वों से लेकर सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, और उत्तर मीमांसा के तत्व एक साथ ख़ुशी से पनपते चले आ रहे हैं। बौद्ध, धर्म के रूप में भले ही लुप्त हो गया हो किन्तु उसके बहुत से तत्व भारतीय चिंतन में समाविष्ट हो चुके हैं। जैन और अनेक संतों के मत भी फल-फूल रहे हैं। चैतन्य महाप्रभू का संकीर्तन भक्तिमार्ग हो या कबीर का निर्गुण ब्रह्म की उपासना हो, दादू पन्थ, रैदास पंथ, गोरख पंथ आदि अनेक दर्शन थोड़े थोड़े भेद के साथ स्वीकृत और जनमानस में आत्मसात हो चुके हैं। अनेक आदिवासी समुदायों के विभिन्न मत भी मान्य हैं। जिन सब में कुछ तत्व सांझे हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण है दूसरे के मत को भी अपने जितना आदर देना। इनमें से कुछ तो नास्तिकवाद के भी पास हैं। कुछ बहुदेववादी हैं, कुछ एकेश्वरवादी हैं। किन्तु इनका एकेश्वरवाद भी अब्रह्मिक धर्मों की तरह बहुदेववाद और साकार उपासना को घृणा की दृष्टि से नहीं देखता, बल्कि यह समझ कर मान्यता देता है कि मनुष्य की आंतरिक विकास की सीढियों में यह भी एक सीढ़ी है और यह विकास की प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए। धीरे धीरे साकार पूजा और बहुदेववाद आंतरिक विकास के साथ साथ एकेश्वरवाद और निराकार उपासना तक पहुंच ही जाते हैं, किन्तु इसका यह अर्थ कदापि नहीं कि जब हम डाक्टरेट कर लें तो पहली-दूसरी श्रेणी के विद्यालयों से नफरत करने लग जाएं। समाज में लोग आते रहेंगे और छोटे विद्यालयों की जरूरत बनी ही रहेगी। जब व्यक्ति ज्ञान हासिल कर लेता है तो उसे पुस्तक-पेन्सिल की जरूरत नहीं रहती, तो क्या उन्हें तोड़ दें, नहीं कभी नहीं। बल्कि जिन्हें उनकी जरूरत है उन्हें दे दें। सनातन धर्म में जीवन के दो विभाग हैं। एक प्रवृत्ति मार्ग, और दूसरा निवृत्ति मार्ग। प्रवृत्ति मार्ग का लक्ष्य है, सांसारिक जीवन को सफलता से जीने वाले नियमों को मानना और उन पर चलते हुए अपने और समाज के जीवन को सफल बनाने का प्रयास करते रहना। इसका फल है, अपने कर्मों के अनुसार बार बार जन्म लेते रहना। यह एक सतत प्रक्रिया के रूप में चलता रहता है। दूसरा है निवृत्ति मार्ग। इस मार्ग पर वे लोग चलते हैं जो सुख-दुःख के झमेले से बाहर निकल जाना चाहते हैं। वे मोक्ष की कामना करते हैं। और उसी के लिए विभिन्न साधनाएं करते हैं। मोक्ष को सबसे उत्तम लक्ष्य माना जाता है। बौद्ध इसको थोड़ा बहुत हेरफेर से निर्वाण कहते हैं। इस तरह पूरे ताने बाने में ही सब धर्मों को मानने वालों के प्रति श्रद्धा का भाव पैदा हो जाता है। सनातनी संस्कार वाला समाज किसी दूसरे धर्म के प्रति घृणा के भाव से ऊपर उठ चुका है। वह दूसरे धर्म को घटिया या छोटा साबित करने के चक्कर में कभी नहीं पड़ता। न ही दूसरे धर्म को मानने वाले को अपना धर्म छोड़ कर सनातनी बन जाने को कहता है। बल्कि उसका मानना तो यह है कि न अपना धर्म छोड़ो और न दूसरे का धर्म छुड़ाओ। क्योंकि रस्ते अलग अलग हैं पर अंत में सभी को वहीं पहुंचना है तो झगड़ा क्यों? किन्तु जब अब्रह्मिक धर्मों से पाला पड़ा तो स्थितियां बदल गईं। उनका पहला लक्ष्य ही दूसरे के धर्म पर टीका टिप्पणी करके धर्मांतरण करवा कर अपने धर्म में लाना है। इसके लिए दूसरे के धर्म को घटिया साबित करना जरूरी है। इसी धंधे में जाकिर नाईक और उन जैसे अनेक धर्म गुरु लगे रहते हैं। उनके लिए यह पुण्य का कार्य है। इसके लिए बाकायदा संस्थागत कार्य की व्यवस्था की जाती है। तबलीग जैसी संस्थाएं यही कार्य करती रहती हैं। इसी तरह ईसाई मिशनरियां भी यही काम करती रहती हैं। अब्रह्मिक धर्मों के कुछ अच्छे नियम हैं जिन्हें फर्ज कहा जाता है, जो एक पुस्तक पर आधारित हैं। उनमें अपने धर्म की श्रेष्ठता का भाव भी कूट-कूट कर भरा जाता है जिससे अन्य धर्मों के साथ उनका टकराव होना स्वाभाविक हो जाता है। उनके लिए दूसरे का धर्म छुड़वा कर अपने धर्म में लाना पुण्य का काम है। इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मान्तरण के तरीकों में थोड़ा अंतर जरूर है। ईसाईयों ने सेवा और लालच का प्रयोग ज्यादातर किया। और इस्लाम ने शक्ति और शासन के दबाव का प्रयोग किया। आज भी भारत में यह क्रम तो जारी ही है।

आप का नजरिया

राष्ट्रमंडल खेल

भारत को ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी भागीदारी के बारे में एक महत्वपूर्ण निर्णय का सामना करना चाहिए, जिसमें बहिष्कार की मांग पर विचार जरूरी है। यह भावना इस घोषणा के बाद उभरी है कि एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत के वर्चस्व वाले कई खेलों को इस आयोजन से बाहर रखा गया है। हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन, कुश्ती, स्क्वैश और शूटिंग जैसे प्रमुख खेल, जिनमें भारतीय एथलीट लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं, ग्लासगो खेलों का हिस्सा नहीं होंगे, जिससे निष्पक्षता और समावेशिता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत की पदक संभावनाओं पर प्रभाव : इन खेलों को बाहर करना भारत की पदक उम्मीदों के लिए एक बड़ा झटका है। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में पारंपरिक रूप से शूटिंग, कुश्ती और हॉकी जैसे आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे पदक तालिका में इसकी मजबूत स्थिति में योगदान मिला है। इन खेलों को हटाने से भारतीय एथलीटों के लिए वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर बहुत कम हो गए हैं। यह निर्णय अन्य एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और मलेशिया पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जो इन खेलों में प्रमुख हैं, जिससे खेलों की समग्र प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर हो जाती है। राष्ट्रमंडल खेल, ऐतिहासिक रूप से, खेल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सौहार्द और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक मंच रहे हैं। हालांकि, कई एशियाई देशों में लोकप्रिय खेलों को बाहर करने से एक महत्वपूर्ण असंतुलन पैदा होता है। क्रिकेट और हॉकी जैसे खेल, जिनका भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में गहरा सांस्कृतिक महत्व है, सीमाओं के पार प्रशंसकों को एकजुट करते हैं। आयोजन से उन्हें हटाने से न केवल एथलीट प्रभावित होते हैं, बल्कि इन प्रिय खेलों को देखने के लिए खेलों का अनुसरण करने वाले लाखों दर्शक भी अलग-थलग पड़ जाते हैं। कहा जा रहा है कि 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने का निर्णय ऑस्ट्रेलिया द्वारा बढ़ते खर्चों के कारण मेजबानी से हटने के बाद लागत कम करने के लिए लिया गया था। ग्लासगो ने मेजबान के रूप में कदम रखा और अधिक बजट-अनुकूल आयोजन बनाने के उद्देश्य से खेलों की एक छोटी लाइनअप बनाई। 2022 बर्मिंघम खेलों में खेल विषयों की संख्या 19 से घटाकर ग्लासगो खेलों के लिए केवल 10 कर दी गई। वित्तीय बाधाएं तो समझ में आती हैं, लेकिन राष्ट्रमंडल समुदाय के अभिन्न अंग प्रमुख खेलों को बाहर रखने से व्यापक आलोचना हुई है। दूसरा विकल्प : संभावित मेजबान के रूप में भारत : इन खेलों को बाहर रखने के बजाय, भारत को राष्ट्रमंडल खेल 2026 को उसके मूल स्वरूप में आयोजित करने की पेशकश करनी चाहिए। यह राष्ट्रमंडल देशों में खेलों की विविधता का सम्मान करते हुए अधिक समावेशी मंच प्रदान कर सकता है। खेलों की मेजबानी करने से ओलंपिक सहित भविष्य के वैश्विक आयोजनों की मेजबानी करने के भारत के दावे को भी बल मिलेगा।

8वें एफआईआई में भाग लेने रियाद जाएंगे केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, लुलु हाइपरमार्केट में दिवाली उत्सव का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली,28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 29-30 अक्टूबर तक आर्थिक संबंधों को बढ़ाने और 8वें फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) में भाग लेने के लिए सऊदी अरब के दौरे पर जाएंगे। मंत्री गोयल रियाद के लुलु हाइपरमार्केट में दिवाली उत्सव का उद्घाटन भी करेंगे। इसके साथ ही वे भारतीय दूतावास में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) दीवार का अनावरण भी करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 29-30 अक्टूबर तक सऊदी अरब की यात्रा पर रहेंगे। गोयल के इस यात्रा का उद्देश्य भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना तथा व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के नए रास्ते तलाशना है, जो भारत की बढ़ती वैश्विक आर्थिक उपस्थिति को रेखांकित करता है। मंत्रालय के मुताबिक गोयल इस दौरान रियाद में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई)

रियाद में 29-30 अक्टूबर को आयोजित होगा 8वां फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव

के 8वें संस्करण में भाग लेंगे, जो एक महत्वपूर्ण मंच है और वैश्विक नेताओं, निवेशकों और नवोन्मेषकों को एक साथ लाता है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस दौरान रियाद के लुलु हाइपरमार्केट में दिवाली उत्सव का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री भारतीय दूतावास में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) दीवार का अनावरण करेंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा मिलेगा। वाणिज्य मंत्री अपनी रियाद यात्रा के दौरान भारतीय मूल के चार्टर्ड अकाउंटेंट और विभिन्न क्षेत्रों से उभरते भारतीय प्रवासियों के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा के दौरान गोयल प्रमुख वैश्विक निवेशकों के साथ बातचीत करेंगे। इन मुलाकातों का उद्देश्य निवेशकों का विश्वास मजबूत करना, निवेश प्रवाह को सुविधाजनक बनाना और मेक इन इंडिया पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए भारत को एक पसंदीदा वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है। इसके अलावा वाणिज्य मंत्री ऊर्जा संक्रमण, डिजिटल परिवर्तन और व्यापार सुविधा में सहयोगात्मक प्रयासों पर चर्चा करने के लिए उद्योग और खनिज संसाधन मंत्री, निवेश मंत्री और ऊर्जा मंत्री सहित प्रमुख सऊदी मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

आशीष कचोलिया और कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स ने क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक के प्री-आईपीओ में किया निवेश

मुंबई/नई दिल्ली। ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम विकसित करने वाली अनुसंधान-उन्मुख नई पीढ़ी की कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड ने आशीष कचोलिया, कैप्री ग्लोबल और अन्य प्रमुख व्यक्तिगत निवेशकों से 48 करोड़ रुपये जुटाए हैं। क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि कंपनी ने अपने प्री-आईपीओ दौर में आशीष कचोलिया, कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स और अन्य उल्लेखनीय व्यक्तिगत निवेशकों से 48 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी के मुताबिक ये लेन-देन कंपनी के प्रमोटरों द्वारा निवेशकों को इक्विटी शेयरों की बिक्री अर्थात द्वितीयक बिक्री है। यह कोई नया निर्गम या प्राथमिक बिक्री नहीं है। कंपनी ने बताया कि 275 करोड़ रुपये का मूल आईपीओ आकार अभी भी बरकरार है। कंपनी ने 26 अक्टूबर, 2024 को की गई एक सार्वजनिक घोषणा में कहा कि अपने प्रमुख बैंकरों के परामर्श से, उसने व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों को 240 रुपये प्रति शेयर (230 रुपये के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 2,000,000 इक्विटी शेयर जारी किए हैं, जिसका कुल योग 48 करोड़ रुपये होता है। इस इन्वेस्टमेंट राउंड में प्रमुख रूप से हिस्सा लेने वालों में सूर्यवंशी कमोट्रेड प्राइवेट लिमिटेड (आशीष कचोलिया) शामिल हैं, जिसने 765,000 इक्विटी शेयर हासिल किए हैं, जबकि प्लांटिफाई कैपिटल लिमिटेड ने 125,000 शेयर प्राप्त किए हैं।

फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने अपने आगामी आईपीओ की वैल्यूएशन में कटौती की

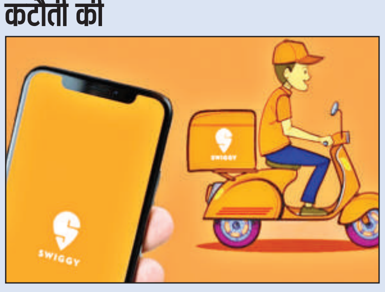

नई दिल्ली। देश की प्रमुख फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने अपने आगामी आईपीओ की वैल्यूएशन में कटौती की है, इसके बाद अब 11.3 अरब डॉलर आंकी गई है। यह मूल्यांकन स्विगी के शुरुआती लक्ष्य 15 अरब डॉलर से लगभग 25 प्रतिशत कम है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बाजार में अस्थिरता और हाल ही में ह्युंडे इंडिया के आईपीओ की कमजोर लिस्टिंग के चलते निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। ब्लैकरॉक और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (सीपीपीआईबी) 1.4 अरब डॉलर के इस आईपीओ में निवेश करेंगे, जो इस साल देश का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, स्विगी ने यह फैसला इसलिए लियास ताकि निवेशकों की रुचि को बनाए रखते हुए कमजोर प्रतिक्रिया से बचा जा सके। स्विगी का यह आईपीओ 5 नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की वैश्विक अनिश्चितता के बीच आ रहा है, जिससे बाज़ार में अस्थिरता और बढ़ने की संभावना है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने बड़े निवेशकों से परामर्श करके अपने आईपीओ की वैल्यूएशन घटाने का निर्णय लिया। भारतीय शेयर बाजार में चार सप्ताह से गिरावट जारी है, जिससे बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स अपने ऊपरी स्तर से 8 प्रतिशत तक गिर चुका है। हाल ही में हुंडई इंडिया के शेयरों की कमजोर लिस्टिंग और विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली ने भी बाजार की स्थिति को प्रभावित किया है। खुदरा निवेशकों की ओर से ठंडा रिस्पॉन्स मिलने के कारण ह्युंडे इंडिया के शेयर अपने डेब्यू पर 7.2 प्रतिशत गिर गए थे, जिससे बाजार में मूल्यांकन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

त्यौहारी सीजन में 30 फीसदी बढ़ेगी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री पिछले साल की तुलना में 30 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। उद्योग जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि त्योहारी सीजन में प्रीमियम यानी महंगे उत्पादों की मांग अधिक है। लोग ऊर्जा दक्षता, उच्च क्षमता और बड़े आकार वाले टीवी, फ्रीज खरीदने के लिए अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आईओटी प्रौद्योगिकी संचालित उत्पादों में भी रुचि दिखा रहे हैं। उद्योग निकाय उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उपकरण निर्माता संघ (सिएमा) ने कहा कि सभी श्रेणियों की बिक्री में अच्छी वृद्धि देखने को मिल रही है। गोदरेज अप्लायंसेज के एक अधिकारी ने कहा कि अच्छे मानसून की वजह से त्योहारी बिक्री में तेजी आई है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स मंचों पर त्योहारी बिक्री के दौरान हमने पिछले साल की तुलना में 70 फीसदी से अधिक की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वॉशिंग मशीन और फ्रिज के प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ी है। खास बात है कि इस बार छोटे शहरों के बाजारों से भी प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ी है, जो उत्साहजनक है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पूरे देश में...

विजयपुरा जिले के टिकोटा तालुक स्थित होनवाड़ा गांव के किसानों ने गुरुवार 24 अक्टूबर को इसकी शिकायत मंत्री एमबी पाटिल से की। किसानों ने मंत्री को बताया कि उन्हें नोटिस मिली है, जिसमें कहा गया है कि उनकी जमीनें वक्फ बोर्ड की हैं। किसानों का दावा है कि अधिकारी इस क्षेत्र को शाह अमीनुद्दीन दरगाह से जुड़ी मुस्लिमों की मजहबी संस्था के रूप में नामित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह नोटिस तहसीलदार द्वारा भेजी गई है। उसमें पुराने सरकारी रिकॉर्ड का हवाला देते हुए जमीनें वक्फ बोर्ड की बताई गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आवास, वक्फ और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री जमीर अहमद खान ने इस महीने की शुरुआत में वक्फ अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इस बैठक में वक्फ भूमि पर अतिक्रमण को लेकर चर्चा की गई थी। इन चर्चाओं के बाद अधिकारियों ने अवैध अतिक्रमण को हटाने का प्रयास किया और इसके तहत यह विवादास्पद नोटिस भेजा गया है।

होनवाड़ा ग्राम पंचायत के उपाध्यक्ष सुनील शंकरप्पा तुडीगल ने कहा, नोटिस में कहा गया है कि यह जमीन शाह अमीनुद्दीन दरगाह की है, लेकिन यह दरगाह सदियों से अस्तित्व में नहीं है, जबकि पीढ़ियों से हमारे परिवार इन जमीनों के मालिक हैं। लगभग 41 किसानों को नोटिस मिली है। उनसे स्वामित्व का कागजात देने के लिए कहा गया है। अगर सरकार नोटिस वापस नहीं लेती है तो हम विरोध प्रदर्शन करेंगे। वक्फ बोर्ड का दावा है कि यह नोटिस 1974 के गजट की घोषणा पर आधारित है। विजयपुरा वक्फ बोर्ड की अधिकारी तबस्सुम ने कहा, भूमि को राज्य सरकार द्वारा वक्फ सम्पत्ति के रूप में चिन्हित किया गया था और इसे गजट में दर्ज किया गया था। हालांकि, कुछ नोटिस गलती से किसानों को भेज दिए गए थे। अगर उनके पास वैध भूमि रिकॉर्ड हैं तो वक्फ बोर्ड उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगा।

नोटिस मिलने के बाद किसानों की नींद हराम हो गई है। वे तनाव में आ गए हैं और अब उनके सामने जीवन-यापन की समस्या खड़ी हो गई है। इसको देखते हुए उन्होंने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। होनवाड़ा के किसानों ने घोषणा की है कि वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने न्याय मिलने तक अपना संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया है। एक अन्य किसान ने कहा, हमें अभी तक कोई न्याय नहीं मिला है। जिला प्रशासन चुपचाप हमारी जमीन छीनने का काम कर रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो हमारे पास विरोध करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। हमारी जमीन हमारी आजीविका है और हम इसे किसी भी हालत में किसी को छीनने नहीं देंगे।

बढ़ते असंतोष को देखते कर्नाटक के जिला प्रभारी मंत्री एमबी पाटिल ने किसानों को आश्वासन दिया कि वक्फ से संबंधित कोई भी निजी भूमि या सम्पत्ति प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी भूमि को गलत तरीके से वक्फ सम्पत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है तो इसे ठीक करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पाटिल ने कहा, मैंने पहले ही जिला प्रशासन के साथ इस पर चर्चा की है। किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए एक बैठक आयोजित की जाएगी। पाटिल ने किसानों से शांत रहने का आग्रह किया और वादा किया कि उनके अधिकारों की रक्षा की जाएगी। इन आश्वासनों के बावजूद किसानों में इस मुद्दे को लेकर तनाव बना हुआ है।

कर्नाटक भाजपा ने राज्य सरकार पर वक्फ बोर्ड की कार्रवाई का समर्थन करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने अपने पोस्ट में कहा, कांग्रेस सरकार के प्रोत्साहन पर वक्फ बोर्ड अब किसानों की जमीन हड़पने की कोशिश कर रहा है। यह तुष्टिकरण की राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वक्फ अधिनियम में बदलाव करना चाहते हैं, जिसका कांग्रेस ने विरोध किया है। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा, किसानों की 1,500 एकड़ से अधिक पुश्तैनी कृषि भूमि पर वक्फ बोर्ड ने एकतरफा दावा किया है, जिससे इन किसानों की आजीविका और पीढ़ियों से चली आ रही सम्पत्ति के अधिकार खतरे में पड़ गए हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने वक्फ बोर्ड को देश भर में भूमि पर दावा करने की बेलगाम शक्ति दी है। 1995 और 2013 में कांग्रेस सरकारों ने वक्फ बोर्ड को त्वरित जांच के बाद किसी भी भूमि को वक्फ घोषित करने, अंतिम अधिकार के साथ अपने स्वयं के न्यायाधिकरण के माध्यम से फैसला करने और धारा 54 के तहत अतिक्रमण हटाने के लिए अनियंत्रित शक्तियां दी थीं।

तेजस्वी सूर्या ने कहा, मोदी 3.0 सरकार वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर जेपीसी के माध्यम से सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम न्याय और स्थायी समाधान के लिए ऐसे मामलों को समिति के ध्यान में ला रहे हैं। किसानों के हित की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी अपनी जमीन से वंचित न हो, मामलों को उच्च न्यायालय में लड़ेंगे। अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस बीच मंत्री एमबी पाटिल ने कहा, अगर किसानों के पास वैध स्वामित्व रिकॉर्ड हैं तो उनकी जमीन प्रभावित नहीं होगी। बढ़ते विवाद ने वक्फ सम्पत्ति प्रबंधन में अधिक खुलेपन और भूमि मालिकों के अधिकारों की रक्षा को रेखांकित किया है। सरकार को किसानों के अधिकारों की रक्षा करने और वक्फ भूमि के प्रबंधन के लिए एक स्पष्ट और पारदर्शी रणनीति प्रदान करने के लिए जल्दी से कार्रवाई करनी चाहिए।

यह पहली बार नहीं कि वक्फ बोर्ड ने इस तरह का दावा किया है। इससे पहले सितंबर 2022 में तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड ने हिंदुओं के पूरे गांव और 1100 साल पुराने मंदिर पर दावा ठोक दिया था। तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड ने त्रिची के नजदीक स्थित तिरुचेंथुरई गांव को वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया था। जब राजगोपाल नाम के व्यक्ति ने अपनी जमीन बेचने का प्रयास किया तो यह मामला समाने आया था। राजगोपाल जब अपनी जमीन बेचने के लिए रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचे तो उन्हें पता चला कि जिस जमीन को बेचने के बारे में वह सोच रहे हैं वह उनकी है ही नहीं बल्कि, जमीन वक्फ हो चुकी है और अब उसका मालिक वक्फ बोर्ड है। इतना ही नहीं, सारे गांव वालों की जमीन ही वक्फ सम्पत्ति घोषित हो चुकी थी। इसके बाद यह मामला राष्ट्रीय सुर्खी बनी थी।

इसी तरह का मामला अप्रैल 2024 में हैदराबाद से आया था। तेलंगाना वक्फ बोर्ड ने राजधानी के एक नामी 5 स्टार होटल मैरियट को ही अपनी जागीर घोषित कर दिया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने उसके इस मंसूबे को धाराशायी कर दिया था। दरअसल, साल 1964 में अब्दुल गफूर नाम के एक व्यक्ति ने तब वायसराय नाम से चर्चित इस होटल पर अपना हक जताते हुए मुकदमा कर दिया था। मुकदमे में वक्फ अधिनियम 1954 का हवाला दिया गया था, जिसकी वजह से होटल मैरियट की सम्पत्ति विवादित घोषित हो गई थी। लगभग 50 वर्षों तक वक्फ बोर्ड ने यह मामला कानूनी पेचीदगियों में उलझाए रखा। साल 2014 में एक बार फिर से तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड होटल मैरियट के खिलाफ सक्रिय हुआ। मामला हाईकोर्ट में पहुंचा तो अंतिम फैसला होटल मैरियट के पक्ष में आया।

यहां बताना जरूरी है कि साल 1954 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार के समय वक्फ अधिनियम पारित किया गया। इसके बाद इसका केंद्रीकरण हुआ। वक्फ एक्ट 1954 वक्फ की सम्पत्तियों के रखरखाव का काम करता था। इसके बाद से इसमें कई बार संशोधन हुआ। साल 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने बेसिक वक्फ़ एक्ट में संशोधन करके वक्फ बोर्डों को और अधिकार दिए थे। मुस्लिम बुद्धिजीवियों, महिलाओं और शिया एवं बोहरा जैसे विभिन्न फिरकों की ओर से मौजूदा कानून में बदलाव की मांग की गई थी। संशोधन लाने की तैयारी 2024 के लोकसभा चुनावों से काफी पहले ही शुरू हो गई थी। ओमान, सऊदी अरब जैसे किसी भी इस्लामी देश में इस तरह की इकाई को इतने अधिकार नहीं दिए गए हैं। विभिन्न राज्यों के वक्फ बोर्डों के पास इस समय करीब 8.7 लाख सम्पत्तियां हैं। इन सम्पत्तियों का क्षेत्रफल करीब 9.4 लाख एकड़ है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले केंद्र सरकार ने राज्य में वक्फ बोर्डों की इस शक्ति के दुरुपयोग का संज्ञान लिया था। वक्फ बोर्डों द्वारा किसी भी सम्पत्ति पर दावा करने पर अधिकांश राज्यों में इन सम्पत्ति के सर्वे में देरी होती थी।

इसके बाद केंद्र सरकार ने वक्फ सम्पत्तियों की निगरानी में जिला मजिस्ट्रेटों को शामिल करने की संभावना पर भी विचार किया था। वक्फ बोर्ड के किसी भी फैसले के खिलाफ अपील सिर्फ कोर्ट के पास हो सकती है। ऐसी अपीलों पर फैसले के लिए कोई समय-सीमा नहीं होती है। कोर्ट का निर्णय अंतिम होता है। वहीं हाईकोर्ट में पीआईएल के अलावा अपील का कोई प्रावधान नहीं है। कर्नाटक के विजयपुर जिले के टिकोटा तालुक स्थित होनवाड़ा गांव में 1200 एकड़ जमीन को वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति बताए जाने के बाद किसानों में भारी आक्रोश फैल गया है। इस विवादित भूमि को लेकर किसानों को नोटिस भेजे गए हैं, जिसमें कहा गया है कि यह जमीन शाह अमीनुद्दीन दरगाह के अधीन है और वक्फ सम्पत्ति के रूप में चिन्हित है। किसानों का कहना है कि यह उनकी पुश्तैनी जमीन है और उनके परिवार पीढ़ियों से इस पर खेती कर रहे हैं। इस मामले को लेकर किसानों ने जिला प्रभारी मंत्री एमबी पाटिल को ज्ञापन सौंपा है और चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने इन नोटिसों को वापस नहीं लिया, तो वे व्यापक विरोध प्रदर्शन करेंगे।

होनवाड़ा गांव के लगभग 41 किसानों को नोटिस भेजे गए हैं, जिनमें दावा किया गया है कि उनकी जमीन वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति है। किसानों के अनुसार, यह नोटिस सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर जारी किए गए हैं, जिसमें जमीन को शाह अमीनुद्दीन दरगाह के नाम पर दर्ज किया गया है। हालांकि, किसानों ने आरोप लगाया है कि उनके गांव में इस नाम की कोई दरगाह नहीं है और यह जमीन उनके परिवारों की पुश्तैनी सम्पत्ति है। किसानों का कहना है कि उन्होंने सदियों से इस भूमि का स्वामित्व संभाला है, और सरकारी रिकॉर्ड में दरगाह के नाम पर उनके खेतों का उल्लेख करना उनके लिए चौंकाने वाला है। विजयपुर जिले के किसान तुकाराम नालोदे ने बताया कि यह भूमि उनके परिवारों की है और उन्होंने वर्षों से इस पर खेती की है। उन्होंने कहा कि यह आरोप गलत है और वे किसी भी सूरत में इसे वक्फ बोर्ड को नहीं देंगे।

अधिकारियों ने भी यह स्वीकार किया है कि नोटिस गलती से भेजे गए थे और अगर किसानों के पास वैध भूमि रिकॉर्ड हैं, तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस विवाद पर भाजपा नेता और बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक सरकार और वक्फ मंत्री बी जमीर अहमद खान पर आरोप लगाए हैं। सूर्या ने कहा कि वक्फ मंत्री ने डिप्टी कमिश्नर और राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 15 दिनों के भीतर इस जमीन को वक्फ बोर्ड के पक्ष में पंजीकृत किया जाए। उन्होंने इसे किसानों के खिलाफ अन्याय बताया और कहा कि यह निर्णय बिना किसी पुख्ता सबूत के लिया गया है।

किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी जमीनों को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। किसानों ने इस मामले में प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है और कहा है कि वे किसी भी हालत में अपनी पुश्तैनी जमीन नहीं छोड़ेंगे। इस विवाद ने कर्नाटक के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी किसानों के बीच असुरक्षा का माहौल बना दिया है। किसान संगठनों ने भी इस मुद्दे पर सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की है और कहा है कि भूमि विवादों का समाधान पारदर्शी और न्यायपूर्ण ढंग से होना चाहिए।

चर्च के लिए भी वक्फ ...

उल्लेखनीय है कि सीपीसी की धारा 92 उन मुकदमों से संबंधित है, जिनमें अदालतों से प्रशासकों की नियुक्ति करने का अनुरोध किया जाता है।तमिलनाडु के कन्याकुमारी स्थित नागरकोइल में स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज में एक नियुक्ति और कर्मचारियों को सैलरी देने के तरीकों को लेकर एक याचिका मद्रास हाईकोर्ट में दाखिल की गई थी। एक समूह की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सतीश कुमार ने टिप्पणी की कि चर्चों के पास न केवल विशाल सम्पत्तियां हैं, बल्कि कई शिक्षण संस्थान भी ईसाइयों के अंतर्गत हैं। इस प्रक्रिया में जिन संस्थानों की रक्षा और सुरक्षा इन निर्वाचित व्यक्तियों से अपेक्षित है। उनका कहना था कि वे प्रशासनिक रूप से पीड़ित हैं, क्योंकि उनके धन को सत्ता संघर्ष को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।हाईकोर्ट ने चर्च प्रशासन को और अधिक जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अब ये वक्त आ गया है कि चर्चों के लिए भी एक स्थायी समाधान खोजा जाए। जस्टिस सतीश कुमार ने कहा, चूंकि इस क्षेत्र में कोई केंद्रीय कानून नहीं है, इसलिए इस संबंध में मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर केंद्र या राज्य सरकारों को कानून बनाने से कोई रोक नहीं हो सकती है।

अब टाटा भी...

अगर हमने 10 साल पहले ठोस कदम नहीं उठाए होते, तो आज इस स्तर तक पहुंचना असंभव होता। उस समय कोई सोच भी नहीं सकता था कि भारत में इतने बड़े पैमाने पर रक्षा विनिर्माण हो सकता है। लेकिन हमने नए रास्ते पर चलने का फैसला किया, अपने लिए एक नया लक्ष्य निर्धारित किया। और आज नतीजा हमारे सामने है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी, सार्वजनिक क्षेत्र को कुशल बनाने का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो बड़े रक्षा गलियारे बनाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने रतन टाटा को याद करते हुए कहा, इस मौके पर अगर मैं रतन टाटा का जिक्र नहीं करूंगा तो इसका मतलब होगा कि मैं सही तरीके से जिम्मेदारी नहीं निभा पाया। करीब एक दशक पहले रतन टाटा ने ही इस प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। साल 2012 में टाटा संस के तत्कालीन चेयरमैन रतन टाटा ने एयरबस के साथ साझेदारी को मजबूत करने के ढांचे का निर्माण किया था और इसकी आधारशिला रखी थी। इस मौके पर मैं उनके दूरदर्शी नेतृत्व को याद कर रहा हूं, जिन्होंने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरुआत की। यह न सिर्फ टाटा संस बल्कि भारत के लिए भी ऐतिहासिक पल है।

वडोदरा में...

वडोदरा में जिस फैक्ट्री का पीएम मोदी और स्पेन के पीएम ने उद्घाटन किया, वह भारत की पहली निजी क्षेत्र की विमान निर्माण फैक्ट्री है। इससे पहले मात्र हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ही देश में विमानों का निर्माण करती रही है। वडोदरा में एयरबस और टाटा की संयुक्त फैक्ट्री में एयरबस के ही सी-295 विमानों का निर्माण होगा। यह निर्माण वायुसेना के आर्डर के लिए किया जाएगा। भारतीय वायुसेना ने 2021 में 56 सी-295 विमानों का ऑर्डर दिया था। इनमें से 16 विमान स्पेन से तैयार होकर आएंगे जबकि बाकी 40 विमानों का निर्माण भारत में ही होगा। वडोदरा की फैक्ट्री में सारे सिस्टम और इंजन समेत बाकी पुर्जे लगाए जाएंगे जबकि इनकी बॉडी हैदराबाद में तैयार की जाएगी। हैदराबाद में स्थित टाटा की फैक्ट्री में ही बॉडी का निर्माण होगा। यह फैक्ट्री अन्य विमानों की बॉडी का भी निर्माण करती है।

भारत में निजी क्षेत्र में विमान बनाने का यह पहला मौका है। इसके चलते देश में विमान पुर्जों का सप्लायरों का जाला बिछ सकेगा और आगे भविष्य में भारत से विमानों का निर्यात भी संभव हो सकेगा। इसके अलावा यदि वायुसेना या नौसेना इसी तरह के और भी विमान ऑर्डर करती है, तो उन्हें यह जल्दी हासिल हो सकेंगे। इस फैक्ट्री के चलते बड़ी संख्या में नौकरियां भी पैदा होंगी। भारत में इसके चलते विमान निर्माण का इकोसिस्टम बन सकेगा। साथ ही में वायुसेना को अपने पायलट समेत बाकी टीमों को स्पेन नहीं भेजना पड़ेगा। उनकी ट्रेनिंग भी यहीं हो सकेगी।

वायुसेना ने इन एयरबस विमानों का ऑर्डर अपने पुराने एचएस-748 विमानों को हटाने के लिए दिया है। एचएस-748 लगभग 60 साल पुराने हो गए हैं और आधुनिक समय के हिसाब से काम नहीं कर पाते। जबकि सी-295 आधुनिक सिस्टम से लैस होंगे और इनमें सैन्य साजो सामान ढोना काफी आसान होगा। इसके अलावा इनकी क्षमता भी अधिक है और रखरखाव भी कम है। सैन्य जानकारों का कहना है यदि वायुसेना को यह विमान शुरू में पसंद आए तो एक और ऑर्डर एयरबस और टाटा को मिल सकता है। वायुसेना को एचएस-748 के अलावा अपने पुराने हो रहे एएन-32 विमान भी बदलने हैं। यदि वायुसेना इन्हें बदलने के लिए सी-295 चुनती है तो यह काफी बड़ा ऑर्डर होगा।

टाटा और एयरबस द्वारा मिलकर बनाया जा रहा यह विमान कई मायनों में ख़ास है। यह मूल रूप से एक कार्गो ट्रांसपोर्ट विमान है। इसका मुख्य उद्देश्य सैन्य साजोसामान या फिर सैनिकों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाना है। दो पायलटों द्वारा उड़ाया जाने वाला यह विमान, 73 सैनिकों को एक बार में लेकर जा सकता है। यह विमान एक बार में लगभग 9 टन सामान ले जा सकता है। यह विमान एयर एम्बुलेंस की तरह भी काम कर सकता है। इसके अलावा यह विमान हथियार तक ले जा सकता है। इसे उतरने के लिए भी कोई विशेष रनवे की आवश्यकता नहीं होती। ऐसे में यह दुर्गम क्षेत्रों में तैनात भारतीय सेना की मदद के लिए काम आएगा।

भारत-नेपाल...

देवीपाटन मंडल के डीआईजी अमरेंद्र प्रताप सिंह बताते हैं कि नेपाल सीमा को लेकर पुलिस संवेदनशील है। हम समय-समय पर सीमावर्ती गांवों में गश्त करते हैं। सत्यापन अभियान भी चलाते हैं। लेकिन मौके पर जाकर असलियत देखें तो डीआईजी के दावे की सच्चाई दिखेगी। सीमा पर तैनात एसएसबी के एक अधिकारी ने यह स्वीकार किया कि यह सीमा पूरी तरह खुली हुई है। इस कारण चुनौतियां कठिन हैं। यहां बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) तो बना दी गई है, लेकिन जवानों की संख्या कम है। चुनाव के समय जवानों को सीमा से हटाकर उन्हें चुनाव ड्यूटी में भेज दिया जाता है। अभी महाराष्ट्र में भी जवान गए हैं। यूपी में होने वाले उपचुनाव में भी जवानों को भेजा जाएगा। ऐसे में हमारी भी समस्या है। इसे जिम्मेदारों को समझना होगा। संबंधित जिला प्रशासन अपनी कोई भी जिम्मेदारी नहीं निभाता।

बलरामपुर में नो मेंस लैंड के निर्धारित क्षेत्र में इस्लामिक कट्टरपंथियों ने खेतों पर कब्जा कर रखा है और वहां पर धान की फसलें लहलहाती मिल जाएंगी। यहां से करीब तीन किलोमीटर आगे रोशनपुरवा गांव में नो मेंस लैंड को पाटकर सड़क बना दी गई है। दोनों तरफ के लोगों के घरों के दरवाजे भी नो मेंस लैंड की तरफ खुलते हैं। सीमा से सटे मदरसे हैं, जिनमें नेपाली बच्चे भी पढ़ते हैं। यहां मस्जिदों का निर्माण भी किया गया है, जिसे सुरक्षा एजेंसियां बॉर्डर क्षेत्र में अतिक्रमण बताती हैं। इसकी रिपोर्ट भी शासन को भेजी जा चुकी है। लेकिन शासन को चुनाव लड़ने से फुर्सत नहीं है।सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, बीते दस वर्षों में इन तीन जिलों की आबादी में तेजी से बदलाव हुआ है। मुस्लिम समुदाय की संख्या तेजी से बढ़ी है। अक्टूबर के पहले सप्ताह में गृह मंत्रालय को भेजी गई रिपोर्ट में यहां के प्रति चिंता जताई गई है। फरवरी 2018 में सीमावर्ती जिलों में मस्जिदों और मदरसों की कुल संख्या 1,349 थी, जो सितंबर 2024 में बढ़कर 1,540 के करीब हो गई है। रिपोर्ट में असंतुलित जनसांख्यिकी परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए मौजूदा सुरक्षा एवं खुफिया व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत बताई गई है। यही कारण है कि अवैध मदरसों की जांच में एटीएस को शामिल किया गया है।

एसएसबी को भी सीमा से 15 किमी भीतर के धर्मस्थलों की रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।श्रावस्ती जिले के 38, बहराइच के 23 और बलरामपुर के 36 गांव ऐसे हैं जो या तो नेपाल की सीमा से सटे हैं या फिर आधा गांव नेपाल और आधा भारत में है। यहां की बड़ी आबादी का नेपाल में रोजाना आवागमन होता है। इनकी रिश्तेदारी भी नेपाल में है। सामान्य दिनों में भी इन गांवों पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर रहती है।

पुलिस भी अभियान चलाती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार सीमावर्ती गांवों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन भी तेजी से हुआ है। मुस्लिमों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यह सिर्फ आबादी बढ़ने का मामला नहीं, यह घुसपैठ का नया मॉडल है। नेपाल बॉर्डर का हाल जानने के लिए श्रावस्ती जिले का ककरदरी गांव ही पर्याप्त है। यहां मदरसा दारुल उलूम गुलशने रजा को नो मेंस लैंड में बनाया गया है। इसका मुख्य गेट पिलर नंबर 12/640 के सामने ही खुलता है।

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बीडीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने सोमवार को अपने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया, जो 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक इसकी सभी इकाइयों में मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति है, जिसमें राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए अखंडता की भूमिका पर जोर दिया गया है।

बीडीएल में सप्ताह भर चलने वाले समारोह की शुरुआत कॉर्पोरेट कार्यालय से बीडीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त) द्वारा प्रशासित अखंडता प्रतिज्ञा के साथ हुई। बीडीएल की कंचनबाग, भानुर और विशाखापत्तनम इकाइयों और विभिन्न कार्यालयों में कर्मचारियों द्वारा नैतिक प्रथाओं और संचालन में पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए यह प्रतिज्ञा ली गई।

पी.वी. राजा राम, निदेशक (उत्पादन), और डी.वी. श्रीनिवास राव, निदेशक (तकनीकी), अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। भ्रष्टाचार मुक्त समाज प्राप्त करने में सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और केंद्रीय सतर्कता आयोग के संदेश पढ़े गए। अपने संबोधन में, कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त), सीएमडी, बीडीएल ने कर्मचारियों को दी गई सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा और कर्मचारियों द्वारा गहन समझ के लाभ के लिए प्राप्त संदेशों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सभी कर्मचारियों से सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे सप्ताह भर के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का भी आग्रह किया।

पूरे सप्ताह, बीडीएल ने हितधारकों के बीच सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए संवेदीकरण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की योजना बनाई है। जिसके तहत कर्मचारियों, उनके जीवनसाथी और स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए निबंध लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन और पोस्टर बनाने जैसी प्रतियोगिताएं। बीडीएल विक्रेताओं को सतर्कता और नैतिक प्रथाओं के महत्व पर शिक्षित करने के लिए विक्रेता बैठक। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सतर्कता जागरूकता फैलाने के लिए वॉकथॉन। समुदाय को सतर्कता जागरूकता में शामिल करने के लिए ग्राम सभा। डीएवी स्कूल, भानुर के छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र, इस वर्ष की थीम कम उम्र में ईमानदारी के मूल्यों को स्थापित करने पर केंद्रित है। कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं और निवारक उपायों पर बीडीएल कर्मचारियों के लिए सतर्कता विभाग द्वारा कार्यशालाएँ शामिल हैं।

बीडीएल के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य संगठन और उसके विस्तारित समुदायों के भीतर अखंडता की संस्कृति को बढ़ावा देना, एक पारदर्शी और समृद्ध समाज में योगदान देना है।

रूट्स कॉलेजियम जुबली हिल्स और सोमाजीगुडा हैदराबाद ने बास अनाथालय गृह उस्मानगंज के बच्चों के साथ दीपावली का जश्न, खुशी और गर्मजोशी से मनाया। कालेज के छात्रों एवं छात्राओं ने अनाथालय के बच्चों के लिए मिठाइयां, उपहार और कंबल तैयार किए और वितरित किए, जिससे उनके चेहरे पर मुस्कान आ गई। इस अवसर पर कालेज के प्राध्यापकगण और अन्य सभी उपस्थित थे।

राजमाता साहित्यिक समूह की दिवाली गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजमाता साहित्यिक समूह हैदराबाद की पूर्व दिवाली गोष्ठी राजमाता साहित्यिक समूह के संरक्षक एवं संस्थापक प्रकाश बुलाकी के निवास स्थान खुराना विशाल मैनर्स बंजारा हिल्स में आयोजित की गई। अध्यक्ष सुनीता लुल्ला ने सभी आए हुए कवियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। पारम्परिक भारतीय पोशाकों से सुसज्जित सजे सभी कविगणों ने पूर्व दिवाली उत्सव में जोश भर दिया। पारम्परिक भारतीय पोशाक के विजेता कपल गीता अग्रवाल एवं केपी अग्रवाल रहे। महिलाओं की पारम्परिक भारतीय पोशाक में वर्षा शर्मा अव्वल रही।

हिंदी भाषा पर बालक हरि ओम द्वारा सुनाई गई कविता सभी के द्वारा बहुत पसंद की गई। बालक हरिओम को भी पुरस्कृत किया गया। सभी कवियों ने अपनी रचनाओं से पूर्व दिवाली शाम को एक यादगार शाम बना दिया। पुरस्कार प्रायोजक एवं मेजबानी प्रकाश बुलाकी की रही। कार्यक्रम में प्रकाश बुलाकी, सुनीता लुल्ला, सत्य प्रसन्न, डॉ. ऋता शुक्ला, के पी अग्रवाल, गीता अग्रवाल, पूजा महेश, वर्षा शर्मा, उमेश यादव, बालक हरिओम आदि उपस्थित रहे। लजीज भारतीय व्यंजनों के साथ कार्यक्रम के समाप्ति हुई !

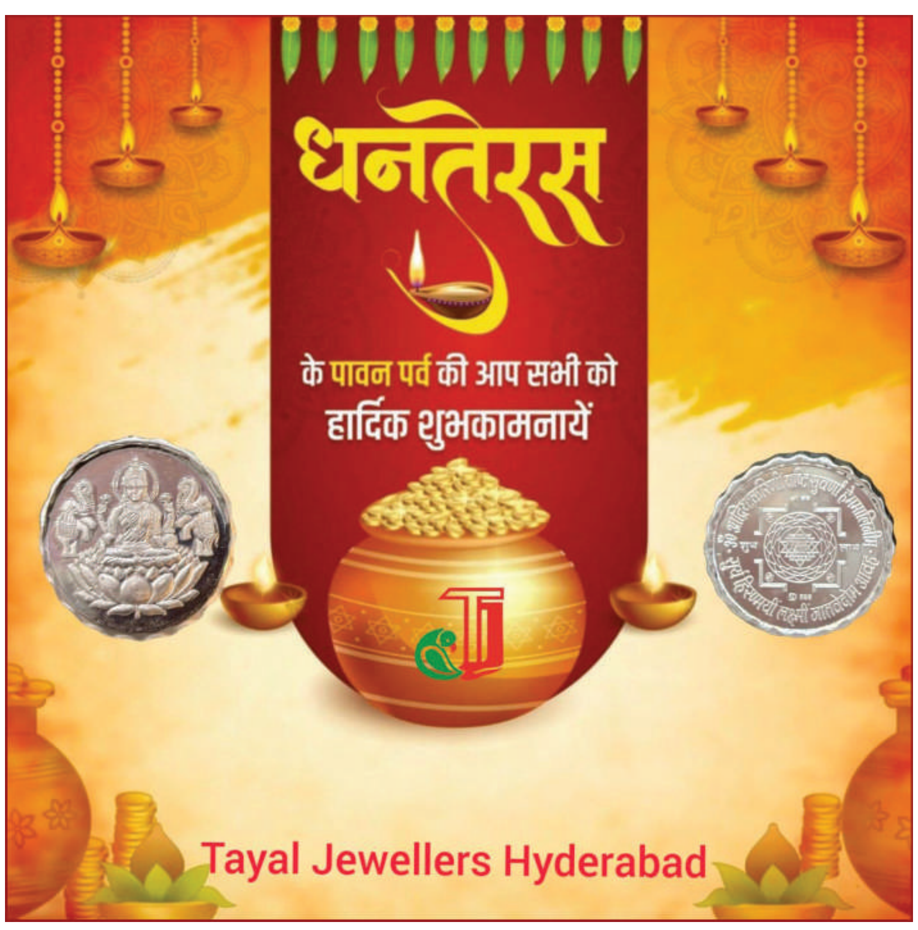

बालानगर में उत्तर प्रदेश के युवक की हत्या

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालानगर में रविवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने एक 21 वर्षीय युवक की हत्या कर दी। पीड़ित की पहचान उत्तर प्रदेश के मूल निवासी राज कुमार के रूप में हुई, जो बालानगर में एक कंपनी में काम करता था और किराए के कमरे पर रहता था। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों को बालानगर की पंचशीला कॉलोनी में एक सुनसान जगह पर राज कुमार का शव मिला, जिन्होंने तुरंत बालानगर पुलिस स्टेशन को सूचित किया। बालानगर इंस्पेक्टर नरसिम्हा राजू ने बताया कि कुछ लोगों ने राज कुमार पर घातक हथियारों से हमला किया था, जिससे उनकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

अखनूर में सेना पर हमला करने वाले तीनों आतंकी ढेर

जम्मू, 28 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू के अखनूर इलाके में चल रही मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। आज सुबह नियंत्रण रेखा के पास जोगवान इलाके में आतंकवादियों द्वारा सेना के वाहन को निशाना बनाए जाने के बाद मुठभेड़ हुई। इस घटना में सुरक्षाबल की तरफ से किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मारे गए तीनों आतंकी रात को ही एलओसी पार कर इस ओर आए थे।

सेना ने बताया कि आतंकवादियों ने सुबह करीब 7 बजे जोगवान इलाके में सेना के वाहन पर गोलीबारी की, जिसके बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों को लोकेट कर लिया गया। जिसके बाद भीषण मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया, जबकि सेना का अभियान जारी है। किसी भी सैनिक या नागरिक के जख्मी होने या मरने की कोई खबर नहीं है।

जोगवान इलाके में शिवासन मंदिर के पास सेना की एंबुलेंस समेत सेना के कुछ वाहनों को निशाना बनाने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया और बट्टल इलाके में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हो गया था। दोनों पक्षों में बड़े पैमाने पर

कल रात ही एलओसी पार कर भारत में घुसे थे तीनों

गोलीबारी हुई। खौड़ के बट्टल इलाके में तलाशी अभियान तब शुरू किया गया जब तीन आतंकवादियों ने आज सुबह जोगवान में असन मंदिर के पास मुख्य सड़क से गुजर रही सेना की एंबुलेंस पर गोलीबारी की। हालांकि, किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए इलाके में अतिरिक्त बल भेजा गया। माना जा रहा है कि आतंकवादी बीच की रात सीमा पार से जम्मू में घुसने में कामयाब रहे थे। अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादी एक मंदिर में घुस गए थे और कॉल करने के लिए मोबाइल फोन की तलाश कर रहे थे। उन्होंने एम्बुलेंस को गुजरते हुए देखा और उस पर गोलियां चला दीं, अधिकारियों ने कहा, एम्बुलेंस को एक दर्जन से अधिक गोलियां लगीं। यह इलाका नियंत्रण रेखा के करीब है। आतंकवादियों को पकड़ने या उन्हें बेअसर करने के लिए इलाके में और अधिक सुरक्षा बल भेजे गए थे।

एलओसी पर पल्लांवाला सेक्टर के सीमावर्ती गांव बटल में स्थित शिव आसन मंदिर में सुबह सवा सात बजे के करीब तीन आंतकवादियों को देखा गया। जो सेना की वर्दी में थे। तीनों हथियारों से लैस थे। आंतकवादियों ने मंदिर में ट्यूशन पढ़ने आए तीन छात्रों को बंदी बना लिया। लेकिन कुछ देर बाद उन्हे छोड़ दिया। तीनों आंतकवादियों को ट्यूशन सेंटर चला रहे मास्टर मनोज कुमार ने भी देखा। उसने बताया कि वह मंदिर के गेट पर था। मैने आंतकवादियों को देख लिया मैं वापस हो गया। इससे पहले, गंदरबल और बारामुल्ला में हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों के बाद जम्मू, कठुआ, सांबा, पुंछ और राजौरी सहित जम्मू के सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) जम्मू आनंद जैन की अध्यक्षता में जिला एसएसपी के साथ बैठक के बाद अलर्ट जारी किया गया।अखनूर में होने वाला आज का हमला एक हफ्ते में 5वां हमला है। एक सप्ताह में 3 हमले गैर-स्थानीय लोगों पर हुए हैं। जम्मू कश्मीर में 16 अक्टूबर से अब तक यह 5वां हमला है। इन हमलों में 3 जवान शहीद हुए हैं। वहीं, 8 गैर स्थानीय लोगों की मौत हुई है।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी 8 से

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी आगामी 8, 9 एवं 10 नवंबर को हाईटेक सिटी, माधापुर स्थित एचआईसीसी नोवोटेल में आयोजित की जाएगी। इसमें देश भर के फैशन डिज़ाइनर नवीनतम कलेक्शन के साथ हिस्सा लेंगे।

बंजारा हिल्स स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में अभिनेत्री कुशीता कलपु, अभिनेत्री कात्यानी एवं शहर की प्रमुख मॉडलों ने हाईलाइफ प्रदर्शनी की प्रचार सामग्री का लोकार्पण करते हुए प्रदर्शनी तिथियों की घोषणा की।

आयोजकों के अनुसार, यह फैशन, ग्लैमर और लाइफ स्टाइल की अपनी तरह की सबसे बड़ी और रोमांचक लक्जरी फैशन प्रदर्शनी है। प्रदर्शनी में रचनात्मक फैशन परिधान, नवीनतम जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुएँ, दुल्हनों के परिधान, एक्सासरीज़ और आभूषण विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे।

देश के प्रमुख फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर और कलात्मक संग्रह प्रदर्शनी का हिस्सा होंगे। फैशन की दुनिया में नये रुझान को देखने और अपनी पसंद की वस्तुओं को विभिन्न विकल्पों के साथ प्राप्त करने के लिए प्रदर्शनी महत्वपूर्ण गंतव्य स्थल होगी।

9वां आयुर्वेद दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा 9वें आयुर्वेद दिवस 2024 समारोह के तहत रासरकार नेहरू मेमोरियल हाई स्कूल, मलकपेट में डॉ. जी पी प्रसाद, ए.डी. प्रभारी, एन.आई.आई.आई.एम.एच., हैदराबाद के मार्गदर्शन में28.10.2024 को दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 53 विद्यार्थी उपस्थित थे। आयुर्वेद अनुसंधान अधिकारी डॉ. क्रिस एंटनी ने आयुर्वेद और इसके स्वास्थ्य लाभों पर जागरूकता वार्ता दी। ड्राइंग प्रतियोगिता का विषय मस्थ्य के लिए आयुर्वेदफ था। तीन पुरस्कार घोषित किये गये।

इसके बाद, अनुसंधान अधिकारी होम्योपैथी डॉ बिस्वरंजन दास ने एन.आई.आई.आई.एम.एच., हैदराबाद द्वारा आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 गतिविधियों के हिस्से के रूप में छात्रों को तर्कता अखंडता प्रतिज्ञाफनेतृत्व किया। एन.आई.आई.एम.एच. की टीम में डॉ. वैरामुथु एस.आर.एफ. आयुर्वेद, डॉ. ऐश्वर्या एस.आर.एफ. आयुर्वेद, श्री श्रीनिवास राव एल.आई.ए. और अन्य भी शामिल थे। स्कूल अधिकारियों ने छात्रों में आयुर्वेद के बारे में जागरूकता लाने के लिए संस्थान को धन्यवाद दिया।

एसएसके समाज का दशहरा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एसएसके समाज रहीमपुर द्वारा तेलंगाना राज्य कार्यक्रम दशहरा सम्मेलन और मैरिट पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। समारोह में एसएससी से पीजी, डिप्लोमा, डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक कुल सहित 222 पुरस्कारों का वितरण मेधावी बालिकाओं एवं बालकों में एसएसके समाज द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नागरी लक्ष्मी और को-नेरी चंद्रसा, सलाहकार पुजारी राजेश्वर सवाजी, समस्त एसएसके समाज हैदराबाद का स्वगात कल्चर प्रोग्राम दशहरा कमेटी अध्यक्ष अशोक चव्हाण, वॉयस चेयरमैन जित्री विट्ठल, सभी दशहरा प्रबंध समिति सदस्य, सेमटी सदस्य नगरी सुरेंद्र, चव्हाण यशवंत, पेंडू नरसिंग राव, रतन महेश, गणेश पवार, कोठा रवि, मीडिया समिति अध्यक्ष एच. कुमार, श्रीगिरि कोपल कृष्णा,तिरमाली सहित सभी सदस्य मौजूद रहे।

सनतनगर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शशांक आर्य को श्रद्धांजलि देने के बाद उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता शशिधर रेड्डी, सपना गुप्ता, दयानंद, क्रांति एवं अन्य।

भक्तों द्वारा जोर शोर से नैमिषधाम एवं श्री जगन्नाथमठ माधवदास झीरा में दर्शन का लाभ एवं सेवा जारी है।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, PRITEE MISHRA spouse of Service No.JC 701050K Sub JITENDRA KUMAR MISHRA, R/o.Vill:Damodarpur, Po:Mehsi, Dist:EastChamparan, Bihar - 845426 have changed my name from **PRITEE MISHRA** to **PRITI KUMARI** vide affidavit dt:28-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, KUMARI JHANSI NAIDU Spouse of Service No. 2607422X Hav VENUGOPALA NAIDU GOTTAPU, R/o.H.No.7-85/2, Durga Nagar Colony, Vill:Duvvada, Po:VSEZ, Mandal:Gajuwaka, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530046 have changed my name from **KUMARI JHANSI NAIDU** to **JHANSI NAIDU GOTTAPU** vide affidavit dt:28-10-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, NAVNEET, Father Army Service No. JC- 877290K, Rank -Nb/SUB Name - PREM SHANKAR CHATURVEDI , resident of At Suhwal, VTC- Sultanipur, PO-Karaha, Sub District -Muhammadabad Gohna, District -Mau, State-Uttar Pradesh Pin code- 276402, have Changed My Name From **NAVNEET** to **NAVNEET CHATURVEDI** S/o. PREM SHANKAR CHATURVEDI. For all future purpose vide affidavit Date.28-10-2024. before C SAMUEL, Advocate & Notary Secunderabad

PUBLIC NOTICE

General public, authorities & all concerned are hereby informed that, our clients entered into an agreement of sale, to purchase from the lawful owners & possessors Sri Muvva Sateesh Reddy S/o. Sri Muvva Iswara Reddy & Sri Muvva Iswara reddy S/o Sri Muvva Venkatrami Reddy, both R/o. Kukatpally, Hyderabad & paid substantial amount as advance consideration. If anyone has any nature of right, claim or interest therein, may approach, the undersigned with relevant documents in support of such claim, within Seven [7] days of this notice or else our clients will presume that, there are no claims or objections of anyone & proceed to complete the sale by making payment of balance consideration & no claims will be entertained thereafter.

Schedule of house property : ALL THAT, house bearing Municipal No. 8-2-310/A/11/[part], on land area admeasuring 475 Sq. Yds OR 397.1 Sq. Mts, covered under SALE DEED Nos. 4246 & 4248 of 2014, having RCC covered stilt Parking area of 2,270 Sq. fts Or 221.80 Sq mts +3 Upper floors of 6,180 Sq fts Or 633 Sq. Mts RCC built up area situated at Road no. 14. Banjara hills-Jubilee hills, HYDERABAD is bounded as under:- North- H. No. 8-2-310/A/10, of Smt. Lakshmi Devi Raj & 15' Road, South- H. No. 8-2-310/A/12, of Sri Janardhan Reddy, East- 30' Wide Road, West- H. No. 8-2-210/A/11 [part] open land of Sri M. Iswara reddy.

Schedule of open land property : ALL THAT, Triangular Open Plot enclosed by compound wall, bearing Municipal No. 8-2-310/a/11 [part], on land area admeasuring 48 5q. Yds OR 40.13 Sq. Mts, covered under SALE DEED Nos. 4247 & 4249 of 2014 and situated at Road No. 14. Banjara hills - Jubilee hills, HYDERABAD is bounded as under:- North- H.No. 8-2-310/A/10. of smt. Lakshmi Devi Raj & 15' Road, South- H.No. 8-2-310/A/12. Of Sri Janardhan Reddy, East- H.No. 8-2-310/A/11 [part] of Sri M. Sateesh reddy. West- Neighbours land.

Sd/-

Dated: 28-10-2024

R. Brij Raj Singh, Advocate, Sri krishna nilayam, 35a, 1-33-29, RTC Colony, Trimulgherry, Secunderabad-15 Mob: 9394739551

श्री वैष्णव कैटरर्स मिठाइयों का दीपावली सेल जारी

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगम बाजार स्थित महेश्वरी भवन में श्री वैष्णव स्वीटस् एंड कैटरर्स द्वारा धनतेरस व दिपावली के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति उच्च क्वालिटी की स्वादिष्ट मिठाईयां, नमकीन उचित दाम पर सम्मानित ग्राहकों के लिए उपलब्ध करायी जा रही है। प्रबंधक सुरेश महाराज ने बताया कि धनतेरस, दिपावली के अवसर पर उच्च क्वालिटी की विशेष मिठाईयां कलकता बादाम कतली, स्पेशल काजू कतली, अंजीर रोल, काजु केसर कतली, दानेदार बादाम चक्की, गुलाब जामुन, बेसन चक्की, मोतीचूर लड्डू, बालुशाही, स्पेशल नवरतन नमकीन, अंजीर ड्राई फ्रूट चक्की व गोंद के लड्डू विशेषरुप से उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राहकों से निवेदन है इस पावन अवसर पर आपका भरोसा हमारी पहचान, क्वालिटी के साथ कोई समझौता नही, एक बार पधारकर सेवा का मौका देवे।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुडा बेगमपेट शाखा की मासिक बैठक का आयोजन पर्यटक भवन, बेगमपेट किया गया जिसमें सर्वप्रथम महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा के पश्चात पिछली सभा एवं आने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

संत स्वामी गोबिंदगिरि देवजी से बधर माता धाम ताना गांव में देवी भागवत कथा हेतु विनती करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष शाम सुंदर सोमानी, सह सचिव गोविन्द सोमणी तथा रामप्रसाद सोमणी।

उत्तराखंड में बिछा मस्जिदों, मजारों और मदरसों का जाल

देवभूमि का अस्तित्व मिटाने का षडयंत्र

भू-दस्तावेजों की उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज

बढ़ती ही चली जा रही है वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति

देहरादून, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के अस्तित्व में आने के बाद यहा मस्जिदों, मजारों और मदरसों का जाल बिछ गया है। इसे देवभूमि का अस्तित्व मिटाने का षडयंत्र माना जा रहा है। उत्तरकाशी में मस्जिद वैध है या अवैध इस बहस के बीच हुई हिंदू जनाक्रोश रैली के बाद यह मांग तेज हो गई है कि उत्तराखंड बनने के बाद यहां कितनी नई मस्जिदें, मदरसे और मजारे बनीं? हिंदू संगठनों ने सरकार से ये मांग की है कि देवभूमि में इस्लामिक स्थलों की भू सम्पत्तियों की गहनता से छानबीन की जाए। हिंदू जागरण मंच ने कहा है कि देवभूमि का सनातन देव स्वरूप बना रहे ये, जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। सरकारी भूमि पर कब्जे कर वहां पहले मस्जिद, मदरसे और मजारें बनाई जा रही हैं, फिर उन्हें वक्फ बोर्ड में पंजीकरण करके विवाद खड़े कर दिए जाते हैं।

हरिद्वार में उपचुनाव के समय मस्जिद बना दी गई। सुदूर पहाड़ों में बेरीनाग, धारचूला आदि कस्बों में भी मस्जिदें बना दी गईं। जंगलों में मस्जिद और मदरसे बनाए जा रहे हैं, यह अत्यंत चिंता का विषय है। देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, उधम सिंह नगर और अन्य जिलों में इतनी बड़ी संख्या में आलीशान मस्जिदें कैसे खड़ी हो गईं? इनकी फंडिंग कौन कर रहा है? इन सबकी जांच होनी चाहिए। हिंदू संगठनों ने आरटीआई से मिली जानकारी और अन्य दस्तावेजों के साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी को एक

पत्र प्रेषित किया है। इसमें उन्होंने दावा किया है कि उक्त मस्जिद अवैध रूप से बनाई गई हैं। हिंदू संगठनों ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के 100 मीटर की दूरी पर, बगैर कोई नक्शा पास करवाए, निजी भूमि पर अवैध रूप से आवासीय भवन निर्मित किया गया है।

हिंदू संगठनों ने कहा कि उक्त आवासीय भवन, मुस्लिम वर्ग के लोगों की निजी भूमि पर निर्मित है, उक्त भवन में, बड़ी अधिक संख्या में बाहरी अजनबी लोगों की भीड़ जुटाई जाने लगी है, जिसके कारण उत्तरकाशी देवभूमि का माहौल अशांत और चिंताजनक बना हुआ है व उत्तरकाशी मूल का जनमानस आक्रोषित है।संगठनों द्वारा सूचना के अधिकार के तहत, जिला प्रशासन से लिखित जानकारी प्राप्त है कि उक्त स्थल पर मस्जिद के नाम पर, कोई भी भूमि मौजूद नहीं है,जबकि,उक्त भूमि का दाखिला खारिज भी नियम विरुद्ध हुआ है। वर्ष 2004-5 में दाखिल खारिज प्रक्रिया जब गतिमान थी तब से 15 वर्ष पूर्व, विक्रेता सरदार सिंह का निधन हो चुका था और मृतक के नाम उक्त भूमि वर्ष 1991 के बाद कागजात माल में दर्ज नहीं थी। फिर भी मृतक व्यक्ति के विरुद्ध, चुपके से षड़यंत्र के तहत एक वाद (मुकदमा) चलाया गया था। जबकि मृतक व्यक्ति के दोनों पुत्र उस वक्त जीवित थे और भूस्वामी दर्ज थे, लेकिन उक्त दाखिल खारिज प्रक्रिया के वक्त, दोनों भूमि मालिकों को व उनके परिवार के सदस्यों को और उनके गांव के जन प्रतिनिधियों को सूचित तक नहीं किया गया था। संबंधित वाद संख्या 406/2004 - 2005 धारा 34 भू अधिनियम, फाइल के अवलोकन से पूरी साजिश को समझा जा सकता है।

संगठनों ने कहा कि वादीगण एवं तत्कालीन अधिकारियों ने सोची समझी रणनीति के तहत, 15 वर्ष पूर्व मर चुके शख्स को संबंधित फाइल के भीतर मात्र कागजों में प्रतिवादी बनाया है और 6 महीने तक न्यायालय में पुकार लगने पर मृतक व्यक्ति जब आपत्ति करने नहीं उपस्थित हुआ। एक पक्षीय फैसला किया गया था, क्योंकि भूमि के मालिक व परिवार के सदस्यगण, उक्त दाखिल खारिज के पक्ष में कभी नहीं थे, यही वजह थी, कि उक्त प्रक्रिया को संबंधित परिवार जनों से छुपा कर, पूरी साजिश को अंजाम दिया गया था। हिंदू संगठनो द्वारा भू स्वामियों के दादाजी व पिता ने अपने जीते जी 36 वर्षो तक दाखिला खारिज प्रक्रिया के लिए हमेशा इंकार किया था व इसको कभी होने नहीं दिया था,क्योंकि गांव के पुराने लोग बताया करते थे, कि वर्ष 1969 में उनके साथ कपट हुआ था और धोखे से सम्पूर्ण पांच नाली भूमि का बैनामा लिखवाया गया था। इसी कारण उनकी मौत के 36 साल बाद वर्ष 2004 - 2005 में, तत्कालीन भू स्वामियों और परिवार जनों को सूचित किये बगैर, चोरी छुपे, उक्त दाखिल खारिज किया गया था। दाखिला खारिज प्रक्रिया वाद फैसले में साफ अंकित है, कि संबंधित भूमि पर, भवन निर्मित था, जिसे जान बूझकर मस्जिद लिखा गया है, जबकि उक्त निर्मित भवन को नजर अंदाज करके मात्र भूमि का ही दाखिला ख़ारिज किया जाना भी साजिश का हिस्सा था।

हिंदू संगठनों ने सीएम धामी को लिखे अपने पत्र में कहा है कि सम्बंधित वाद फाइल का अवलोकन करवाया जाय एवं सम्पूर्ण मामले की जांच की जाए। संगठनों ने ये भी कहा है कि अवैध रूप से बने उक्त निजी भवन पर, अवैध रूप से चल रही गतिविधि पर व वहां भीड़ जुटने पर पूर्ण रोक लगवाई जाए एवं बाहरी राज्यों से आए घुसपैठियों/अवैध कब्जा धारियों और फेरी के नाम पर, बाहरी अजनबी लोगों का, हमारे दूरस्त ग्रामीण इलाकों में घुसने पर रोक लगवाई जाए। उधर उत्तरकाशी जिले के डीएम मेहरबान सिंह कहते हैं कि मस्जिद के भू दस्तावेजों का परीक्षण करवाया गया है जोकि सही है मस्जिद निजी भूमि पर है, जब उनसे आरटीआई से मिली जानकारी के बारे में तथ्य दिए जाते हैं तो वे खामोश हो जाते हैं।

देवभूमि उत्तराखंड के सनातन क्षेत्र में वक्फ बोर्ड की 5 हजार से अधिक सम्पत्तियों का ब्यौरा सामने आया है। जानकारी के अनुसार उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने 5183 सम्पत्तियों पर अपना दावा किया है, इसके अलावा 205 सम्पत्तियों के मामले कोर्ट में विचाराधीन होने की भी बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार, जब 2003 में उत्तराखंड वक्फ बोर्ड का गठन हुआ था तब 2078 सम्पत्तियों की जानकारी आई थी, इनमें से भी 450 फाइलें यूपी से उत्तराखंड नहीं पहुंची थी। ताजा जानकारी में दिलचस्प बात ये है कि वक्फ बोर्ड की सूची में मस्जिद से अधिक कब्रिस्तान की संख्या है।

पहाड़ी जिलों में चमोली में 1, रुद्रप्रयाग में 1 टिहरी में 4, पौड़ी में 10, उत्तरकाशी में 1 बागेश्वर में 3, चंपावत में 6,अल्मोड़ा में 6 पिथौरागढ़ में 3 मस्जिदें और इनसे ज्यादा कब्रस्तान होने की जानकारी सामने आई है। नैनीताल जिले में 48 मस्जिदें, उधम सिंह नगर में 144, हरिद्वार जिले में 322, देहरादून जिले में 155 मस्जिदें हैं जो कि वक्फ बोर्ड में पंजीकृत बताई जा रही है। सुदूर पहाड़ी जिलों में भी वक्फ बोर्ड की औकाफ (दान में दी गई) सम्पत्तियों की जानकारी सामने आ रही है।

2025 में जनगणना प्रारंभ होने की संभावना

जनगणना में जातीय गणना शामिल नहीं होगी

अनुसूचित जाति और जनजाति के आंकड़े लिए जाएंगे

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत सरकार 2025 में देश में जन-गणना चालू करवा सकती है। इसकी रिपोर्ट 2026 तक सार्वजनिक होने की संभावना है। इस जन-गणना में जातिवार आंकड़े नहीं लिए जाएंगे। हालांकि, अनुसूचित जातियों और जनजातियों की जानकारी इस जनगणना में शामिल की जाएगी। जनगणना के बाद संसदीय क्षेत्रों का नए परिसीमन का काम भी शुरू होगा।2025 में जनगणना चालू किए जाने के बाद फिर से 10 साल के अंतर पर ही जनगणना होगी। अभी जन-गणना के सबसे नए आंकड़े 2011 के हैं। 2021 में देश में अगली जनगणना होनी थी लेकिन कोविड महामारी के कारण ऐसा नहीं हो सका था। 2026 में जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के बाद देश में संसदीय क्षेत्रों का पुनः परिसीमन का काम चालू होगा। यह 2028 तक पूरा किए जाने के कयास हैं। यह भी बताया गया है कि इस परिसीमन के साथ ही महिलाओं का 33 प्रतिशत आरक्षण भी लागू किया जा सकता है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,005.04
+602.75 +0.76% ↑
एनएसई :24,339.15
158.35 (0.65%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,840/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 99,800/- (प्रति किलोग्राम)

मुडा जमीन घोटाले में ईडी ने की व्यापक छापामारी

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया पर कसा शिकंजा

ईडी ने सिद्धारमैया के 8 ठिकानों की तलाशी ली

बेंगलुरु, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक के मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय लगातार अपना शिकंजा कसता जा रहा है। इसी क्रम में केंद्रीय एजेंसी ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ उनके ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी ने बेंगलुरू और मैसूरु स्थित 8 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की।

मुडा मामले में हाल ही में ईडी ने उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के अंतर्गत केस दर्ज किया गया था। इससे पहले 18 अक्टूबर को भी केंद्रीय जांच एजेंसी ने छापामारी की थी। उस वक्त एजेंसी के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह बेंगलुरू स्थित कार्यालय में मुडा के कुछ निचले स्तर के अधिकारियों से पूछताछ भी की थी। मुडा घोटाले में कांग्रेस शासित राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ लोकायुक्त ने केस दर्ज किया था। बाद में लोकायुक्त द्वारा दर्ज किए गए केस पर संज्ञान लेते हुए सीएम और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के अंतर्गत ईसीआईआर दायर की थी। मुडा मामले में सीएम सिद्धारमैया ने अपनी पत्नी पार्वती को 14 फ्लैटों का आवंटन किया था। इसी आवंटन में अनियमितताओं के मामले में लोकायुक्त और ईडी की जांच का सामना कर रहे हैं।

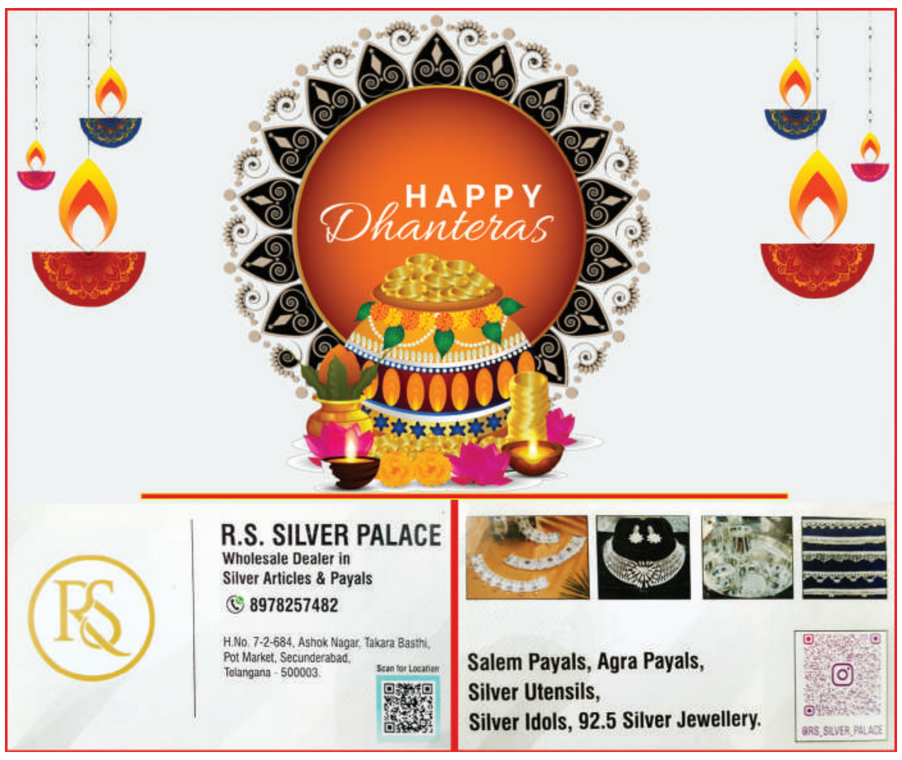

कार्टून कॉर्नर

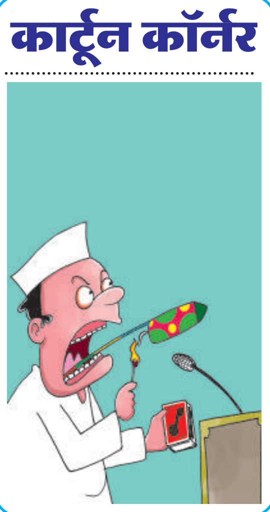

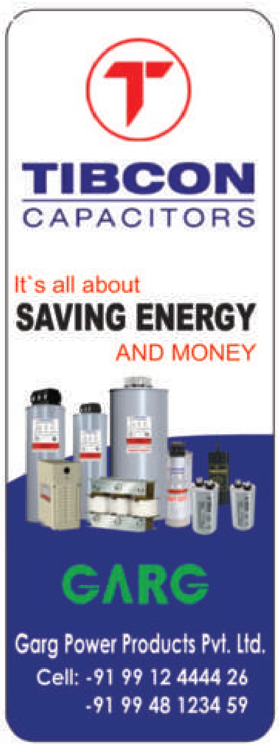

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 23^0

दमरे महाप्रबंधक ने 15 कर्मियों को महीने का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार से किया सम्मानित

जीएम एससीआर अरुण कुमार जैन ने विभिन्न सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार 28 अक्टूबर को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान 15 कर्मचारियों को माह का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। महीने के कर्मचारी का पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया गया जिन्होंने सतर्कता, कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाया और असुरक्षित स्थितियों को रोका। दमरे के अपर महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने सतर्कता दिखाने और रोकथाम के लिए समय पर कार्रवाई करने के लिए सिकंदराबाद डिवीजन के 03, विजयवाड़ा डिवीजन के 03, गुंतकल डिवीजन के 04, नांदेड़ डिवीजन के 03 और गुंटूर डिवीजन के 02 से संबंधित कर्मचारियों को महीने का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार के लिए चुने गए कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों जैसे लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, तकनीशियन और पॉइंट मैन आदि से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अत्यंत समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों को निभाने की प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि ये पुरस्कार दूसरों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें, जिससे रेलवे को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में मदद मिलेगी।

महाप्रबंधक ने जोन पर बिंदुओं और क्रॉसिंगों की सुरक्षा पर रेलवे बोर्ड द्वारा चलाए गए सुरक्षा अभियानों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ड्राइव का उद्देश्य उस विशेष क्षेत्र पर की जाने वाली सुधारात्मक कार्रवाई है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समस्या पर ध्यान देना पूर्ण समाधान नहीं है, उसका मूल कारण ढूंढना और यह सुनिश्चित करना कि वही समस्या दोबारा न हो। अरुण कुमार जैन ने सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा करते हुए कहा कि, सुरक्षा हमारी प्रमुख चिंता है और इसे हर समय सुनिश्चित किया जाना चाहिए और कर्तव्यों का निर्वहन करते समय शॉर्ट कट पद्धति से बचना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों को ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। बाद में, महाप्रबंधक ने जोन पर चल रहे ट्रैक नवीनीकरण कार्यों की स्थिति पर डीआरएम के साथ चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को सिग्नल, ऑपरेटिंग जैसे अन्य सभी विभागों के समन्वय के साथ मानव और मशीनरी के सर्वोत्तम उपयोग और यात्री ट्रेनों की समयपालनता के नुकसान को कम करने आदि के लिए के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया।

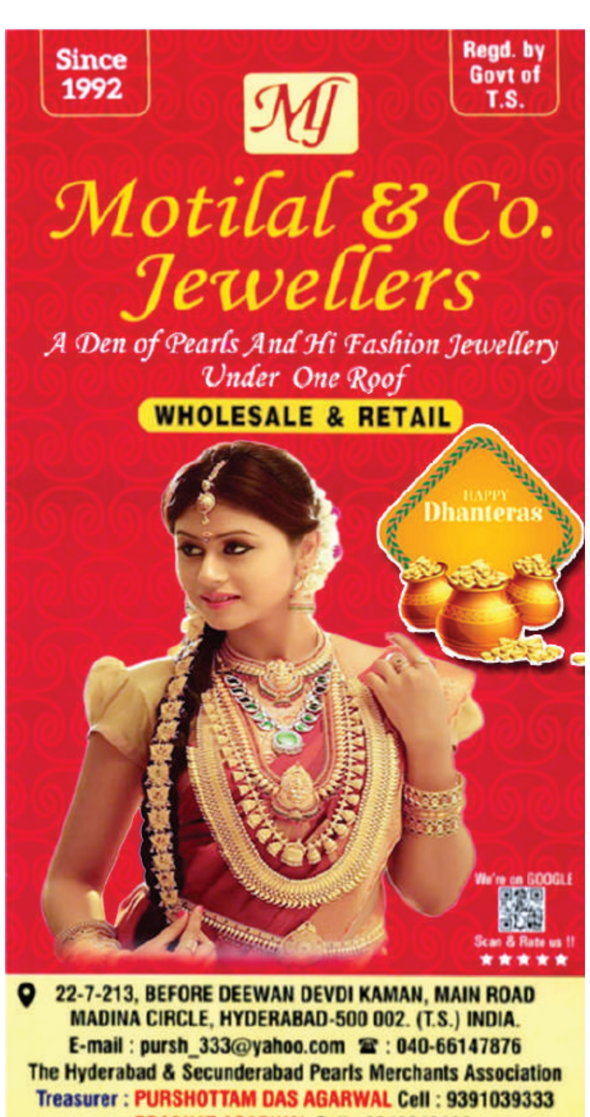

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.